



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 176]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 26, 1984/ज्येष्ठ 5, 1906

No. 176]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 26, 1984/JYAISTHA 5, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

अध्याय-1

(श्रम विभाग)

नई दिल्ली, 26 मई, 1984

अधिसूचना

सा० का० नि० 400 (अ).—कतिपय विनियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 57 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाना चाहती है, उक्त अधिनियम की धारा 59 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित किया जाता है। इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जायेगा। उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से जो भी आक्षेप या सुझाव इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

1. संक्षिप्त नाम, प्रारम्भ विस्तार और लागू होना:—

(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम तेल खान विनियम, 1984 है।

(2) इसका विस्तार संपूर्ण भारत पर है।

(3) ये प्रत्येक तेल खान को लागू होंगे।

2. परिभाषाएं—इन विनियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(1) “अधिनियम” से खान अधिनियम, 1952 अभिप्रेत है ;

(2) “अम्लन” से अभिप्रेत है अम्ल के साथ रासायनिक अभिक्रिया द्वारा तेल घर शैल समूह का उत्पादन बढ़ाने के लिये विवेचन ;

(3) ‘बलयाकार स्थान’ से कूप में लटकी हुई पाईप के आसपास का स्थान अभिप्रेत है। बलयाकार स्थान की बाहरी दीवार एक विवृत कूप हो सकेगी या वह बृहत पाईप का एक स्ट्रिंग हो सकेगी ;

(1)

- (4) "अनुमोदित" से मुख्य निरीक्षक द्वारा लिखित में साधारण या विशेष आदेश द्वारा अनुमोदित अभिप्रेत है और वह ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए है जो उसमें वह निर्दिष्ट करे।
- (5) "स्त्राव" से अभिप्रेत है द्रव या गैस को किसी वाल्व में होकर साधारणतः धीरे-धीरे निकालना; स्त्राव होने से अभिप्रेत है किसी कूप या दाबोक्त उपस्कर के दाब की नियंत्रित निर्मुक्ति ;
- (6) "विफल विस्फोट" से अभिप्रेत है किसी कूप में गैस और तेल का आकस्मिक प्रचंड निकास;
- (7) "विफल विस्फोट निरोद्धक" से अभिप्रेत है—
 (क) ऐसी कोई युक्ति जो, यदि किक या विफल विस्फोट उत्पन्न हो तो नलिका और केसिंग के बीच या ड्रिल पाइप और केसिंग के बीच के बलयाकार स्थान से तरल पदार्थों के दाब को नियंत्रण करने या उनके निकास को रोकने या यदि छिद्र में कोई ड्रिल पाइप या नलिका हो तो छिद्र को बंद करने के लिए केसिंग के ठीक ऊपर संलग्न होती है, या
 (ख) ऐसी कोई युक्ति जो बक ओवर संक्रियाओं के दौरान दाब को नियंत्रण करने और विफल किक या यदि विस्फोट उत्पन्न हो तो, तार-रज्जू और नलिका या के सिंहा के बीच के स्थान से तरल पदार्थों के निकास को रोकने के कूप शीर्ष या क्रिसमसट्री या आरोहण पाइप के ठीक ऊपर संलग्न होती है।
- (8) केसिंग से वेधन कार्य के समय किसी तेल या गैस कूप में वेधन कार्य के दौरान कूप को घूमने से रोकने और यदि कूप उत्पादकारी है तो तेल निकालने के लिए साधन की व्यवस्था करने के लिए लगाई गई इस्पात की पाइप अभिप्रेत है।
- (9) "सेलर" से अभिप्रेत है कूप बोर के शीर्ष पर उपस्कर की मदों के लिए स्थान की व्यवस्था करने के लिए डेरिक के नीचे का उत्खनन, जो पश्चात्कर्ती निपटान के लिए फ्लोर के नीचे जल निकास और अन्य तरल पदार्थों को इकट्ठा करने के लिए एक गर्त के रूप में भी काम करता है।
- (10) "सीमेंटिंग से अभिप्रेत है वह संक्रिया जिसके द्वारा सीमेंट गारे को केसिंग में से इस प्रकार नीचे की ओर धकेला जाता है और उसे निचले छोर पर बाहर निकाला जाता है कि वह कूप के तल के ऊपर पूर्ण अवधारित ऊंचाई तक केसिंग और कूप बोर की दीवारों के बीच के स्थान को केसिंग को ठीक स्थान पर मुदूढ़ करने और कूपबोर से जल और अन्य तरल पदार्थों को अपवर्जित करने के प्रयोजन के लिए भर देता है;
- (11) "क्रिसमस ट्री" से अभिप्रेत है तरल पदार्थों के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए किसी कूप के शीर्ष पर संभाजित बाल्व और फिटिंग;
- (12) "सक्षम व्यक्ति" से ऐसी व्यक्ति अभिप्रेत है जो ऐसी कार्यकरण दशाओं के जो काम करने वाले व्यक्तियों के लिए अस्वच्छ जोखिम वाली या खतरनाक है आस पास विद्यमान और पूर्वानुमेय जोखिमों को पहचानने में सक्षम है और जिसे उन्हें दूर करने के लिए तुरन्त सुधार संबंधी उपाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।
- (13) "सम्पूरित कूप" से कोई ऐसा कूप अभिप्रेत है जिसमें उत्पादनकारी शैल समूह कूप बोर के लिए खुला है और कूप में और शीर्ष पर संस्थापित उपस्कर है जिसे कि यह भौतिक रूप से तेल या गैस का उत्पादन करने में समर्थ हो।
- (14) "क्राउन ब्लॉक" से डेरिक या दण्ड के शीर्ष पर लगा हुआ ऐसा बहुधरखीदार समंजन अभिप्रेत है जिसका उपयोग चल ब्लॉक के साथ ड्रिल स्ट्रिंग, केसिंग नलिका, छड़ों और अन्य औजारों को ऊपर-नीचे करने के लिए किया जाता है;
- (15) "डेरिक" से ऐसा मिश्रित जालक संरचना अभिप्रेत है जिसका उपयोग वेधन के लिए बोर छिद्र के ऊपर या कूप की सफाई कर के प्रयोजनों के लिए किया जाता है;
- (16) किसी खान के संबंध में जिला मजिस्ट्रेट से, यथास्थिति वह जिला मजिस्ट्रेट या उपायुक्त अभिप्रेत है, जिसमें उस राजस्व जिले में, जिसमें खान स्थित है, विधि और व्यवस्था बनाए रखने की कार्यपालक शक्तियां निहित हैं;
- परन्तु उस खान की दशा में जो अंशतः एक जिले में और अंशतः दूसरे जिले में स्थित है इन विनियमों के प्रयोजनों के लिए जिला मजिस्ट्रेट वह जिला मजिस्ट्रेट होगा जो सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया गया हो;
- (17) "कर्षण सकर्म" से अभिप्रेत है शैफ्टों चक्रदन्तों चैन्सों, पुलियों पट्टियों, क्लचों, कटैहडों और या अन्य यांत्रिक युक्तियों का संमंजन, जिसमें किसी कूप का वेधन करने या उत्पादनकारी कूप की सफाई करने के लिए प्रयुक्त उपस्कर को उठाने, प्रचालित करने के लिए नियंत्रण उपयुक्त रूप से लगाए गए हैं और उनकी व्यवस्था की गई है;
- (18) "वेधन" में उत्पादनकारी या संभावित उत्पादनकारी भूगर्भीय क्षितिज के अन्तः वेधन की प्रक्रिया अभिप्रेत है।

- (19) "बैधन सिगर" से बोर छिद्र स्थल पर बैधन करने के प्रयोजनों के लिए अपेक्षित सम्पूर्ण संरचना और मशीनरी अभिप्रेत है;
- (20) "उत्पापक" से इस्पात की एक ऐसी यांत्रिक युक्ति अभिप्रेत है जिसका उपयोग चल ब्लाक से लटके हुए उसोलन उपस्कर के साथ, लटकी हुई पाइप या छड़ को, किसी कूप में नीचे करने या उसमें से खींचने के लिए किया जाता है;
- (21) "बचाव रज्जू" से ऐसी आनत तार रज्जू अभिप्रेत है जिससे डेरिक या दंड के रैकिंग प्लेटफार्म के ऊपर के स्थल से सुरक्षा गाड़ी या स्लाइड को नीचे भू-स्थिरक तक ले जाया जाता है;
- (22) "विस्फोट मापक मीटर" से ज्वलनशील गैस की सान्द्रता मापने का उपकरण अभिप्रेत है;
- (23) "विस्फोटक" का वही अर्थ है जो भारतीय विस्फोटक अधिनियम, 1884 में है;
- (24) "ज्वालासह उपस्कर" से ऐसा उपस्कर अभिप्रेत है जो बिना किसी क्षति के अपने भीतर उत्पन्न होने वाली ज्वलनशील गैस के किसी विस्फोटन को सहन कर सकता हो और ऐसी ज्वाला के, जो आसपास के वातावरण में मौजूद हो सकने वाली ज्वलनशील गैस को ज्वलित करेगी, संचरण को रोक सकता हो;
- (25) "ज्वलनशील" से अभिप्रेत है, आसानी से ज्वलित होने में समर्थ होना, उग्रता के साथ दहन होना या जिसमें ज्वाला फैलाने की हुन गति हो;
- (26) "ज्वाला" से खुली ज्वाला अभिप्रेत है जिसका प्रयोग अनावश्यक गैस को नष्ट करने के लिए किया जाता है;
- (27) "फ्लोर ब्लाक" से फ्लोर स्तर पर या उसके निकट स्थिर एकल चरबी पुली या खुलकप्पी अभिप्रेत है जिसके द्वारा किसी रस्से पर के पुली की दिशा में परिवर्तन किया जा सकता है;
- (28) "प्ररूप" से पहली अनुसूची में उपवर्णित प्ररूप अभिप्रेत है;
- (29) "विभंग" से उत्पादन के लिए प्रवाह मार्ग खोलने के प्रयोजन के लिए किसी तरल पदार्थ को अधः स्तल स्तर के अन्दर प्रवेश कराने की प्रक्रिया अभिप्रेत है;
- (30) "गैस" से पेट्रोलियम या प्राकृतिक गैस में उपस्थित या उससे व्युत्पन्न हाइड्रोकार्बन की वाष्प स्थिति अभिप्रेत है;
- (31) "गैस-मुक्त" से किसी टैंक या क्षेत्र में किसी अनुमोदित यंत्र से यथामापित ज्वलनशील और या विपरीत गैसों की सान्द्रता अभिप्रेत है जो प्रवेश करने वाले व्यक्तियों के लिए मापित गैस की सुरक्षित विहित सीमा-मान के भीतर है
- (32) "गैस कूप" से अभिप्रेत है ऐसा कूप, जिसमें किसी गैस धारक जॉन से निरन्तर उत्पादन होता रहता है या ऐसा कूप जिसमें केसिंग अनुमानित परिस्थितियों के अधीन गैस के निरन्तर उत्पादन के लिए चलाया जाता है;
- (33) "समूह संग्रहण केन्द्र" से तेल या गैस का संग्रहण, अभिक्रिया या संचयन के लिए प्रयुक्त उत्पादन सुविधा अभिप्रेत है;
- (34) "जोखिमवाला क्षेत्र" से ऐसा क्षेत्र अभिप्रेत है जहाँ सामान्य संक्रियाओं के दौरान पर्याप्त मात्रा में ऐसा जोखिमवाला वातावरण पाए जाने की संभावना है जो जोखिम बन सकता है;—
- (35) "जोखिमवाला वातावरण" से ऐसा वातावरण अभिप्रेत है जिसमें किसी सान्द्रता में कोई ऐसी ज्वलनशील गैस या वाष्प है जो ज्वलित होने में समर्थ है
- (36) "हाइलाइटन या आउटलाइटन" से ऐसा रस्सा अभिप्रेत है जिसका उपयोग किसी डेरिक या दण्ड से पाइपें, वेधन करने वाले औजार या अन्य उपस्कर डेरिक या डेरिक या दण्ड के बाहर के अन्य अवस्थान तक ले जाने के लिए किया जाता है;
- (37) "संस्थापन" से कोई ऐसा स्थिर संस्थापन या स्थिर संस्थापन या कोई भाग अभिप्रेत है जिसका अनुरक्षण खान के भीतर किया जाता है या जिसे वहाँ तेल या गैस के समुपयोजन के संबंध में या ऐसे समुपयोजन की दृष्टि से खोज के संबंध में स्थापित किया जाता है;
- (38) "संस्थापन प्रबन्धक" से अभिप्रेत है संस्थापन के स्वामी या अभिकर्ता द्वारा लिखित में नियुक्त ऐसा व्यक्ति, जो संस्थापन के या उसके सम्बन्ध में सभी संक्रियाओं और क्रियाकलापों का भारताधिक है और उनके लिए उत्तरदायी है;
- (39) "आयनकारी विकिरण" से किसी रेडियो ऐक्टिव पदार्थ के परमाणु न्युक्लियस के स्वतः विदारी विखंडन के कारण ऐसा उत्सर्जन अभिप्रेत है जो स्वास्थ्य के लिए जोखिमवाला है;
- (40) "किक" से अभिप्रेत है वेधन किए जाने पर कूप में प्रवेश करने वाले गैससमूह तरलपदार्थों के अंतर्वाह से कारित लघु अवधि का कोई अचानक दाब प्रोत्कर्ष;
- (41) "केली काक" से अभिप्रेत है एक ऐसा वाक्व जिसे तरल पदार्थों का उच्च दाब पृष्ठ-प्रवाह होने की दशा में पूर्णमान और केली या केली और ड्रिल

- पाइप के बीच दाब का नियंत्रित करने और घूर्णमान तथा घूर्णी हाज पर से दाब का हटाने के लिए संस्थापित किया जाता है ;
- (42) "स्नेह" से अभिप्रेत है केसिंग या नलिका शीर्ष पर के दाब के ऊपर केसिंग या नलिका का विस्तारण जिसमें ऊपर सिरे पर किसी कूप के अन्दर जाने वाले शीजरो से संलग्न तार-रज्जू या अन्य संबन्धन को बन्द करने के लिए दाब बन्द करने वाली युक्ति है
- (43) "मशीनरी" से अभिप्रेत है :-
 (क) कोई स्थिर या सुबह्य इंजन, वायु या गैस संपीडित, वायलर या वाष्प साधित्र; अथवा
 (ख) ऊर्जा का विकास करने, संचयन करने, पारेषण करने, संपरिवर्तन करने या उपयोग करने के लिए आशयित कोई साधित्र, साधन या साधित्रों का समुच्चय; अथवा
 (ग) कोई ऐसा साधित्र, साधन या साधित्रों का समुच्चय, यदि इनके द्वारा विकसित, संचयित, पारेषित, संपरिवर्तित या उपयोगित किसी शक्ति का उपयोग वेधन, उत्पादन और परिवहन संक्रियाओं के संबंध में किया गया है या ऐसा उपयोग किए जाने के लिए आशयित है ;
- (44) "मंकी बॉर्ड" से डेरिक के ऊपर संस्थापित ऐसा चल या स्थिर प्लेटफॉर्म अभिप्रेत है जिस पर कार्यरत व्यक्ति डेरिक पर रखी हुई पाइपो या अन्य उपस्कर को संभालने के लिए खड़े होते हैं ;
- (45) "पंक" से ऐसा द्रव अभिप्रेत है जिसे घूर्णी वेधन और वर्कओवर संक्रियाओं के दौरान कूपबोर के द्वारा परिसंचरण किया जाता है
- (46) "पंक टंकी" से ऐसा कुंड या टंकी अभिप्रेत है जिसके द्वारा वेधन पंक को रेत और सूक्ष्म अवसादों के नीचे बैठ जाने के लिए चक्रित किया जाता है जहां कि यांगशील पंक के साथ निश्चित हो और जहां तरल पदार्थ की कूप में दाब का पम्प आगारने से पहले अस्थायी रूप से संचित किया जाता है ;
- (47) "पंक-पम्प" से ऐसा पंप अभिप्रेत है जिसका उपयोग सामान्य संक्रिया के अधीन ड्रिल पाइप के नीचे और ऐन्गुलस के ऊपर पंक परिसंचरण करने के लिए किया जाता है ;
- (48) "पदधारी" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे स्वामी, अभिकर्ता का प्रबंधक द्वारा, खान या उसके किसी भाग में पर्यवेक्षण के विशेष कर्तव्यों का पालन करने के लिए, लिखित रूप में नियुक्त किया गया है और इसके अन्तर्गत संस्थापन प्रबंधक, सुरक्षा अधिकारी और अग्नि-शमन अधिकारी है ;
- (49) "तेल कूप" से अभिप्रेत है ऐसा कूप जिससे किसी तेल धारक खान से निरन्तर उत्पादन होता रहता है या ऐसा कूप जिसमें केसिंग को अनुमानित परिस्थितियों के अधीन तेल के निरन्तर उत्पादन के लिए चलाया जाता है ;
- (50) "पेट्रोलियम वर्ग क और ख" का वही अर्थ है जो भारतीय पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 में दिया गया है ;
- (51) "पाइप रैक" से अभिप्रेत है रिंग फ्लोर के स्तर से लगी हुई किन्तु प्रायः उससे नीचे अवस्थित संरचना जिस पर पाइप या केसिंग को संचित किया जा सकेगा या रखा जा सकेगा ;
- (52) "मंच" से व्यक्तियों का कार्यकरण स्थान अभिप्रेत है, जो मशीनरी और उपस्कर के प्रचालन के लिए प्रतिबेशी फ्लोर या भूमि के ऊपर उठा रहता है ;
- (53) "तिमाही" से 31 मार्च, 30 जून, 30 सितम्बर या 31 दिसम्बर को समाप्त होने वाली तीन माह की अवधि अभिप्रेत है ;
- (54) "रैक पर रखा जाना" डेरिक या दण्ड पर खड़े या पाइप रैक पर संचित नलिकाकार माल या छड़ों के प्रति निर्देश है ;
- (55) "रेकिंग मंच" से ऊंचाई पर के डेरिक या दंड में का मंच अभिप्रेत है जहां सामान्यतया डेरिकमैन से रैक पर रखी गई पाइपों को संभालने के लिए ओक्षा की जाती है ;
- (56) "रेल" से भारतीय रेल अधिनियम, 1980 में यथा परिभाषित रेल अभिप्रेत है ;
- (57) "प्रादेशिक निरीक्षक" से ऐसे प्रदेश या स्थानीय क्षेत्र या क्षेत्रों का, जिनमें खान स्थित है, या खानों के ऐसे समूह या वर्ग का, जिसकी वे खाने हैं, भारसाधक खान निरीक्षक अभिप्रेत है जिन पर वह अधिनियम के अधीन अपनी शक्तियों का प्रयोग करता है ;
- (58) "रिंग खड़ा करना" से वेधन संक्रियाओं के प्रारम्भ से पहले वेधन रिंग और सहायक उपस्कर का समंजन-कार्य अभिप्रेत है ;

- (59) "घूर्णी हौज" से ऐसा हौज अभिप्रेत है जो स्टैंड पाइप से घूर्णमान और कैली तक परिसंचारी तरल पदार्थ का संचालन करता है ;
- (60) "घूर्णी टेबल" से मुख्यतः वेधन स्ट्रिंग को घुमाने के लिए प्रयुक्त रिंग फ्लोर पर शक्ति प्रचालित घूर्णन टेबल अभिप्रेत है ;
- (61) "भनुसूची" से इन विनियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ;
- (62) "स्टैंडों" से अभिप्रेत है पाइपों के ऐसे संयोजन जिनकी सम्बाई दो या अधिक पाइपों को जोड़कर बनी है और जो डेरिक या दण्ड में रैक पर रखे गए हैं ;
- (63) "मानक रेलिंग" से व्यक्तियों के गिरने से रोकने के लिए फ्लोर की खुली जगह, दीवार की खुली जगह, रैम्प, मंच या पैदलमार्ग के खुले किनारों के साथ-साथ बने ऊर्ध्वाधर रोक अभिप्रेत है ;
- (64) "उप-संरचना" से ऐसी नींव अभिप्रेत है जिस पर सामान्यतया डेरिक और इंजन बैठाए जाते हैं ;
- (65) "स्वाबिंग" से तार रज्जू पर की उत्पापक युक्ति से, जब कूप सामान्य रूप से न बह रहा हो तब, कूप के तरल पदार्थ को सतह पर लाने की संक्रिया अभिप्रेत है ;
- (66) "टी बोर्ड" से सामग्री के गिरने से रोकने के लिए फ्लोर की खुली जगह, दीवार की खुली जगह, मंच, पैदल मार्ग या रैम्प के खुले किनारों के साथ-साथ बने फ्लोर स्तर पर ऊर्ध्वाधर रोक अभिप्रेत है ;
- (67) "विषैली धूल गैस" से ऐसी धूल या गैस अभिप्रेत है जिससे एक या एक से अधिक शारीरिक तंत्र की सामान्य शारीरिक प्रक्रिया में परिवर्तनीय या अपरिवर्तनीय गड़बड़ी हो सकती है ;
- (68) "चल ब्लॉक" से वेधनस्ट्रिंग, कौंसिंग, नलिका छड़ों और अन्य औजारों को ऊपर उठाने और नीचे करने के लिए स्थिर क्राउन-ब्लॉक के साथ प्रयुक्त बहुचर खीदार पुली ब्लॉक अभिप्रेत है ;
- (69) "कूप" से अभिप्रेत है —
- (क) वेधन, बोरिंग या किसी अन्य रीति से किया गया या किया जा रहा भूमि के अन्तर छिद्र जिससे कोई पेट्रोलियम या प्राकृतिक गैस प्राप्त की जाती है या पाया है या वह पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए है ;
- (ख) अन्तःक्षेप के लिए जल प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए या प्राकृतिक गैस, वायु, जल या किसी अन्य पदार्थ को भूमिगत शैलसमूह में अन्तःक्षेप करने के लिए उपयोग में लाया गया, वेधन किया गया या वेधन किया जा रहा भूमि के अन्तर छिद्र ;
- (70) "कूप शीर्ष" से अभिप्रेत है कूप कौंसिंग स्ट्रिंगों के शीर्ष पर तरल पदार्थ के बहाव को नियंत्रित करने के लिए निकासियों और वाल्वों सहित समंजन ;
- (71) "कूप छिद्रण" से अभिप्रेत है कूप कौंसिंग या सीमेंट को छिद्रित करना जिसमें कि उत्पादन के लिए या परीक्षण या कूप उद्घोषण के प्रयोजनों के लिए प्रवाह-मार्ग की व्यवस्था हो सके ;
- (72) "वर्क ओवर या कूप सर्विसिंग" से अभिप्रेत है किसी तेल उत्पादक कूप पर उत्पादन को फिर चालू करने और बढ़ाने की आशा से एक या एक से अधिक प्रकार की उपचारी संक्रियाओं का किया जाना ऐसी संक्रियाओं के उदाहरण हैं खुरचना, कुरेदना, गहरा करना, प्लनिंग, बैंक, अभिकर्षण और पुनः नियोजन लाइन, स्वीज सीमेंटिंग वेधन और अम्लन ;
- (73) "जोन '0' जोखिमवाला क्षेत्र" से अभिप्रेत है वह क्षेत्र जहां जोखिमवाला वातावरण निरंतर मौजूद रहता है ;
- (74) "जोन - 1 - जोखिमवाला क्षेत्र" से अभिप्रेत है वह क्षेत्र जहां सामान्य संक्रियात्मक दशाओं में जोखिमवाला वातावरण उत्पन्न होने की संभावना है ;
- (75) "जोन 2 जोखिमवाला क्षेत्र" से अभिप्रेत है वह क्षेत्र, जहां असामान्य संक्रियात्मक दशाओं में जोखिमवाला वातावरण उत्पन्न होने की संभावना है ।

अध्याय 2

विवरणियां, सूचनाएं और रेखांक

3. विवृत करने की सूचना :— (1) अधिनियम की धारा 16 द्वारा अपेक्षित सूचना प्ररूप, 1 में प्रस्तुत की जाएगी ।

(2) जब कोई खान विवृत की गई है तब उसका स्वामी, अधिकर्ता या प्रबंधक विवृत करने की वास्तविक तारीख की सूचना मुख्य निरीक्षक और प्रादेशिक निरीक्षक को तत्काल देगा ।

4. तिमाही विवरणियां :—स्वामी, अधिकर्ता या प्रबंधक, प्रत्येक वर्ष जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर के 20वें दिन को या उसके पूर्व प्ररूप 2 में पूर्ववर्ती तिमाही की बाबत शुद्ध विवरणियां मुख्य निरीक्षक और प्रादेशिक निरीक्षक को प्रस्तुत करेगा ।

5. वार्षिक विवरणियां :—स्वामी, अधिकर्ता या प्रबंधक, प्रत्येक वर्ष फरवरी के 20वें दिन को या उसके पूर्व, प्ररूप 3 में पूर्ववर्ती वर्ष की बाबत वार्षिक विवरणियां जिला और मुख्य निरीक्षक को प्रस्तुत करेगा ।

6. नाम और पते, आदि में परिवर्तन :— (1) जब किसी खान के नाम या स्वामित्व में या स्वामी के पते में कोई परिवर्तन हो जाए तब स्वामी, अधिकर्ता या प्रबंधक, परिवर्तन की तारीख से सात दिन के भीतर मुख्य निरीक्षक और प्रादेशिक निरीक्षक को प्ररूप 1 में सूचना देगा ।

(2) जब किसी अभिकर्ता, प्रबन्धक, संस्थापन प्रबन्धक, सुरक्षा अधिकारी या अग्निशमन अधिकारी की नियुक्ति की जाती है या जब किसी ऐसे व्यक्ति का नियोजन समाप्त कर दिया जाता है या कोई ऐसा व्यक्ति उक्त नियोजन को छोड़ देता है या जब किसी अभिकर्ता या प्रबन्धक के पते में कोई परिवर्तन हो जाता है तब स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक, ऐसी नियुक्ति समाप्त या परिवर्तन की तारीख से सात दिन के भीतर मुख्य निरीक्षक और प्रादेशिक को प्ररूप 1 में सूचना देगा।

7. दुर्घटना की सूचना :— (1) (क) जब किसी खान में या आसपास —

- (i) खान संक्रियाओं के संबंध में कोई ऐसी दुर्घटना हो जाए जिससे जीवन की हानि या गम्भीर शारीरिक क्षति करती हुई हो ;
- (ii) कोई विस्फोट या ज्वलन घटित हो जाए ;
- (iii) विफल विस्फोट हो जाए ;
- (iv) आग लग जाए ;
- (v) कोई पाइप लाइन या अपरिष्कृत तेल, प्राकृतिक गैस, वाष्प, सम्पीड़ित वायु या अन्य पदार्थ वाला कोई उपस्कर वायुमंडलीय दाब से अधिक दाब पर फट जाए ;
- (vi) कर्षण-संकर्म, वेधन लाइन का कोई आवश्यक भाग भंग हो जाए या टूट जाए या आपात ब्रेक खराब हो जाए ;
- (vii) किसी डेरिक, दंड, मशीनरी या साधित का कोई आवश्यक भाग भंग हो जाए, टूट जाए या खराब हो जाए जिससे व्यक्तियों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाए ;
- (viii) अपायकर गैसों का अन्तर्वाह घटित हो जाए ;

(ix) विस्फोट के कारण कोई दुर्घटना हो जाए,

तब स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक टेलीफोन से या एक्सप्रेस तार द्वारा या विशेष संदेश वाहक द्वारा प्रादेशिक निरीक्षक को तत्काल सूचित करेगा और ऐसी प्रत्येक घटना के 24 घंटे के भीतर उसकी सूचना प्ररूप 4क में जिला मजिस्ट्रेट, मुख्य निरीक्षक, प्रादेशिक निरीक्षक को भी देगा।

(ख) जब खान में या उसके आसपास विद्युत् ऊर्जा के उत्पादन, संचयन, रूपांतरण पारेषण, प्रदाय या उपयोग के संबंध में जीवन की हानि या गंभीर शारीरिक क्षति कारित करने वाली कोई दुर्घटना हो जाए, तब स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक खानों के विद्युत् निरीक्षक को टेलीफोन, एक्सप्रेस तार या विशेष संदेशवाहक द्वारा भी तत्काल सूचित करेगा।

(2) यदि उप विनियम (1) के अधीन गंभीर रूप में पहले रिपोर्ट की गई किसी क्षति से मृत्यु हो जाती है, तो स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक मृत्यु की सूचना प्राप्त होने के 24 घंटे के भीतर, उसकी सूचना जिला मजिस्ट्रेट, मुख्य निरीक्षक और प्रादेशिक निरीक्षक को देगा।

(3) स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक मारे गए या क्षत प्रत्येक व्यक्ति की बाबत विशिष्टियां, यथास्थिति, ऐसी घटना के सात दिन के भीतर या क्षत व्यक्ति के झूटी पर लीटने के 15 दिन के भीतर प्ररूप 4-ख और प्ररूप 4-ग में मुख्य निरीक्षक को भेजेगा।

8. रोग की सूचना :—जहां किसी खान में नियोजित किसी व्यक्ति को केन्द्रीय सरकार द्वारा राजपत्र में अधिसूचित कोई रोग हो जाता है वहां, स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक रोग की सूचना मिलने के तीन दिन के भीतर उसकी सूचना प्ररूप 5 में जिला मजिस्ट्रेट, मुख्य निरीक्षक, प्रादेशिक निरीक्षक और खान निरीक्षक (चिकित्सा) को देगा।

9. रेखांक :—(1) प्रत्येक खान का स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक निम्नलिखित रेखांक रखेगा :—

- (क) एक मूल रेखांक जिसमें सम्यक् रूप से सीमांकित वह क्षेत्र दिखाया गया हो जिसमें पेट्रोलियम या प्राकृतिक गैस या दोनों के निष्कासन के लिए संक्रियाएं और आनुषंगिक संक्रियाएं की जाती हैं।
- (ख) एक रेखांक, जिसमें निष्कासन क्षेत्र के भीतर तेल, गैस और परिव्यक्त कूपों, संग्रहण केन्द्रों, पाइप-लाइनों जिनके अन्तर्गत उनके पहुँच मार्ग भी हैं; रेल, विद्युत् पारेषण लाइन, लोक मार्ग या भवन या ऐसी अन्य स्थायी संरचनाओं जो स्वामी की नहीं हैं, नदियों और जलमार्गों का अवस्थान दिखाया जाएगा।

(2) इन विनियमों के उपबन्धों के अनुसार बनाए रखे गए प्रत्येक रेखांक में :—

- (क) खान और स्वामी का नाम तथा वह प्रयोजन जिसके लिए रेखांक तैयार किया गया है, दिखाए जाएंगे;
- (ख) भौगोलिक उत्तर या चुम्बकीय या क्योत्तर रेखा और पश्चात् कथित की तारीख दिखाई जाएंगी;
- (ग) जब तक कि अन्यथा उपबन्धित न हो, यह स्केल पर होगा, जिसका निम्नलिखित निरूपक कारक होगा :—

(i) मूल रेखांक की दशा में, 50,000 : 1;

(ii) उप विनियम (1)(ख) में उल्लिखित तेल, गैस कूपों और अन्य संस्थापनों के अवस्थान दिखाने वाले रेखांक की दशा में, 20,000 : 1;

- (घ) रेखांक अनवरत कागज पर या पोलिएस्टर अनुरेखण फिल्म पर समुचित रूप में मसि से बना होगा।

अध्याय 3

निरीक्षक, प्रबंध और कर्तव्य

10. निरीक्षकों की अर्हताएं :—(1) इन विनियमों के प्रवृत्त हो जाने के पश्चात् कोई भी नया व्यक्ति मुख्य निरीक्षक के रूप में तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि उसके पास, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किसी शिक्षा संस्था की खनन इंजीनियरी में उपाधि या डिप्लोमा न हो।

(2) इन विनियमों के प्रवृत्त हो जाने के पश्चात् कोई भी व्यक्ति निरीक्षक के रूप में तब तक नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि उसके पास केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किसी शिक्षा संस्था की खनन या पेट्रोलियम इंजीनियरी में उपाधि या डिप्लोमा न हो।

परन्तु :—

- (i) खानों में प्रतिष्ठापित वैद्युत् मशीनरी के सम्बन्ध में, उस व्यक्ति को इस प्रकार नियुक्त किया जा सकेगा जिसके पास केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किसी शिक्षा संस्था की वैद्युत् इंजीनियरी में उपाधि या डिप्लोमा हो;
- (ii) खानों में प्रतिष्ठापित अन्य मशीनरी या यांत्रिक साधनों के संबंध में उस व्यक्ति को इस प्रकार नियुक्त किया जा सकेगा जिसके पास केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किसी शिक्षा संस्था की यांत्रिक इंजीनियरी में उपाधि या डिप्लोमा हो;
- (iii) अधिनियम और विनियमों के तथा उनके अधीन किए गए आदेशों के ऐसे उपबन्धों के सम्बन्ध में, जो व्यक्तियों के स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित बातों से संबंधित हैं, उस व्यक्ति को, जिसके पास केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किसी शिक्षा संस्था की, आयुर्विज्ञान शल्य चिकित्सा या, यथास्थिति, सामाजिक विज्ञान या श्रम कल्याण में उपाधि या डिप्लोमा हो, या उस व्यक्ति को, जिसके पास ऐसी अन्य अर्हताएं हों, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अनुमोदित करे, इस प्रकार नियुक्त किया जा सकेगा।

11. परिभाषा :—इस अध्याय के प्रयोजन के लिए, स्वामी या अभिकर्ता द्वारा सम्यक् रूप से सीमांकित किसी क्षेत्र में पेट्रोलियम या प्राकृतिक गैस या दोनों के निष्कासन से संबंधित तेल और गैस कूपों तथा सभी संस्थापनाओं के बारे में यह समझा जाएगा कि वे एक खान के रूप में हैं :

परन्तु जहां विशेष परिस्थितियां विद्यमान हों, वहां, मुख्य निरीक्षक लिखित आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे, ऐसे किसी एक क्षेत्र को दो या उससे अधिक अलग-अलग खानों में विभाजन के लिए अनुज्ञा दे सकेगा या अपेक्षा कर सकेगा।

12. प्रबंधकों की नियुक्ति :—कोई भी खान तब तक विवृत्त नहीं की जाएगी, उसमें काम नहीं किया जाएगा या उसे पुनः विवृत्त नहीं किया जाएगा जब तक कि उस खान का प्रबंधक ऐसा व्यक्ति न हो जिसे सम्यक् रूप से नियुक्त किया गया हो, यदि कोई ऐसा प्रश्न उठता है कि क्या इस प्रकार नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति प्रबंधक के कर्तव्य का पालन करने में सक्षम है तो इसे मुख्य निरीक्षक के पास निर्देशित किया जाएगा जिसका इस पर विनिश्चय अंतिम होगा।

13. संस्थापन प्रबंधक की नियुक्ति :—(1) प्रत्येक खान में खान के विभिन्न संस्थापनों का भारसाधन धारण करने के लिए एक या अधिक संस्थापन प्रबंधक नियुक्त किए जाएंगे।

(2) कोई संस्थापन प्रबंधक एक से अधिक संस्थापनों का भारसाधन धारण कर सकेगा :

परन्तु जहां प्रादेशिक निरीक्षक की यह राय है कि किसी खान में विद्यमान परिस्थितियों के कारण संस्थापन प्रबंधक के लिए यह संभव नहीं है कि वह उचित रीति से अपने कर्तव्य का पालन कर सके, वहां वह लिखित आदेश द्वारा और उनके लिए जो कारण हैं उन्हें उसमें लेखबद्ध करके, उतनी संख्या में संस्थापन प्रबंधकों की नियुक्ति की अपेक्षा कर सकेगा जितनी वह आदेश में विनिर्दिष्ट करे।

14. सुरक्षा अधिकारी की नियुक्ति :—प्रत्येक खान का स्वामी या अभिकर्ता, कार्य स्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य की अभिवृत्ति के लिए प्रबंधक की सहायता करने के लिए ऐसे सुरक्षा अधिकारी की नियुक्ति करेगा जिसके पास स्वामी या अभिकर्ता के सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार कौशल है और जो नियुक्ति के लिए उपयुक्त रूप में सक्षम है। संदेह की दशा में इस बात को मुख्य निरीक्षक के पास निर्देशित किया जाएगा जिसका इस पर विनिश्चय अंतिम होगा।

15. अग्नि शमन अधिकारी की नियुक्ति : (1) प्रत्येक खान में आग बुझाने के लिए और अग्नि निरोधक उपायों के संबंध में प्रबंधक को सलाह देने के लिए एक या अधिक व्यक्तियों को अग्नि शमन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

(2) किसी भी व्यक्ति को, एक से अधिक खानों के अग्नि शमन अधिकारी के रूप में या उसी खान में किसी अन्य हैसियत में प्रादेशिक निरीक्षक की लिखित पूर्ण अनुज्ञा के बिना और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे, नियुक्त नहीं किया जाएगा।

16. सक्षम व्यक्तियों की नियुक्ति : (1) प्रत्येक खान का स्वामी, अभिकर्ता या प्रबंधक, उतने सक्षम व्यक्ति नियुक्त करेगा जितने प्रत्येक काम की पारी के दौरान निम्नलिखित के संबंध में मुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त हों :—

(क) संस्थापन और उसके उपकरण के यथोचित निरीक्षण के लिए;

- (ख) संस्थापन में की सभी संक्रियाओं का पूरी तरह पर्यवेक्षण के लिए;
- (ग) खान में भी सभी मशीनरी का काम करने की निरापद दशा में संस्थापन, परिचालन और अनुरक्षण के लिए; और
- (घ) अधिनियम और इन विनियमों की अपेक्षाओं के प्रवर्तन के लिए;

(2) उपविनियम (1) के अधीन की गई सभी नियुक्तियों और सक्षम व्यक्ति को सौंपे गए कर्तव्यों की प्रतियाँ इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबंद प्रष्ठांकित पुस्तक में दर्ज की जाएगी। ऐसे सभी सक्षम व्यक्तियों की एक सूची भी बनाए रखी जाएगी।

17. साधारण प्रबंध :—(1) स्वामी, अभिकर्ता और प्रबंधक, खान में नियोजित व्यक्तियों की सुरक्षा और समुचित अनुशासन की व्यवस्था करेगा।

(2) सिवाय आपात की दशा में, कोई भी ऐसा व्यक्ति जो पदधारी या सक्षम व्यक्ति नहीं है, खान में नियोजित किसी ऐसे व्यक्ति को, जो प्रबंधक के प्रति उत्तरदायी है, प्रबंधक के माध्यम से अन्यथा अनुदेश नहीं देगा।

18. खानों में नियोजित व्यक्तियों के कर्तव्य : (1) प्रत्येक व्यक्ति, अधिनियम और विनियमों के और उनके अधीन किए गए आदेशों के उपबंधों का और व्यक्तियों की सुरक्षा या सुविधा की दृष्टि से प्रबंधक या किसी पदधारी द्वारा जारी किए गए किसी आदेश या निदेश का जो अधिनियम और इन विनियमों से असंगत न हो, सर्वथा पालन करेगा, और वह ऐसे आदेशों का या निदेशों के पालन में उपेक्षा या उनके पालन से इंकार नहीं करेगा।

(2) कार्य प्रारम्भ करने के पहले प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्य स्थान का और उस उपस्कर का जिसका उसे उपयोग करना है, पड़ताल करेगा और कोई खतरनाक दृष्टि पाए जाने पर उसकी रिपोर्ट अपने बरिष्ठ को तत्काल करेगा।

(3) प्रत्येक व्यक्ति ऐसे रक्षाउपायों, सुरक्षा युक्तियों और अन्य साधनों का उपयोग करेगा जिनकी व्यवस्था उसकी संरक्षा या अन्य व्यक्तियों की संरक्षा के लिए की गई है।

(4) सिवाय आपात की दशा में, कोई भी व्यक्ति, जब तक कि वह सम्यक् रूप से प्राधिकृत न हो ऐसी किसी सुरक्षा युक्ति या अन्य साधन में जिनकी व्यवस्था उसकी संरक्षा या अन्य व्यक्तियों की संरक्षा के लिए की गई है, बाधा नहीं डालेगा, उसे हटाएगा नहीं, उसमें परिवर्तन नहीं करेगा या उसका स्थानांतरण नहीं करेगा या कुंघटनाओं और स्वस्थ की क्षति से बचाने की दृष्टि से अंगीकृत किसी पद्धति या प्रक्रिया में बाधा नहीं डालेगा।

(5) कोई भी व्यक्ति, कर्तव्य पर रहने के दौरान, क्षति कारित करने के आशय से कोई पत्थर या अन्य अस्त्र नहीं फेंकेगा या लड़ाई नहीं करेगा या हिंसात्मक रीति का आचरण नहीं करेगा।

(6) कोई भी व्यक्ति किसी खतरनाक स्थान, जैसे पाड़ या ग्रेनों पर या खतरनाक या विपरीत पदार्थों के आसपास, चालू मशीनों ब्यालरों या यानों और भारी उपस्कर के पास नहीं सोएगा या विश्राम करेगा।

(7) प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के और मौसम के अनुकूल संरक्षा उपस्कर और कपड़े पहनेगा।

(8) ऐसे प्रत्येक व्यक्ति, जिसे उसके कर्तव्य के दौरान कोई क्षति पहुंचती है, उस क्षति को रिपोर्ट यथासंभव शीघ्र किसी पदधारी को या प्राथमिक उपचार केन्द्र के भारसाधक सक्षम व्यक्ति को करेगा जो क्षत व्यक्ति के लिए आवश्यक प्राथमिक उपचार की व्यवस्था करेगा।

19. प्रबंधक के कर्तव्य :—(1) प्रत्येक खान में प्रबंधक प्रतिदिन स्वयं पर्यवेक्षण करेगा।

(2) प्रबंधक इस बात का ध्यान रखेगा कि अधिनियम, विनियमों और उनके अधीन किए गए आदेशों के उपबंधों के पालन करने के प्रयोजन के लिए और खान और उसमें नियोजित व्यक्तियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए समुचित सामग्री और साधनों के पर्याप्त प्रदाय की व्यवस्था खान में की जाती है; और यदि वह खान का स्वामी या अभिकर्ता नहीं है तो वह स्वामी या अभिकर्ता को लिखित रूप में तब रिपोर्ट करेगा जब ऐसी कोई बात हो जिसके लिए वह आदेश देने में सक्षम नहीं है। ऐसी प्रत्येक रिपोर्ट की प्रति इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबंद प्रष्ठांकित पुस्तक में अभिलिखित की जाएगी।

(3) प्रबंधक, प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को उसके विशिष्ट कर्तव्य सौंपेगा और उसे ऐसे विनियमों, नियमों और उप-विधियों को और उनके अधीन किए गए आदेशों की जो उस पर प्रभाव डालते हों, प्रति देगा और वह सुनिश्चित करने के लिए सब संभव कार्यवाही करेगा कि ऐसा प्रत्येक व्यक्ति उसमें दिए गए उपबंधों को उचित रूप से समझे, कार्यान्वित करे और प्रवर्तित कराए।

(4) प्रबंधक, ऐसी सभी रिपोर्टों, रजिस्ट्रों और अन्य अभिलेखों की जिनका अधिनियम, विनियमों और उनके अधीन किए गए आदेशों के अनुसरण में बनाया जाना या रखा जाना अपेक्षित है, परीक्षा करेगा और उन पर तारीख के साथ प्रतिहस्ताक्षर करेगा। किन्तु, वह यह कर्तव्य किसी संस्थापन प्रबंधक या अन्य पदधारी को लिखित आदेश द्वारा प्रत्यायोजित कर सकेगा।

(5) प्रबंधक, किसी ऐसे विनिर्दिष्ट अभ्यावेदन या शिकायत पर, जो खान के किसी कर्मकार द्वारा खान में या उसके आसपास के व्यक्तियों की सुरक्षा या उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव डालने वाले किसी बात की बाबत लिखित रूप में की जाए, ध्यान देगा और सावधानीपूर्वक अन्वेषण कराएगा।

(6) जब खान में किसी व्यक्ति को गंभीर शारीरिक क्षति या जीवन-हानि करने वाली कोई दुर्घटना हो जाए, तब प्रबंधक यथासंभव शीघ्र दुर्घटना-स्थल का निरीक्षण करेगा और वह, या तो स्वयं या सुरक्षा अधिकारी से दुर्घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच करेगा या करवाएगा। ऐसी प्रत्येक जांच के परिणाम और दुर्घटना स्थल का रेखांक तथा भाग दर्शित करते हुए व्यौरा घटना की तारीख से सात दिन के भीतर प्रादेशिक निरीक्षक को प्रस्तुत किए जाएंगे।

(7) प्रबंधक, ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करेगा जो इस निमित्त अधिनियम, विनियमों और उनके अधीन किए गए आदेशों के अधीन विनिर्दिष्ट किए गए हों।

(8) प्रबंधक अधिनियम विनियमों और उनके अधीन किए गए आदेशों के उपबन्धों से किसी का उल्लंघन करने के लिए कर्मचारों का निलंबित कर सकेगा या उनके विरुद्ध ऐसी अनुशासनिक कार्रवाई कर सकेगा, जो वह ठीक समझे।

(9) प्रबंधक, इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबन्द पड़ताकित पुस्तक में डायरी रखेगा और उसमें अपने प्रत्येक निरीक्षण के निष्कर्ष तथा अपने द्वारा उल्लिखित त्रुटियों के सुधार करने में की गई कार्रवाई को भी अभिलिखित करेगा।

20. संस्थापन प्रबंधक के कर्तव्य :—संस्थापन प्रबंधक निम्नलिखित कर्तव्यों का पालन करेगा :

(1) वह ऐसे संस्थापनों का उत्तरदायित्वपूर्ण भारमाधन करेगा और उन पर नियंत्रण रखेगा और ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा जो प्रबंधक द्वारा उसे सौंपे जाएंगे।

(2) वह इस बात का ध्यान रखेगा कि उसकी नियुक्ति की सूचना स्थापन में ऐसे स्थान और ऐसी स्थिति में लगाई जाए, जिसमें कि उसे सुगमता से और सुविधापूर्वक पढ़ा जा सके।

(3) वह इस बात का ध्यान रखेगा कि उसे सौंपे गए संस्थापन में सब कार्य, अधिनियम, विनियमों और उनके अधीन दिए गए आदेशों के उपबन्धों के अनुसार किया जा रहा है।

(4) (क) वह प्रत्येक कार्य-दिवस पर अपने भारमाधन के अधीन के संस्थापनों में यह देखने के लिए निरीक्षण और पड़ताल करेगा कि प्रत्येक की बाबत सुरक्षा सुनिश्चित है।

(ख) वह अपने प्रत्येक निरीक्षण के परिणाम और अपने द्वारा देखी गई त्रुटियों के सुधार करने के गई कार्रवाई का भी व्यौरावार अभिलेख बनाए रखेगा।

(5) वह इस बात का ध्यान रखेगा कि जब किसी बेधन रिग, वर्क-आवर रिग और सहयुक्त उपस्कर या उत्पादन उपस्कर या पाइपलाइन का स्थानान्तरण किया जाता है या उसे नए रूप में संस्थापित किया जाता है तब उसका उपयोग किए जाने से पहले उसे परीक्षणार्थ चलाया जाता है और वह ऐसे प्रत्येक चालन-परीक्षण के दौरान उपस्थित रहेगा।

260 GI/84—2

(6) वह इस बात का ध्यान रखेगा कि संस्थापन में नियोजित सभी व्यक्तियों को विफल विस्फोट और अग्नि को रोकने में संबंधित, इन विनियमों के अधीन किए गए स्याई आदेशों के उपबन्धों के बारे में अच्छी तरह से अनुदेश और जानकारी दे दी गई है।

(7) वह इस बात का ध्यान रखेगा कि अधिनियम, विनियमों और उनके अधीन किए गए आदेशों के मशीनरी और उपस्कर के संस्थापन, अनुरक्षण, प्रचालन या परीक्षा से संबंधित उपबन्ध स्वयं अपने द्वारा या, यथास्थिति, इस प्रयोजन के लिए नियुक्त सक्षम व्यक्तियों या कर्मचारों द्वारा उचित रूप से पालन किए जाते हैं।

(8) (क) जब किसी संस्थापन में संनिर्माण या किसी प्रचालन के दौरान ऐसी कोई आपातस्थिति या आणकित आपातस्थिति है जिसमें किसी व्यक्ति के जीवन या उसकी सुरक्षा या संस्थापन की स्थिरता और सुरक्षा का सकटापन्न होता है तब वह ऐसे उपाय करेगा या ऐसे उपाय करने की अपेक्षा करेगा जो आपातस्थिति में बचने के लिए आवश्यक या समीचीन है।

(ख) इन विनियमों में किसी भी अपेक्षा के बारे में यह नहीं समझा जाएगा कि वह ऐसे उपाय करने से प्रतिषिद्ध या निर्विधन करता है।

21. सुरक्षा अधिकारी के कर्तव्य :—सुरक्षा अधिकारी निम्नलिखित कर्तव्यों का पालन करेगा :

(1) वह, जितनी बार आवश्यक हो, खान के संस्थापनों का इस दृष्टि से निरीक्षण करेगा जिससे कि वह ऐसे अप्रकट खतरों को परिणित कर सके जो किसी व्यक्ति की शारीरिक क्षति या उसके स्वास्थ्य का ह्रास कारित कर सकेंगे।

(2) वह खतरनाक स्थितियों को रोकने के लिए आवश्यक उपायों के संबंध में प्रबंधक को सलाह देगा।

(3) वह उन सभी दुर्घटनाओं की, चाहे उनमें व्यक्ति अनर्बलित हो या नहीं, परिस्थितियों और कारणों की जांच करेगा और ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आवश्यक उपायों के संबंध में प्रबंधक को सलाह देगा।

(4) वह सुरक्षित पद्धतियों की अभिवृद्धियों करने और कार्यकरण पर्यावरण में सुधार करने की दृष्टि से दुर्घटनाओं और खतरनाक घटनाओं की बाबत जानकारी इकट्ठा करेगा, उसका संकलन और विश्लेषण करेगा।

(5) वह खान में नियोजित व्यक्तियों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित सुरक्षा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करेगा और सुरक्षा अभियान चलाएगा।

(6) वह इस बात का ध्यान रखेगा कि सभी नए कर्मकार और ऐसे कर्मकार, जिन्हें नए काम पर स्थानान्तरित किया गया है, यथोचित सुरक्षा प्रशिक्षण, अनुदेश और मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं।

(7) वह अपने द्वारा निष्पादित कार्य का व्यौरेवार अभिलेख रखेगा।

22. अग्नि-शमन अधिकारी के कर्तव्य — अग्नि-शमन अधिकारी निम्नलिखित कर्तव्यों का पालन करेगा:—

(1) वह, इस अधिनियम विनियमों और उनके अधीन किए गए आदेशों के आग का पता चलाने और अग्नि-शामक पद्धति से संबंधित उपबन्धों का पालन सुनिश्चित करेगा और आग से यथोचित संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों के संबंध में प्रबंधक को सलाह देगा।

(2) वह अग्नि शामक उपस्कर का उचित अभिन्यास संस्थापन और अनुक्षण सुनिश्चित करेगा।

(3) वह इस बात का ध्यान रखेगा कि संभाव्य अग्नि स्थितियों के लिए आकस्मिकता योजना तैयार करनी गई है।

(4) (क) वह प्रारंभिक अग्निशामक कर्तव्यों के भारसाधक व्यक्तियों के लिए नियमित प्रशिक्षण, विशिष्टता अग्नि आकस्मिकता योजना सही आकार का अंदाजा लगाने और अग्नि से संबंधित समस्याओं से निपटने के संबंध में, आयोजित करेगा।

(ख) वह इस बात का ध्यान रखेगा अग्नि शामक कर्तव्यों के भार साधक व्यक्ति कम से कम प्रत्येक मास में एक बार नकली आग संबंधी अभ्यास करें जिसमें कि आग लगने पर उनकी तात्क्षणिक प्रतिक्रिया और प्रभावी युक्तियों का अध्ययन किया जा सके।

(5) वह प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बार खान में आग का पता लगाने तथा अग्नि शामक पद्धतियों की सभी युक्तियों और उपस्कर का पड़ताल करेगा और किसी छुट्टि के बारे में प्रबंधक को रिपोर्ट करेगा;

(6) वह खान में कोई आग लगने के दौरान उसके नियंत्रण और बुझाने का सामान्य पर्यवेक्षण और समन्वय करेगा।

(7) वह आग लगने के सभी कारणों और परिस्थितियों की इस दृष्टि से जांच करेगा जिससे कि भविष्य में आग लगने को रोका जा सके।

(8) वह अपने द्वारा निष्पादित कार्य का व्यौरेवार बसाए रखेगा।

23. सक्षम व्यक्तियों के कर्तव्य :— (1) हर सक्षम व्यक्ति अभिलेख बरिष्ठ पदधारी के आदेशों के अधीन होगा।

(2) वह —

(क) अपने बरिष्ठ पदधारी की मंजूरी के बिना अपना कार्य करने के लिए दूसरे व्यक्ति को प्रतिनिधि नहीं करेगा;

(ख) अपनी अनुपस्थिति की अवधि के लिए ऐसे पदधारी में पूर्व अनुज्ञा प्राप्त किए बिना या सम्यक रूप से किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा अवमुक्त हुए बिना, अनुपस्थित नहीं रहेगा; और

(ग) ऐसे पदधारी को अनुज्ञा के बिना अपनी पारी के दौरान उन कर्तव्यों से भिन्न कोई कर्तव्य नहीं करेगा जिनके लिए उसे नियुक्त किया गया है।

(3) वह अपने कार्य करने वाले स्थान पर कोई जोखिम वाली परिस्थिति होने पर उस जोखिम को दूर करने के लिए तुरन्त सुधार संबंधी उपाय करेगा।

अध्याय-4—बेधन

24. डेरिक :—(1) डेरिक का प्रत्येक भाग ठोस बनावट और पर्याप्त सामर्थ्य का होगा तथा उसे काम करने की निरापद दशा में बनाए रखा जाएगा।

(2) डेरिक को दृढ़ता से एक दृढ़ आधार के साथ जोड़ा जाएगा और उसे उलटने से रोकने के लिए पर्याप्त रूप से जकड़ा जाएगा।

(25) डेरिक मंच और स्लोर :—प्रत्येक डेरिक या सुवाह्य दंड पर क्राउन ब्लाक के कम से कम एक तरफ कम से कम 0.60 मीटर चौड़ा एक मंच की व्यवस्था की जाएगी। उस मंच के बाहरी किनारों को कम से कम एक मीटर ऊंची दो छड़ों वाली रेलिंग और 0.15 मीटर ऊंचे टी-बोर्ड से सुसज्जित किया जाएगा।

(2) प्रत्येक डेरिक या दण्ड पर व्यक्तियों के डेरिक पर रखी गई पाइप या अन्य उपस्कर संभालने के समय खड़े होने के लिए एक मंच की व्यवस्था की जाएगी। मंच, डेरिक के पायों और घरों के पीछे वाले मंच के कार्यकरण-कोर में स्थान को पूर्ण रूप से आच्छादित करेंगे तथा उन्हें मजबूती से बांधा जाएगा।

(3) मंकी बोर्ड मंचों के कार्यकरण कोर को इस प्रकार रखा जाएगा जिससे कि चल ब्लाक के सुरक्षित मार्ग के लिए पर्याप्त स्थान रहे।

(4) मंचों फ्लैटों, और पैदल-मार्गों को खतरनाक बहिर्बोनों या बाधाओं से मुक्त रखा जाएगा और इस प्रकार अनुरक्षित किया जाएगा जिससे कि फिसल से बचने के लिए पर्याप्त संरक्षण की व्यवस्था हो।

26. सीढ़ियां :—(1) प्रत्येक डेरिक पर सीढ़ी का प्रबन्ध किया जाएगा जिससे कि सभी उत्थापित चलता और कार्यकरण मंचों तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित की जा सके।

(2) कार्यकरण मंचों पर सीढ़ी द्वारा पहुंच को रेलिंगों और टी-बोर्डों से उचित रूप से सुरक्षित किया जाएगा।

(3) प्रत्येक सीढ़ी या सीढ़ी सेक्शन का ऊपरी छोर मंच के ऊपर एक मीटर से अन्यून बड़ा हुआ होगा।

(4) (क) 6 मीटर से ऊपर की सीढ़ियों पर अधिक से अधिक 9 मीटर की अधिकिष्ठ लम्बाई तक वितरण मंचों या पिंजरों की व्यवस्था की जाएगी।

(ख) सभी अवतरण मंचों को रेलिंगों और टी-बोर्डों से लैस करके ऐसी व्यवस्था की जाएगी जिससे कि सीढ़ी तक सुरक्षित पहुंच हो सके :

परन्तु मुख्य निरीक्षक, किसी खान या उसके भाग में अवतरण मंचों के स्थान पर कोई अन्य अनुकूली पूर्वाधानात्मक उपाय किए जाने की अनुज्ञा दे सकेगा।

27. सुरक्षा पेटियां और रक्षा रज्जू:—ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को, जो डेरिक या दण्ड के प्रथम बेड़े के ऊपर कार्य कर रहा है, अनुमोदित प्रकार की सुरक्षा पेट्टी और रक्षा-रज्जू की व्यवस्था की जाएगी और वह उसका उपयोग तब तक करेगा जब तक कि उसे ऊंचाई में गिरने के खतरे से अन्यथा सुरक्षित नहीं किया जाता।

28. बचाव-रज्जू:—प्रत्येक डेरिक पर एक बचाव रज्जू की इस रीति से स्थापित करके व्यवस्था की जाएगी जिससे कि डेरिक से दूर हटा जा सके।

29. भार सूचक:—प्रत्येक वेधन रिंग पर एक भार-सूचक की व्यवस्था की जाएगी और उसका उपयोग उत्तोलन रज्जू से लटके हुए भार का सूक्ष्म सूचन रजिस्टर करने के लिए किया जाएगा।

30. बचाव निकास:—रिंग फ्लोर क्षेत्र और प्रत्येक कर्षण संकर्म इंजिन फ्लोर क्षेत्र में कम से कम दो बचाव निकास रिंग के दूसरी ओर होंगे जिसमें कि बेरोक बचाव हो सके।

31. जंगले, कटघरे और झाड़:—(1) फ्लोर की खुली जगहों और फ्लोर छिद्रों को मानक रेलिंग और टी बोर्ड द्वारा या झाड़ द्वारा रक्षित किया जाएगा।

(2) पार्श्वस्थ फ्लोर या भूमि तल के 1.8 मीटर या अधिक ऊपर प्रत्येक किनारे से खुले हुए फ्लोर या मंच को मानक रेलिंग द्वारा रक्षित किया जाएगा।

(3) सभी पंक टंकी के भागों भीतर मानक रेलिंग की तब तक व्यवस्था होगी जब तक कि पंक टंकियों में किसी व्यक्ति को गिरने से रोकने के लिए कोई अन्य साधन उपलब्ध नहीं करा दिया जाता।

(4) खतरनाक उपस्कर और इसी प्रकार की जोखिम वाली वस्तु के ऊपर या उसके पार्श्वस्थ किनारे से खुले हुए फ्लोरों, पैदल मार्गों मंचों या मार्गों को मानक रेलिंग और टी-बोर्ड द्वारा रक्षित किया जाएगा।

32. कर्षण संकर्म:—(1) कर्षण संकर्म के साथ एक उपयुक्त युक्ति लगायी जाएगी जिसका नियंत्रण वेधन करने वाले व्यक्ति के स्टैंड के पास होगा जिससे कि आपात की स्थिति में कर्षण संकर्म को रोका जा सके।

(2) (क) किसी भी कर्षण संकर्म का प्रचालन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि उसके सभी गार्ड स्थान पर और अनुरक्षित न हों।

(ख) यदि स्नेहन फिटिंग, गार्ड के स्थान के पटुच में नहीं है तो, मशीनरी को तेल डालने और ग्रीस लगाने के लिए रोक लिया जाएगा।

(3) कर्षण संकर्म के ब्रेकों, बंधनी और ब्रेक फ्लेंजों की किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा प्रत्येक 24 घण्टे में कम से कम एक बार परीक्षा की जाएगी। यदि ऐसी परीक्षा के दौरान किसी त्रुटि का पता चलता है तो कर्षण संकर्म का उपयोग तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसी त्रुटि को दूर नहीं कर दिया जाता।

(4) कर्षण संकर्म के साथ एक स्वचालित युक्ति के ऊपर जाने वाले चल ब्लॉक को आउन ब्लॉक के पास दो मीटर से और निकट आने से रोकने के लिए व्यवस्था की जाएगी।

33. कैटहेड और कैटलाइन:—(1) हस्त-प्रचालित कैटहेडों को लाइन या रस्से का प्रथम आवरण का पृथक्करण सुनिश्चित करने के लिए एक गाइड विभाजक से लैस किया जाएगा।

(2) कैटहेड पर की मुख्य सीट और प्रक्षेपी कुंजी को चिकने थिम्बल या प्लेट से आच्छादित किया जाएगा।

(3) (क) जब कोई कैटहेड प्रयोग में हो तब उसके नियंत्रणों पर एक सक्षम व्यक्ति होगा और किसी आपात की दशा में वह कैटहेड के वर्णन को तुरन्त बंद कर देगा।

(ख) कैटहेड का प्रचालक अपने प्रचालन क्षेत्र को साफ रखेगा और कैटलाइन के न उपयोग किए जाने वाले भाग को कुंडलित या स्पूलित रखेगा।

34. टांग:—(1) पेकग्रप और वेकग्रप टांगों का उपयोग पाईप या जोड़ों को कसने या ढीला करने के लिए किया जाएगा।

(2) टांग को प्रतिसंतुलन करने वाले भार और लाइनों पर आकस्मिक संस्पर्श को रोकने के लिए गाइडों की व्यवस्था की जाएगी।

(3) टांग की सुरक्षा लाइनों के सिरों को कम से कम तीन तारलाइन वाले क्लैम्पों में जकड़ा जाएगा।

35. सुरक्षा चैन: सभी टांगें, घूर्णी हॉज के सिरों और लटकी हुई चरखियों में सामान्य संबंध के असफल होने की दशा में टेक देने के लिए सुरक्षा चैन लगाई जाएगी।

36. उत्तोलन रज्जू: (1) सभी उत्तोलन रज्जूओं (तार रस्सों) की परीक्षा सात दिन में एक बार किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा उन्हें देखकर किया जाएगा और तारों की ऊपरी दशा में, जैसे कि घिसाई, संरक्षण, भंगुरता और विभंग को, नोट किया जाएगा। प्रत्येक ऐसी परीक्षा की रिपोर्ट इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबद्ध पृष्ठांकित पुस्तक में अभिलिखित की जाएगी और वह व्यक्ति उम पर तारीख डालकर हस्ताक्षर करेगा जिसने परीक्षा की है।

(2) यदि पूर्वोक्त रूप में की गई किसी परीक्षा पर कोई ऐसा दोष या त्रुटि पाई जाती है जिसके द्वारा व्यक्तियों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाए तो, ऐसे दोष या त्रुटि की रिपोर्ट लिखित में तुरन्त संस्थापन प्रबंधक को की जाएगी और जब तक ऐसे दोष या त्रुटि को सुधार नहीं दिया जाता तब तक उत्तोलन रज्जू का उपयोग नहीं किया जाएगा।

(3) प्रत्येक उत्तोलन रज्जू की घिसाई स्थलों को, प्रत्येक 3000 टन किलोमीटर के पश्चात् या लघुतर अन्तरालों पर, यदि आवश्यक हो, उत्तोलन रज्जू के कम से कम तीस मीटर पर काट कर घिसका दिया जाएगा जिससे कि उत्तोलन रज्जू की अत्यधिक घिसाई को रोका जा सके। यह संक्रिया वेधक या अन्य सक्षम व्यक्ति के पर्यवेक्षण के अधीन किया जाएगा, जो इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबद्ध पृष्ठांकित पुस्तक में तारीख और उसकी अन्य विशिष्टियों अभिलिखित करेगा और उस पर तारीख के साथ हस्ताक्षर करेगा।

37. सामग्री संभालने के लिए रिगिंग उपस्कर: (1) सामग्री संभालने के लिए रिगिंग उपस्कर की, जिसके अन्तर्गत क्रेन भी है, उसका उपयोग किए जाने के पूर्व और उसके दौरान यह सुनिश्चित करने के लिए जांच पड़ताल की जाएगी कि वह सुरक्षित है।

(2) रिगिंग उपस्कर पर, उसके सिकारिश किए गए सुरक्षित कार्यकरण भार से अधिक भार नहीं लाया जाएगा।

(3) शिरोपरि विद्युत पारंपण लाइन के आसपास श्रैलों के प्रचालित करने के दौरान विद्युत पारंपण लाइन से आकस्मिक संपर्क के विरुद्ध यथोचित पूर्वधानी तब तक बरती जाएगी जब तक कि उसे क्रेन के संचालन के दौरान अक्रिय नहीं रखा जाता।

38. सामग्री का संचयन: (1) एक दूसरे पर रख कर संचित सभी सामग्रियों को ढेर लगाकर, फिसलने, गिरने या बह जाने से रोकने के लिए शिकंजे में फंसाकर या अन्यथा जकड़ कर रखा जाएगा।

(2) रास्तों को निर्बाध रखा जाएगा जिससे कि सामग्री संभालने वाले उपस्कर या व्यक्ति अबाध और सुरक्षित रूप से आ जा सकें।

39. पाइप रैकों का निर्माण और लदाई: (1) पाइप रैकों के निर्माण का डिजाइन इस प्रकार किया जाएगा जिससे कि वे उस पर लोदे गए किसी भार को टेक दे सकें।

(2) पाइप नलिकाका: सामग्री या अन्य गोम सामग्री को पाइप रैकों से लुढ़कने से रोकने के लिए यथोचित व्यवस्था की जाएगी।

(3) लदाई, उतराई और अन्तरण संक्रियाओं के दौरान कोई भी व्यक्ति पाइप रैकों और किसी पाइप-भार के बीच नहीं जाएगा।

40. रिग को खड़ा करना और रिग को खोलना: (1) जब तक कार्य करने के स्थान में सामान्य प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्थाएं नहीं की जाती हैं तब तक भारी भार को उठाने और संस्थापन का कार्य दिन के प्रकाश में किया जाएगा।

(2) सभी खुले भागों और औजारों को मजबूती से बाधा जाएगा।

(3) गार्ड लाइनें, हार्ड लाइनें, स्नैच लाइनें और ऐसी अन्य लाइनें, जो आवश्यक हों, किसी विद्युत पारंपण लाइन के छह मीटर के भीतर संस्थापित नहीं की जाएंगी।

(4) अंतर्देहन इंजन के निष्कासक के साथ नल शमन या अन्य प्रभावी स्फुलिंग-रोधक की व्यवस्था की जाएगी।

(5) उच्च दाब परिसंचारी तरल लाइनों और वाष्प लाइनों को, मजबूती से नीचे बोल्ट किया जाएगा।

(6) रिग को खोलते समय कूप शीर्ष को किसी चीज के फिसलने या गिरने से होने वाली नुकसान के विरुद्ध संरक्षित किया जाएगा।

(7) ऊपर से घटकों को जिसके अन्तर्गत नट, बोल्ट और क्लीट भी हैं, या तो एक बंडल में या आधानों में सुरक्षा-पूर्वक नीचे उतारा जाएगा।

41. पंक टंकियों और पंक पम्प: (1) पंक टंकियों को इस प्रकार से डिजाइन और संस्थापित किया जाएगा जिससे कि पंक पंपों के लिए पाजिटिव चूषण की व्यवस्था हो सके:

परन्तु प्रादेशिक निरीक्षक, लिखित आदेश द्वारा खान के किसी भाग को इस पूर्ववधानी के अनुपालन से उस दशा में छूट दे सकेगा यदि वह समझता है कि ऐसा अनुपालन आवश्यक नहीं है।

(2) वेधन रिग से जुड़े हुए सभी पंक पंपों के साथ सुरक्षा दाब, मोशन वाल्व और पद्धति में एक प्रचालन गेज लगाया जाएगा। वाल्व को उस दाब पर विसर्जन करने के लिए लगाया जाएगा जो पम्प, पाइप और फिटिंगों के स्थापित कार्यकरण दाब से अधिक न हो।

(3) सुरक्षा दाब मोचन बाल्व से होने वाले विसर्जन की पाइप से ऐसे स्थान पर ले जाया जाएगा जहाँ वह व्यक्तियों को संकटापन्न नहीं करेगा।

(4) किसी पंप और उसके सुरक्षा दाब मोचन बाल्व के बीच कोई बाल्व नहीं होगा।

42. विफल विस्फोट निरोध उपस्कर: (1) किसी कूप में पृष्ठीय केसिंग नियत किए जाने के पश्चात् कोई वेधन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि विफल विस्फोट निरोध उपस्कर सुरक्षित रूप से संस्थापित नहीं कर दिया जाता और उसे बनाए नहीं रखा जाता।

(2) विफल विस्फोट उपस्कर में कम से कम निम्नलिखित होंगे:

- (क) इस बात को ध्यान में लाए बिना कि वेधन उपस्कर छिद्र में है या नहीं, बंद करने के लिए एक थैलारूप निरोधक;
- (ख) किसी खुले छिद्र को बंद करने के लिए एक अप्रत्यक्ष रैम निरोधक
- (ग) छिद्र में उपयोग में वेधन उपस्कर को बंद करने के लिए अप्रत्यक्ष रैम निरोधक के नीचे अवस्थित एक पाइप रैम निरोधक।

(3) (क) विफल विस्फोट निरोध उपस्कर के अन्तर्गत कम से कम 50 मिलीमीटर व्यास की दो सीधनहीन इस्पात की पाइपें होंगी जो एक दाब के स्वरूपण लिए और एक कूप के हनन के लिए होंगी और वे विफल विस्फोट निरोधक समजन से जुड़ी होंगी। पाइपें सीधी होंगी और वेधन मंच के दूसरी ओर ले जोई जाएंगी। प्रत्येक पाइपलाइन, विफल विस्फोट निरोधकों के कम से कम एक सेट के नीचे अवस्थित की जाएगी।

(ख) प्रत्येक पाइपलाइन में ऐसे संघटक होंगे जिनका कार्यकरण दाब, विफल विस्फोट निरोधकों के बराबर होगा।

(ग) स्त्राव लाइन को जकड़ कर बांधा जाएगा और किसी ऐसे उपयुक्त बहुमुख से जोड़ा जाएगा जो बंधाव को किसी पूरी खुली लाइन से या दो लाइनों में से किसी लाइन से, प्रत्येक लाइन समायोज्य चौक से युक्त और पंक गैस पृथक्करण द्वारा किसी पंक-टंकी से जुड़ी होगी, मुड़ जाने देगा।

(4) केली कांको की धूर्णीमान और केली के बीच और केली तथा ड्रिल पाइप के बीच भी व्यवस्था की जाएगी।

43. विफल विस्फोट निरोधकों के लिए नियंत्रण पद्धति:

(1) यांत्रिक रूप से प्रचालित विफल विस्फोट निरोधकों के लिए सभी हस्तचालित नियंत्रण डेरिक अवसंरचना के बाह्य कम से कम 0.60 मीटर पर अवस्थित होंगे। नियंत्रणों के प्रचालित करने के लिए अनुदेश नियंत्रण चक्र के निकट प्रमुख रूप से चिपकाए जाएंगे।

(2) शक्ति प्रचालित विफल विस्फोट निरोधकों के सभी नियंत्रण डेरिक फ्लोर पर वेधक के निम्न अवस्थित होंगे।

(3) विफल विस्फोट निरोधकों के लिए दूरस्थ नियंत्रण पैनल को भी डेरिक फ्लोर में सुरक्षित अंतराल पर भूतल स्तर पर संस्थापित किया जाएगा।

(4) विफल विस्फोट निरोधकों के लिए सभी नियंत्रण, उपयुक्त चिह्नों से स्पष्ट रूप से पहचाने जाएंगे।

44. विफल विस्फोट उपस्कर का परीक्षण: (1) विफल विस्फोट निरोध उपस्कर, जिसके अन्तर्गत पाइपें और नियंत्रण बाल्व भी हैं, निम्नलिखित दशाओं में दाब परीक्षित होगा:—

- (क) कार्यकरण दाब के लिए आरंभिक संस्थापन और पाश्चात्पूर्ती संस्थापनों के दौरान; फैलारूप निरोधक केवल 70 प्रतिशत तक कार्यकरण दाब के अधीन रहते हुए होंगे;
- (ख) अधिकतम संगणित दाब तक, जिसके अधीन केसिंग रह सकती है, केसिंग के किसी स्ट्रिंग में सीमेंट का वेधन करने के पूर्व
- (ग) की जाने वाली मरम्मत, या कार्यकरण दाब तक किसी दाब मील के विभाजन की अपेक्षा करती है, थैलारूप निरोधक 70 प्रतिशत कार्यकरण दाब के अधीन रहते हुए होंगे;

(2) विफल विस्फोट निरोध उपस्कर, जिसके अन्तर्गत पाइपें और नियंत्रण बाल्व भी हैं, निम्नलिखित रूप में कुल्य परीक्षित होगा:—

- (क) अप्रत्यक्ष रैम प्रकार के निरोधकों की दशा में प्रत्येक ट्रिप में एक बार;
- (ख) पाइप रैम प्रकार के निरोधकों की दशा में प्रति-दिन कम से कम एक बार;
- (ग) थैले प्रकार के निरोधकों की दशा में वेधन पाइप पर प्रत्येक ट्रिप में एक बार।

(3) (क) ऊपर उल्लिखित सभी परीक्षकों की पूर्ण विधिष्टियां दैनिक रिपोर्ट में अभिलिखित की जाएंगी और दाब परीक्षण की दशा में उपयोजित दाब और परीक्षण की अवधि भी परीक्षण करने वाले व्यक्ति द्वारा अभिलिखित की जाएगी।

(ख) यदि परीक्षण के दौरान कोई विफल विस्फोट निरोध उपस्कर क्षुद्रिपूर्ण पाया जाता है तो उसे संक्रियाएं आरंभ करने के पूर्व काम में लाने योग्य बनाया जाएगा

45. विफल विस्फोट के लिए पूर्ववधानियां:—(1) वेधन पंक पद्धति के लिए निम्नलिखित नियंत्रण उपस्कर संस्थापित किए जाएंगे और वे वेधन संक्रियाओं के दौरान उपयोग में होंगे,—

(क) वेधन पंक मात्रा में वृद्धि या कमी को रजिस्टर करने वाला एक गत स्तर सूचक । इसके अन्तर्गत वेधन-स्टैंड के निकट दृश्य और श्रव्य चेतावनी युक्ति होगी;

(ख) कूप का सब समय भरा रखने के लिए अपेक्षित पंक की मात्रा को ठीक-ठीक माप करने के लिए एक युक्ति;

(ग) मुख्य शैल प्रकृति के पास एक गैस संसूचक या विस्फोट मापक मीटर जो वेधक-स्टैंड के निकट श्रव्य या दृश्य सचेतक से जुड़ा होगा;

(घ) जब स्ट्रिंग को खींचा जा रहा हो तब कूप का पंक से भरा जाना सुनिश्चित करने के लिए एक युक्ति;

(ङ) जब कूप प्रतिक्षेप करना है तब पंक-पंप को बंद करने के लिए वेधक-स्टैंड के निकट एक नियंत्रण युक्ति.

(2) यदि उपविनियम (1) में उल्लिखित नियंत्रण उपस्कर यह सूचित करते हैं कि शैल समूह तरल पदार्थ कूप में प्रवेश कर रहे हैं तो कूप को नियंत्रण करने के लिए तुरन्त कार्रवाई की जाएगी ।

(3) (क) प्रत्येक ऐसी खान का, जिसमें विफल विस्फोट निरोध उपस्कर संस्थापित किया जाता है, प्रबंधक, इन विनियमों के प्रवृत्त होने के 60 दिन के भीतर या किसी नए संस्थापन की दशा में संस्थापन के 30 दिन के भीतर, किसी कूप के प्रतिक्षेप करने की दशा में की जाने वाली कार्रवाई और रिग पर नियोजित प्रत्येक व्यक्ति तथा ऐसे अन्य व्यक्तियों के, जो विफल विस्फोट ड्रिलों और वास्तविक आपातस्थितियों के लिए आवश्यक हों, कर्तव्य विनिर्दिष्ट करते हुए स्थायी आदेश प्रादेशिक निरीक्षक को प्रस्तुत करेगा ।

(ख) प्रादेशिक निरीक्षक, लिखित आदेश द्वारा, या तो उसे प्रस्तुत रूप में या ऐसे परिवर्धनों और परिवर्तनों सहित जो वह ठीक समझे, ऐसे स्थायी आदेश का अनुमोदन कर सकेगा; इस प्रकार अनुमोदित स्थायी आदेश खान में प्रवर्तित किए जाएंगे ।

(ग) स्थायी आदेशों की एक प्रति रिग के निकट प्रमुख रूप से चिपकाई जाएगी ।

(4) किसी रिग पर नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को किसी प्रतिक्षेप के चेतावनी संकेत, उपविनियम (3) में उल्लिखित स्थायी आदेशों, विफल विस्फोट निरोधक के लिए नियंत्रणों का प्रचालित करने के योग्य होगा । इस प्रयोजन के लिए विफल विस्फोट निरोध ड्रिल को सात दिन में एक बार संचालित किया जाएगा ।

(5) उपयुक्त नियंत्रण वाल्वों को कूप के निकट उपलब्ध रखा जाएगा, जिनका उपयोग आपात की दशा में कूप को नियंत्रण करने के लिए किया जाएगा ।

(6) जब नलिकाओं को अन्दर चलाया जाए या बाहर खींचा जाए तब एक द्वार वाल्व और नलिका हैगर पूर्व-समंजित किया जाएगा और उन्हें कूप के पास सुगमता से उपलब्ध रखा जाएगा ।

46. विफल विस्फोट घटित हो जाने के पश्चात् की पूर्वाविधानियां:—(1) इस सूचना के संकेत का आभास होने पर कि किसी कूप में विफल विस्फोट हो रहा है, उन व्यक्तियों से, जिनकी उपस्थिति विफल विस्फोट नियंत्रण करने के लिए आवश्यक समझी जाती है, भिन्न सभी व्यक्तियों का कूप से तुरन्त हटा लिया जाएगा

(2) सब समय के दौरान, जब किसी विफल विस्फोट नियंत्रण करने का कोई काम चल रहा हो, निम्नलिखित पूर्वाविधानियां बरती जाएंगी:—

(क) एक सक्षम व्यक्ति उस स्थान पर शुरू से अंत तक उपस्थित रहेगा;

(ख) दक्षिणोन्मुख पश्चिम दिशाम कूप के 500 मीटर के भीतर के क्षेत्र का संकट क्षेत्र के रूप में सीमांकित किया जाएगा;

(i) संकट क्षेत्रों के भीतर के सभी विद्युत संस्थापनों को अक्रियाशील कर दिया जाएगा;

(ii) संकट क्षेत्र के भीतर केवल अनुमोदित निरापद नैर्घों या टाचों का उपयोग किया जाएगा,

(iii) संकट क्षेत्र के भीतर कोई अनधिकृत दीप या यानीय यातायात अनुज्ञात नहीं किया जाएगा;

(ग) जहां तक व्यक्तियों की सुरक्षा का संबंध है, कोई सक्षम व्यक्ति संचालन की स्थिति और अनुमोदित उपकरण में गैसों की उपस्थिति का अभिनिश्चय करेगा;

(घ) उस स्थान पर या उसके निकट, आपात-स्थिति में उपयोग के लिए दो संकृत परिपथ रेस्परेटर उपलब्ध रहेंगे;

(ङ) तुरन्त उपयोग के लिए यथोचित अग्नि शामक उपस्कर सुगमता से उपलब्ध रखा जाएगा ।

47. वेधन संक्रियाएं:—प्रत्येक पारी के प्रारम्भ होने पर वेधक-स्टैंड के पास के उपकरणों और नियंत्रणों, वर्षण संकमों, पंक पम्पों, उल्लोलन रज्जू, कैटालाइन और विफल विस्फोट निरोध उपस्कर वेधक द्वारा की जाएगी और वह स्वयं का समाधान कर लेगा कि वे चालू हालत में हैं ।

(2) वेधक इस बात को देखेगा कि घूर्णी टेबल की गति में लाने से पूर्व कोई भी व्यक्ति घूर्णी टेबल पर या उसके निकट खसरे की स्थिति में न हो ।

(3) औजारों या अन्य सामग्रियों की किसी सीढ़ी के ऊपर या नीचे तक नहीं ले जाया जाएगा जब तक कि वे उचित रूप से शरीर से बंधे हुए न हों और चढ़ने के लिए दोनों हाथ मुक्त न छूँ गये हों।

(4) फाउंट ब्लाक और किन्हीं बल ब्लाक चखियों को छोड़कर डेरिक में के किसी डेरिक भाग या सामग्री किसी लाइन स्पूलर लाइन स्थायीकारी या भार सूचक के साथ उत्तोलन लाइन का सीधा संपर्क नहीं होगा।

(5) (क) जब जुड़ाई हो रही हो तब किसी भी व्यक्ति को उन व्यक्तियों को छोड़कर, जो वस्तुतः संक्रिया में लगे हुए हैं, कूपशीर्ष या जुड़ाई उपस्कर के निकट रिग फ्लोर पर अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(ख) नम्य संधियों से जुड़ी हुई सभी उच्च दाब पाइपों की जुड़ाई मंजूरियाएँ प्रारम्भ करने के पूर्व यथाचित रूप से जकड़ा जाएगा और उनके दाब का परीक्षण किया जाएगा।

48. ड्रिल स्तंभ परीक्षण:—(1) ड्रिल स्तंभ परीक्षण के प्रारम्भ के पूर्व:—

(क) विफल विस्फोट निरोध उपस्कर के दाब और कृत्य का परीक्षण किया जाएगा।

(ख) अग्निशामक उपस्कर को तुरन्त उपयोग के लिए सज्जता से उपलब्ध रखा जाएगा।

(ग) परीक्षण के लिए अपेक्षित व्यक्तियों से भिन्न किसी भी व्यक्ति को वेधन प्लॉर पर प्रवेश करने नहीं दिया जाएगा।

(घ) परीक्षण लाइन को प्रत्येक सिरे पर और प्रत्येक 9.0 मीटर अंतराल पर कस कर जकड़ा जाएगा। केली हाउ का उपयोग परीक्षण लाइन के भाग के रूप में नहीं किया जाएगा; और

(ङ) परीक्षण लाइन और बाल्वों की परीक्षा किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा की जाएगी और किसी छुट्टि का पता चलने की दशा में कोई भी परीक्षण तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसी छुट्टि का मुद्धार नहीं दिया जाता।

(2) ड्रिल स्तंभ परीक्षण औजारों के प्रारम्भ में खोलने का काम दिन के समय ही किया जाएगा।

(3) जब किसी ड्रिल स्तंभ परीक्षण के दौरान तेल या गैस प्राप्त हो गई है तब ड्रिल पाइप को तब तक बाहर नहीं खींचा जाएगा जब तक कि कूप का समुचित रूप से हटान नहीं कर दिया जाता और मुनिश्चित करने के लिए कार्रवाही नहीं कर ली जाती कि ड्रिल पाइप में तेल या गैस मौजूद होने की संभावना नहीं है।

(4) किसी ड्रिल स्तंभ परीक्षण के दौरान वायुमण्डल में उत्पादित गैस को ज्वालालाइन द्वारा जला दिया जाएगा।

अध्याय 5—उत्पादन

49. छिद्रण द्वारा कूप की पूर्ति:—(1) (क) कूप-छिद्रण में प्रयुक्त विस्फोटकों को यथास्थित आधानों में परिवहन किया जाएगा।

(ख) इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत किसी सक्षम व्यक्ति से भिन्न कोई भी व्यक्ति, कूप-छिद्रण के लिए अभिप्रेत विस्फोटकों को न सभालेगा, न परिवहन करेगा और न उनका उपयोग करेगा।

(2) कूप-छिद्रण संक्रिया, इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत किसी पदधारी के सीधे व्यक्ति पर्यवेक्षण के अधीन चलाई जाएगी।

(3) छिद्रण संक्रिया के प्रारंभ के पूर्व, पदधारी यह ध्यान रखेगा कि:

(क) प्रत्याशित तेल छिद्र दाब को दवाने के लिए कूप में समुचित तरल पदार्थ (पंक, जल/तेल) भरा हुआ है,

(ख) विफल विस्फोट निरोध उपस्कर के दाब और कृत्य का परीक्षण कर लिया गया है,

(ग) छिद्रण गन को सुरक्षापूर्वक कूप के नीचे किया जा सकता है,

(घ) कूपशीर्ष पर छिद्रण गन की तारलाइन पर सील करने के लिए स्नेहक का व्यवस्था की गई है, और

(ङ) छिद्रण के लिए प्रयुक्त वेधन रिग, पाइप रैक और केबिन सहित सभी उपस्कर की दक्षतापूर्वक भूस्फुरित किया गया है; विस्फोटकों चार्जों के जोड़ने के पूर्व उपस्कर और कूपशीर्ष के बीच विद्युत बंधन स्थापित किया गया है।

(4) कूप-छिद्रण रात्रि के समय या नष्टित मेघगर्जन तेज वायु और भारी वर्षा जैसी स्थितियों के दौरान नहीं किया जाएगा।

(5) कूप पर सामान्य कार्य तब तक आरंभ नहीं किया जाएगा जब तक कि चार्ज के फायरिंग को पूरा न कर लिया गया हो और पदधारी ने उस स्थल से छिद्रण उपस्कर न हटा लिया हो।

50. कूप परीक्षण:—(1) कूप का परीक्षण आरंभ होने के पूर्व, क्रिसमस ट्री, बहावलाइनों और सहयुक्त फिटिंगों का दाब-परीक्षण सतह पर अनुमानित अधिकतम दाब तक किया जाएगा।

(2) कूप परीक्षण, संस्थापन प्रबंधक के सीधे वैयक्तिक पर्यवेक्षण के अधीन किया जाएगा; वह यह ध्यान रखेगा:—

(क) कूप को क्रियाशील करने की कोई भी संक्रिया रात के समय नहीं की जाती है;

(ख) बहावलाइनों को जमीन से दृढ़तापूर्वक जकड़ा गया है;

(ग) पथकित्त सुरक्षा वाल्व चालू हालत में है और उमें उचित रूप में मनायोजित किया गया है ।

(घ) कूप उत्पादों को टंकियों या गतों में सुरक्षापूर्वक संग्रह करने के लिए पर्याप्त सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, और

(ङ) यथोचित अग्नि शामक उपस्कर को तुरन्त उपयोग के लिए सुगमता से उपलब्ध रखा गया है ।

(3) कूप परीक्षण के दौरान, कोई तेल या गैस दिखाई पडने की दशा में कूप को नियंत्रण में लाने के लिए तुरन्त कार्यवाही की जाएगी ।

51. ग्रुप संग्रहण केन्द्र :—(1) (क) जब तेल और/या गैस के लिए नए ग्रुप संग्रहण केन्द्र का निर्माण करने या किसी ग्रुप संग्रहण केन्द्र में परिवर्तन करने का आग्रह हा तब स्वामी, अधिकर्ता या प्रबन्धक, ऐसे आशय की सूचना ऐसे निर्माण या परिवर्तन के कम से कम 60 दिन पूर्व प्रादेशिक निरीक्षक को देगा;

(ख) सूचना में उत्पादन सुविधाओं, आग से संरक्षण के लिए उपायों, उपस्कर के फटने या उमकी खराबी, ज्वलनशील वाष्प के खतरनाक संचयन, वायु और जल प्रदूषण से संबंधित ब्यौरे होंगे ।

(ग) सूचना के साथ एक रेखांक होगा जिसमें उत्पादन सुविधाओं का नाम और अवस्थान केन्द्र से जुड़े प्रत्येक कूप का नाम और केन्द्र के 60 मीटर के भीतर आने वाला कोई रेल पथ सार्वजनिक सड़क मा लोक निर्माण दिखाया जाएगा ।

(2) यदि प्रादेशिक निरीक्षक, लिखित आदेश द्वारा ऐसी अन्वेषा करे तो, संस्थानों में ऐसे परिवर्धन या परिवर्तन किए जाएंगे, जो वह आदेश में विनिर्दिष्ट करे ।

52 अम्लन संक्रियाओं के दौरान पूर्वावधानियां :—(1) किसी कूप में अम्लन संक्रियाओं, इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत पदधारी के सीधे वैयक्तिक पर्यवेक्षण के अधीन चलाई जाएगी ।

(2) अम्लन संक्रियाओं के पूर्व सभी दाब लाइनों और सहयुक्त उपस्कर का परीक्षण, प्रत्याशित कार्यकरण दाब के डेढ़ गुने दाब पर किया जाएगा ।

(3) एक अप्रत्यावर्तन वाल्व, कूप शीर्ष के जितना संभव हो उतना निकट अभिक्रिया लाइन में संस्थापित किया जाएगा ।

(4) पदधारी यह ध्यान रखेगा कि :—

(क) अम्लन संक्रिया के लिए अपेक्षित व्यक्तियों से भिन्न कोई भी व्यक्ति कूप के आसपास नहीं है;

(ख) अम्ल संभालने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सुरक्षा वाक्य पढ़नाये, दस्ताने और जूते की व्यवस्था की गई है; और

(ग) चूने के पर्याप्त मात्रा सुगमता से उपलब्ध है और उसका उपयोग किसी छलके हुए अम्ल को निष्प्रभाविन करने के लिए किया जाता है ।

53. विभंजन संक्रियाओं के दौरान पूर्वावधानियां :—(1) किसी कूप में विभंजन संक्रियाएं, इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत पदधारी के सीधे वैयक्तिक पर्यवेक्षण के अधीन चलाई जाएंगी ।

(2) विभंजन संक्रियाओं के पूर्व, उपशीर्ष पर के. अंतिम वाल्व तक विभंजन पाइपलाइन का परीक्षण प्रत्याशित विभंजन दाब के डेढ़ गुने दाब पर किया जाएगा ।

(3) एक अप्रत्यावर्तन वाल्व, कूप शीर्ष के जितना संभव हो उतना निकट प्रत्येक विसर्जन लाइन में संस्थापित किया जाएगा ।

(4) सभी विसर्जन या स्टावन लाइनें कस कर जकड़ी जाएगी । स्टावन लाइनें खुली टंकियों या किसी गर्त में विसर्जन करेंगी ।

(5) विभंजन संक्रियाओं के दौरान, पदधारी यह ध्यान रखेगा कि कूप के 30 मीटर के भीतर—

(क) विभंजन संक्रिया के लिए अपेक्षित व्यक्तियों से भिन्न कोई भी व्यक्ति न रहे ;

(ख) किसी अनावृत दीप या ज्वलन के अन्य स्रोतों की अनुज्ञा नहीं दी गई है ;

(ग) सभी विद्युत उपस्करों को अक्रियाशील कर दिया गया है; और

(घ) यथोचित अग्नि शामक उपस्कर तुरन्त उपयोग के लिए उपलब्ध है ।

(6) पंपिंग यूनितें कूप शीर्ष से कम से कम 15 मीटर कास पवन पर अवस्थित होंगी और पंपिंग दिन के समय की जाएगी ।

54. तेल सहित टंकी यानों की लदाई और उतराई के दौरान पूर्वावधानियां :—(1) प्रत्येक टंकी यान की देखभाल उसकी लदाई या उतराई होने के दौरान, और उसके वाल्व बंद तथा भरण पाइप और विसर्जन टोटियों बंद नहीं किए जाने तक इस प्रयोजन के प्राधिकृत कोई मशम व्यक्ति करेगा ।

(2) तेल ले जाने वाले टंकी यानों की लदाई और उतराई दिन के समय की जाएगी ।

(3) टंकी यान की लदाई और उतराई वाले क्षेत्रों में सभी तेल पाइप लाइनों, भरण और निकास होजों या धातु पाइपों, धात्विक लदाई बाहुओं, पूर्णमान संधियों, टंकी यान की चेसिस को वैद्युत अविच्छन्न और दक्षतापूर्वक भूसंकर्षित रखा जाएगा ।

(4) किसी भी यांत्रिक रूप से नोदित टंकी यान को तब तक लादा या उतारा नहीं जाएगा जब तक कि उसका इंजन बंद न कर दिया गया हो और विद्युत परिपथ से उसके बैटरी को अलग न कर दिया गया हो। इंजन को तब तक पुनः चालू नहीं किया जाएगा और बैटरी को तब तक विद्युत परिपथ से नहीं जोड़ा जाएगा जब तक कि सभी टंकियां और वाल्वों को सुरक्षित रूप में बंद न कर दिया जाए।

(5) यथोचित अग्निशामक उपकरण को टंकी यानों की लदाई और उतराई के दौरान नुरन्त उपयोग के लिए सुगमता से उपलब्ध रखा जाएगा।

5.5. कूप शीर्ष संग्रह टंकियां :—(1) (क) थोक में कच्चा तेल के संग्रह के लिए प्रत्येक टंकी मुख्य निरीक्षक द्वारा लिखित में अनुमोदित विनिर्देशों के अनुभार लोहे या इस्पात की बनी होगी।

(ख) टंकियां ठोस इन्जीनियरी पद्धति के अनुसार, अज्वलनशील सामग्री के दृढ़ आधारों या अज्वलम्बनों पर निर्मित होंगी।

(ग) किसी संग्रह टंकी की उंचाई, उसके व्यास के डेढ़ गुणा या बारह मीटर से, दोनों में से जो भी कम हो, अधिक नहीं होगी।

स्पष्टीकरण :—इस खंड के प्रयोजन के लिए किसी टंकी की ऊंचाई, उसके तल से शीर्ष-किनार के कोणों तक की ऊंचाई होगी।

(घ) टंकी की कुल क्षमता के कम से कम 5 प्रतिशत वायु स्थान या उपविनियम (1) (क) में विनिर्दिष्ट विनिर्देश में विहित स्थान, दोनों में से जो भी कम हो, प्रत्येक टंकी में रखा जाएगा।

(2) (क) प्रत्येक संग्रह टंकी का संस्थापित या पुनः संस्थापित किए जाने के पश्चात् उपयोग में लाने से पूर्व उसका परीक्षण किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए जल दाब द्वारा किया जाएगा कि वह लीक नहीं कर रहा है, कच्चा तेल के संग्रह के लिए उपयुक्त है।

(ख) ऐसे परीक्षण की रिपोर्ट इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबद्ध पृष्ठांकित पुस्तक में रखी जाएगी और परीक्षण करने वाला व्यक्ति उस पर तारीख के साथ हस्ताक्षर करेगा।

(3) (क) भूमि के ऊपर की प्रत्येक टंकी किसी ऐसी भिन्नी या बंध से बंद होगी जो अग्नि के भीतर सबसे बड़ी टंकी की अधिकतम क्षमता के समतुल्य सशोधन प्रबलता सहित भूतल के ऊपर निर्मित हो।

(ख) खंड (क) में उल्लिखित सभी अग्निशामक तेल या जल के इकट्ठा होने से रोकने के लिए समुचित जल निष्कासन प्रणाली की व्यवस्था होगी।

(4) (क) प्रत्येक संग्रह टंकी को, जिसमें उसकी छत और सभी धातु संबंधन सम्मिलित है, दक्ष रीति से भूमि से विद्युत द्वारा जोड़ा जाएगा।

(ख) विद्युत भूसंकर्ष की क्रियाशीलता का परीक्षण बारह मास में एक बार किया जाएगा।

प्रत्येक ऐसे परीक्षण का परिणाम इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबद्ध पृष्ठांकित पुस्तक में अभिलिखित किया जाएगा और परीक्षण करने वाला व्यक्ति उस पर तारीख के साथ हस्ताक्षर करेगा।

(5) प्रत्येक संग्रह टंकी को उपयुक्त तड़ित प्रवाही द्वारा तड़ित से संरक्षित किया जाएगा।

(6) (क) कोई भी व्यक्ति किसी टंकी में सफाई या अनुरक्षण के लिए तब तक प्रवेश नहीं करेगा जब तक कि टंकी की परीक्षा किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा न कर ली गई हो, उसे गैसमुक्त और प्रवेश के लिए सुरक्षित न पाया गया हो।

(ख) जब किसी ऐसी टंकी में प्रवेश करना आवश्यक हो जो गैसमुक्त नहीं है या जिसमें आक्सीजन अंश 19 प्रतिशत से कम है तब ऐसे व्यक्तियों को जिन्हें प्रवेश करना आवश्यक है, स्वतः पूर्ण श्वसन साधन या अन्तःश्वसनीय वायु की दाब प्रति सहित पूर्ण चेहरे-भाग का मास्क दिया जाएगा।

(ग) पूरे समय के दौरान जब सफाई या अनुरक्षण का कोई काम किसी टंकी के भीतर हो रहा हो—

(1) एक ऐसा सक्षम व्यक्ति जो कृत्रिम श्वास और प्राथमिक चिकित्सा देने में अर्हित हो, ऐसे स्थल पर सदा मौजूद रहेगा, और

(2) ऐसे काम में अनुमोदित सुबाह्य हस्त-दीपों का ही उपयोग किया जाएगा।

5.6. कूप की सफाई संक्रियाएं :—(1) प्रत्येक डेरिक या दंड की परीक्षा कूप की सफाई संक्रिया के लिए उसके उपयोग में लाए जाने से पूर्व किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा सावधानीपूर्वक की जाएगी। गाई रस्से डेरिक या दंड से बांधे जायेंगे।

(2) (क) क्राउन ब्लाक, चल ब्लाक, तार लाइनों, हुकों और उत्पादकों की परीक्षा उनके उपयोग में लाए गए जाने से पूर्व किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा सावधानीपूर्वक की जाएगी।

(ख) जब संक्रियाएं उत्तोलन और स्थिर डेरिक से की जाती हैं, तब फ्लोर ब्लाक को किसी ठोस आधार से बांधा जाएगा।

(3) (क) प्रत्येक व्यक्ति इस और पंपों ब्लॉक के बीच की नार लाइन में हटकर रहेगा।

(ख) कोई भी व्यक्ति भाड़ने, मोम के खुरचने या अन्यथा बैलिंग लाइन का उपयोग करने के दौरान लाइन के निकट खड़ा नहीं रहेगा।

(4) मास्टर डार बाल्व और नलिका हैण्डर को पूर्व-समंजित किया जाएगा और उन्हें नलिकाओं के खींचने या अन्दर चलाने के दौरान कूप के प्रति-क्षेप करने की दशा में तुरन्त उपयोग के लिए कूप पर मुगमता में उपलब्ध रखा जाएगा।

(5) (क) किसी सक्रिय कूप में कोई भी सफाई संक्रिया तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि समुचित विफल विस्फोट निरोध उपस्कर सुरक्षित रूप में सम्पूर्णित और अनुरक्षित नहीं किया जाता।

(ख) कूप की सफाई संक्रिया के प्रारम्भ के पूर्व विफल विस्फोट निरोध उपस्कर के दाब और कृत्य का परीक्षण किया जाएगा।

(6) किसी कूप में कोई भी नलिका तब तक नहीं खींची जाएगी जब तक कि भूप का उचित रूप में हनन नहीं कर दिया जाता।

57. तेल का कृत्रिम उत्पादन -- (1) तब तक इस प्रयोजन के लिए निमज्जनीय पंप का उपयोग नहीं किया जाता, कूप के पास उचित रूप से निर्मित एक कार्यकरण मंच की व्यवस्था की जाएगी जहाँ कृत्रिम उत्पादन उपस्कर का उपयोग किया जाता है।

(2) कोई भी मरम्मत, स्नेहन या ग्रीजन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि पंपिंग यूनिट बंद नहीं कर दी जाती।

(3) गैस उत्पादन, आंतरायिक गैस उत्पादन या मुक्त प्लजर उत्पादन पद्धतियों के लिए सभी महत्व नियंत्रण बाल्वों को आसानी से पहचान के लिए स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाएगा।

58. उत्पादक कूपों की अस्थायी बंदी -- (1) (क) जब किसी उत्पादक कूप को अस्थायी रूप से बंद करने का आशय हो तब उसे पक, जल/तेल में भर दिया जाएगा जिसमें कि तरल स्तम्भ का द्रवस्थैतिक दाब कूप शीर्ष पर तेल और गैस का क्षण रोकने के लिए शील समूह दाब को दबाए।

(ख) क्रिसमस ट्री के नियंत्रण बाल्वों को पूर्ण रूप से बंद कर दिया जाएगा और नियंत्रण चक्की को हटा दिया जाएगा।

(2) (क) क्रिसमस ट्री की परीक्षा इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा 30 दिन में एक बार क्षरण के लिए की जाएगी। यदि ऐसी परीक्षा के दौरान किसी क्षरण का पता चलता है तो सक्षम

व्यक्ति उसे रोकने के लिए तुरन्त कार्रवाई करेगा।

(ख) हर ऐसी परीक्षा की रिपोर्ट इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबद्ध पृष्ठांकित पुस्तक में अंतिम-लिखित की जाएगी और उस पर वह व्यक्ति तारीख के साथ हस्ताक्षर करेगा जिसने परीक्षा की है।

59. परित्यक्त कूपों की स्तम्भन अपेक्षाएं -- (1) जब कोई कूप परित्याग किए जाने के लिए आणवित हो, तब --

(क) सभी पारगम्य शील समूहों को सीमेट में अलग कर दिया जाएगा,

(ख) कम से कम 50 मीटर लम्बाई का एक सीमेट प्लग कूप के तल में लगाया जाएगा,

(ग) कम से कम 50 मीटर लम्बाई का एक सीमेट प्लग सतह बेसिंग के सूत्र के आसपास लगाया जाएगा।

(घ) सभी कैसिंग के भूतल के नीचे एक मीटर तक काट दिया जाएगा और तीन मीटर बाईं सीमेट प्लग तथा बैलिंग प्लेट में आच्छादित किया जाएगा, और

(ङ) आवरित कूपों का, तीन मीटर बाल्व सीमेट प्लग सहित आच्छादित छिद्रों के शीर्ष के ऊपर एक सेतु-प्लग लगा कर, परित्याग किया जा सकेगा।

(2) हर परित्यक्त कूप को स्थल पर स्पष्ट रूप से पहचाना जाएगा।

अध्याय 6 -- पाइपलाइनों द्वारा परिवहन

60. लागू होना -- इस अध्याय के विनियम, केवल विनियम 11 के अधीन यथा परिभाषित किसी स्थान के भीतर और तेल क्षेत्रों के भीतर या पाइपलाइनों के द्वारा खनिज तेलों (जिसके अंतर्गत प्राकृतिक गैस और पैट्रोलियम भी है) के परिवहन को ही लागू होंगे।

61. मार्गाधिकार अर्जित किया जाना -- किसी भी पाइपलाइन और किसी पाइपलाइन में सम्बंधित सम्बन्धन का निर्माण के लिए, आवश्यक जमीन और अधिकार तथा निरीक्षण, अनुरक्षण, मरम्मत और गन्त लगाने के लिए मार्ग अर्जित किए बिना निर्माण नहीं किया जाएगा।

62. पाइपलाइनों के मार्ग और डिजाइन का अनुमोदन

(1) कोई भी पाइपलाइन, मुख्य निरीक्षक की लिखित अनुज्ञा से और ऐसे शर्तों के अनुसार ही बिछाई जाएगी जो वह उसमें विनिर्दिष्ट करे। इस उपविनियम के अधीन अनुज्ञा के लिए आवेदन के साथ उस क्षेत्र के जहाँ पाइपलाइन बछाए जाने का प्रस्ताव है, अद्यतन रेखांक की,

जिसमें प्रस्तुतित मार्ग, भूमि का विस्तार जिस पर मार्ग-धिकार अर्जित किया गया है, दिए जायेंगे, दो प्रतियां होंगी और साथ ही एक टिप्पण भी होगा जिसमें सन्निर्माण, परीक्षण तथा पाइपलाइन का अनुरक्षण और गणत लगाने पाइपलाइन में अनियंत्रित तरल पदार्थों के निकास के लिए बिस्फोट संरक्षण और उनसे अधिक दाबों जिनके लिए पाइपलाइन का डिजाइन किया गया है, के लिए किए जाने वाले प्रस्तावित उपबन्ध और आग की रोकथाम और नियंत्रण संबंधी उपाय के ब्यौरे होंगे।

(2) जहां किसी ऐसे रेलपथ या किसी रोक निर्माण के, जिसकी बाधन यह विनियम केन्द्रीय सरकार के किसी साधारण या विशेष आदेश के कारण लागू हैं, या किसी ऐसी लोक सड़क या भवन या अन्य स्थायी संरचना के, या खान के स्वामी की नहीं है, 45 मीटर के भीतर पाइपलाइन बिछाए जाने का प्रस्ताव है वहां उप-विनियम (1) के अधीन अनुज्ञा के लिए हर आवेदन और उसके साथ के रेखांक में रेलपथ, लोक सड़क या निर्माण या भवन के सम्बन्ध में पाइपलाइन की स्थिति भी विनिर्दिष्ट होगी। आवेदन की एक प्रति, किसी रेल पथ की दशा में संबंधित रेल प्रशासन की, और यथापूर्वोक्त किसी लोक निर्माण की दशा में ऐसे प्राधिकारी का भी जो केन्द्रीय सरकार साधारण या विशेष आदेश द्वारा निर्दिष्ट करे, भेजी जाएगी।

63. पाइपलाइन और फिटिंगों का डिजाइन :—(1) सभी पाइपों, वाल्व, प्लेज और अन्य फिटिंग, भारतीय मानक विनिर्देश के या ऐसे अन्य विनिर्देश के जिसे मुख्य निरीक्षक मान्यता दे, अनुरूप होंगे।

(2) अपचर्षण प्रयोजन और या अभिग्राही टेपों के साथ खुले द्वार से लगे पाजिटिव दाब-निर्माण सूचक लगाया जाएगा।

64. पाइपलाइन का बिछाया जाना :—(1) पाइपलाइनें भूमि तल के नीचे कम से कम 1.2 मीटर तक बिछायी जायेंगी, मिवाय वहां के जहां किसी विशेष परिस्थिति के लिए भूमि तल के ऊपर उसका बिछाया जाना आवश्यक हो।

(2) किसी पाइपलाइन के भूमिगत सेक्शनों के मार्ग का चिन्हकों द्वारा उपदर्शित किया जाएगा और कम से कम दो ऐसे चिन्हक मार्ग के साथ वाले किसी स्थल से दृष्टि-गोचर होंगे।

(3) जहां मुख्य निरीक्षक की यह राय है कि ऐसा करना लोक सुरक्षा के हित में है तो वह, लिखित आदेश द्वारा, स्वामी, अधिकर्ता या प्रबन्धक, से ऐसी अपेक्षाओं के अनुसार जो वह ऐसे प्रादेश में विनिर्दिष्ट हों, ऐसी पाइपलाइनों का पुनः बिछाए जाने, नवीकरण करने या मरम्मत करने के लिए अपेक्षा कर सकेगा।

65. पाइपलाइनों के लिए आपात क्रियाएं :—(1) हर ऐसी खान का जिसमें कोई पाइपलाइन तेल या प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए बिछायी जाती है,

प्रबन्धक, इन विनियमों के प्रवृत्त होने के 60 दिन के भीतर या किसी नए संस्थापन की दशा में संस्थापन के 30 दिन के भीतर आग लगने, पाइप लाइन से अनियंत्रित तेल या गैस के निकलने, पाइप लाइन के फट जाने या उसे नुकसान हो जाने की दशा में की जाने वाली कार्यवाई विनिर्दिष्ट करने हुए आपात प्रक्रियाएं प्रादेशिक निरीक्षक को प्रस्तुत करेगा।

(2) प्रादेशिक निरीक्षक, लिखित आदेश द्वारा या तो उसे प्रस्तुत किए गए रूप में या ऐसे परिवर्तनों और परिवर्तनों सहित जो वह ठीक समझे, ऐसी आपात, प्रक्रियाओं का अनुमोदन कर सकेगा, और इस प्रकार अनुमोदित आपात प्रक्रियाएं खान में प्रवर्तित की जाएंगी।

अध्याय 7—अग्नि परिवर्तण और रोकथाम

66. ज्वलनशील सामग्री का संचयन और उपयोग :—

(1) प्रचालन उपस्कर की टंकियों में ईंधन के मिवाय कोई भी ज्वलनशील ईंधन किसी कूप के 30 मीटर के भीतर संचित नहीं किया जाएगा।

(2) ज्वलनशील तरल पदार्थों के संभालने और उसके उपयोग के लिए सुरक्षा कनस्तरों का उपयोग किया जाएगा।

(3) किसी ईंधन संचयन में निकास ऐसी दिशा में होगी जो कूप और उपस्कर से दूर हो।

(4) वर्ग "ग" या वर्ग "बी" पेट्रोलियम के वर्गीकरण के भीतर सफाई प्रयोजनों के लिए ज्वलनशील तरल पदार्थ का उपयोग, संस्थापन प्रबन्धक की पूर्व लिखित अनज्ञा के बिना नहीं किया जाएगा।

67. ज्वलनशील गैस के लिए पूर्वविधानियां क्षेत्र :—(1) कोई भी व्यक्ति किसी सेलर, सम्प, गर्त या किसर परिरुद्ध स्थान या जोन "0" जोखिम वाले क्षेत्र या ऐसे में, जहां कोई ज्वाला अकस्मात बुझ गई हो, तब तक प्रवेश नहीं करेगा या उसे प्रवेश करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक कि किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा विस्फोट मापक मीटर या किसी अन्य अनुमोदित यंत्र से किए गए परीक्षण से यह उपदर्शित न होता हो कि वह क्षेत्र व्यक्तियों के प्रवेश करने के लिए सुरक्षित है।

(2) जहां उपविनियम (1) में उल्लिखित कोई परीक्षण यह दिखाता हो कि ज्वलनशील गैस की सांद्रता, निम्नतर ज्वलनशील सीमा के 20 प्रतिशत से अधिक है वहां संस्थापन के 30 मीटर के भीतर के सभी केबलों और माधुन्य से विद्युत ऊर्जा की पूर्ण तुरन्त काट दी जाएगी और ज्वलनशील के सभी ओत उक्त क्षेत्र से हटा दिए जाएंगे। सामान्य काम तब तक नहीं आरम्भ किए जाएंगे जब तक कि उस क्षेत्र को गैस मुक्त नहीं कर दिया जाता है।

68. सुरक्षित अंतराल :—(1) कोई भी व्यक्ति, किसी कूप, पृथिवी, तेल संग्रह टंकी या ज्वलनशील गैसों के अन्य

असंरक्षित स्रोतों के 30 मीटर के भीतर धूम्रपान नहीं करेगा। हर खान में “धूम्रपान क्षेत्र और धूम्रपान निषेध क्षेत्र” स्पष्ट रूप से निर्धारित किया जाएगा।

(2) कोई भी अनावृत वीप या खुली आग, किसी कूप या किसी ऐसे स्थान के, जहां तेल संचित किया गया है, 30 मीटर के भीतर नुजात नहीं की जाएगी।

(3) कोई भी ज्वाला प्रकार का हीटर, कच्चे तेल का उपचारक या अन्य ज्वाला प्रकार का उपस्कर किसी कूप, पृथिवी, कच्चा तेल संग्रह टंकी के 25 मीटर के भीतर नहीं रखा जाएगा सिवाय वहां के जहां कि ज्वाला प्रकार के ऐसे उपस्कर को ज्वाला प्रवाहियों से लैस किया गया है।

(4) ज्वालों को उत्पादन संस्थान या संग्रह टंकियों से कम से कम 90 मीटर पर स्थित किया जाएगा।

69. अग्नि के लिए पूर्वावधानियां :—(1) सूखी पत्तियां और शुष्क वनस्पतियां इकट्ठा होने या रहने नहीं दी जाएगी तथा 24 घंटे की अवधि के भीतर उपयोग के लिए अपेक्षित सामग्री से भिन्न ज्वलनशील सामग्री, किसी तेल या गैस कूप या ईंधन टंकी संचयन क्षेत्र से 15 मीटर की दूरी के भीतर संचित नहीं की जाएगी।

(2) जहां किसी अन्तरदहन इंजन को किसी कूप, पृथिवी, संग्रह टंकी के 25 मीटर के भीतर अवस्थित किया जाता है, वहां :—

(क) उसकी निर्वातक पाइप को रोधी या पर्याप्त रूप से ठंडा किया जाएगा और निर्वातक पाइप के सिरे का रख कूपशीर्ष से दूर होगा, और

(ख) उसके निर्वातक बहुमुख को, ऐसे तरल पदार्थों या गैसों से जो अन्यथा उस पर गिरे, उसका संपर्क रोकने के लिए परिरक्षित किया जाएगा

(3) जहां कोई डीजल इंजन किसी कूप के 25 मीटर के भीतर अवस्थित किया जाता है वहां उसमें सुगमता से सुलभ दूरस्थ नियंत्रण सहित वायु अंतर्ग्राही उपविरामक वाल्व की व्यवस्था की जाएगी।

(4) बर्नरों के दूरस्थ ज्वलन के लिए उपयुक्त युक्ति के साथ जलउष्मक हीटरों की व्यवस्था की जाएगी।

(5) स्फैतिक विद्युत चार्जों के क्षय के लिए सभी संयंत्र, मशीनरी डेरिकों और दंडों को प्रभावी रूप से भूसंपर्कित किया जाएगा।

70. वेल्डन के दौरान पूर्वावधानियां :—(1) प्रबन्धक या संस्थापन प्रबन्धक द्वारा लिखित में सम्यक रूप से प्राधिकृत किसी सक्षम वेल्डर से भिन्न कोई भी व्यक्ति, ज्वाला या विद्युत वेल्डन साधन के उपयोग की अपेक्षा करने वाला वेल्डन या कर्तन का काम नहीं करेगा।

(2) किसी वर्गीकृत जोखिम वाले क्षेत्र में किसी वेल्डर द्वारा कोई भी वेल्डन या कर्तन का काम तब तक हाथ से नहीं लिया जाएगा जब तक कि दूसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट

प्रारूप में लिखित परमिट, जिसे इसमें इसके पश्चात् हाट बर्क परमिट कहा गया है, प्रबन्धक या संस्थापन प्रबन्धक द्वारा वेल्डर को जारी नहीं कर दिया जाता है। हाट बर्क परमितों की प्रतिया इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबद्ध पृष्ठांकित पुस्तक में दर्ज की जाएगी।

(3) किसी जोखिम वाले क्षेत्र में कोई भी वेल्डन या कर्तन का काम तब तक हाथ से नहीं लिया जाएगा जब तक कि इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा उस क्षेत्र की सम्यक रूप से परीक्षा नहीं कर ली जाती और वह क्षेत्र गैसमुक्त नहीं पाया जाता। हर ऐसी परीक्षा की रिपोर्ट, इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबद्ध पृष्ठांकित पुस्तक में अभिलिखित की जाएगी और परीक्षा करने वाला व्यक्ति तारीख के साथ हस्ताक्षर करेगा।

(4) वेल्डन और कर्तन संक्रियाओं के दौरान वेल्डर यह ध्यान रखेगा कि—

(क) सभी ज्वलनशील सामग्री तेल, ग्रीज, तेल सिकत मिट्टी उस क्षेत्र से हटा लिए गए हैं,

(ख) कोई दियासलाई, लाईटर या धुमन साधन या ज्वलनशील वाष्प प्रज्वलित करने में समर्थ कोई अन्य स्रोत उस क्षेत्र में अनुज्ञात नहीं किया गया है

(ग) जिनगारियों, स्लैग या तप्त धातु द्वारा शुरू होने वाली आग को रोकने के लिए पर्याप्त पूर्वावधानियां बरती गई हैं।

(घ) पर्याप्त संख्या में फैन या शुष्क रसायन प्रकार के अग्नि शामक तुरन्त उपभोग के लिए पर्याप्त संख्या में सुगमता से उपलब्ध हैं ;

(ङ) जब संक्रियाएं परिरुद्ध स्थान में चलाई जाती हैं जब ज्वलनशील गैस का संचय रोकने के लिए यांत्रिक साधनों द्वारा पर्याप्त संवातन की निरन्तर व्यवस्था है, और

(च) जब संक्रियाएं पाइपलाइन पर चलाई जाती हैं जिसमें ज्वलनशील तरल पदार्थ या गैस है, तब पाइप को अलग कर दिया जाता है या बंद कर दिया जाता है, हाट बर्क के पूर्व लाइन को विमुक्त कर दिया जाता है, उसमें से सक्रिय गैस या जल को निकाल या साफ कर दिया जाता है और जब हाट बर्क चालू है तब लाइन में बने दाब के लिए यथोचित पूर्वावधानियां बरती जाती हैं।

(5) संस्थापन प्रबन्धक या सुनिश्चित करेगा कि जहां बर्क के परमिट जारी किए गए हैं वहां वेल्डन और कर्तन संक्रियाएं उक्त परमिट के अनुसार चलाई जाती हैं।

71. अग्नि शामक उपस्कर (1) (क) हर वेधन रिग पर कम से कम दो फैन या शुष्क रसायन प्रकार के अग्नि शामक सुविधाजनक रूप से अवस्थित किए जाएंगे।

(ख) हर वर्क-ओवर रिग पर कम से कम एक फेन और एक शुष्क रसायन प्रकार के अग्निशामक की व्यवस्था की जाएगी।

(ग) फेन का उपयोग विद्युत आग को बुझाने के लिए नहीं किया जाएगा।

(2) हर अचल संस्थापन या ग्रुप संग्रहण केन्द्र, गैस संपीड़क केन्द्र पर, संग्रह टंकियां, स्थल पर स्थायिक जल संग्रह सहित जल रिग पनाला, भरण बम्बों और जल मानिटरो की व्यवस्था की जाएगी।

(3) अचल फेन संबंधनों सहित अचल छत टंकियों की व्यवस्था की जाएगी।

(4) जहां प्रादेशिक निरीक्षक ऐसी अपेक्षा करे वहां, स्वामी, अधिकारी या प्रबन्धक खान में चल अग्निशामक उपस्कर और आनुषंगिक साधक भी रखे जाएंगे।

(5) (क) कोई सक्षम व्यक्ति तीन मास में कम से कम एक बार हर अग्नि शामक की परीक्षा करेगा और यह सुनिश्चित करने के लिए कि वह चालू दशा में हैं, जिनकी बार आवश्यक हो उतनी बार उसे खाली करेगा और पुनः भरेंगा।

(ख) हर ऐसी परीक्षा या पुनः भरण की रिपोर्ट इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबद्ध पृष्ठांकित पुस्तक में रखी जाएगी और परीक्षा या पुनः भरण करने वाला व्यक्ति तारीख के साथ हस्ताक्षर करेगा।

72. अग्नि शामक उपस्कर का उपयोग किसी वेधनरिग, वर्क ओवर रिग, कूपशीर्ष संस्थापन, ग्रुप संग्रहण केन्द्र, टंकी पर या ऐसे संकर्म पर, जहां अग्नि शामक उपस्कर का उपयोग किया जाना अपेक्षित हो, नियोजित हर व्यक्ति को ऐसे उपस्कर के प्रयोग के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा इस प्रयोजन के लिए नियमित अग्नि शमन अभ्यास किए जाएंगे।

73. अग्नि के लिए आकस्मिकता योजना :- (1) प्रबन्धक अग्नि के लिए आकस्मिकता योजना बनाएगा और उसकी एक प्रति प्रादेशिक निरीक्षक को प्रस्तुत करेगा, जिसे वह या तो उसकी प्रस्तुत किए गए रूप में या ऐसे परिवर्धनों या परिवर्तनों सहित जो वह ठीक समझे, अनुमोदन कर सकेगा।

(2) आकस्मिकता योजना में निम्नलिखित होगा—

(क) नियंत्रण पद्धति और आपात स्थितियों की दशा में अन्तर्बलित प्रत्येक व्यक्ति के उत्तरदायित्व स्पष्ट रूप से बताते हुए संगठन योजना ;

(ख) उपस्कर का मैक और प्रकार, क्षमता, अवस्थान, ठीक प्रचालन और प्रचापन क्षेत्र स्पष्ट रूप से ज्ञाते हुए उपस्कर योजना ;

(ग) निम्नलिखित स्पष्ट रूप से बताते हुए कार्रवाई योजना—

(i) अलार्म और संचार प्रणाली,

(ii) प्राधिकारियों की अभिसूचित करने वाली प्रणाली,

(iii) अन्तर्बलित प्रत्येक व्यक्ति के कर्तव्य,

(iv) कब और कैसे उपस्कर का उपयोग किया जाएगा और कब और कैसे कार्रवाई की जाएगी, और

(v) कार्रवाई समाप्त करने के लिए मार्गदर्शन और

(घ) कार्मिक के प्रशिक्षण के लिए और अभ्यासों के लिए योजना।

अध्याय 8—मशीनरी, संयंत्र और उपस्कर

74. कुछ मशीनरी और उपस्कर का उपयोग (i) मुख्य निरीक्षक, समय समय पर राजपत्र में अधिसूचना द्वारा ऐसे माधवों, उपस्कर मशीनरी या अन्य सामग्री विनिर्दिष्ट कर सकेगा जिनका उपयोग किसी खान में किया जाता है या किया जाए और वे ऐसे प्रकार, मानक और मैक के होंगे जैसे मुख्य निरीक्षक साधारण या विशेष आदेश द्वारा अनुमोदन करे तथा जहां ऐसे साधन, उपस्कर, मशीनरी या अन्य सामग्री मुख्य निरीक्षक द्वारा विनिर्दिष्ट की गई है वहां पूर्वांकित रूप से मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदन से भिन्न कोई भी साधन, उपस्कर, मशीनरी, या सामग्री का उपयोग किसी खान में नहीं किया जाएगा।

(2) जहां मुख्य निरीक्षक या प्रादेशिक निरीक्षक की राय में किसी ऐसे माधक, उपस्कर, मशीनरी या अन्य सामग्री में, जिसे उपविनियम (v) के अधीन अधिसूचित नहीं किया गया है, किसी खान में नियोजित किसी व्यक्ति का जीवन या उसकी सुरक्षा का संकटापन्न होने की संभावना है वहां मुख्य निरीक्षक लिखित आदेश द्वारा किसी खान में ऐसे साधन उपस्कर मशीनरी या सामग्री का उपयोग प्रतिषिद्ध कर सकेगा।

75. जोखिम वाले क्षेत्र का वर्गीकरण—इन विनियमों के प्रवृत्त होने के पश्चात् खान के क्षेत्रों की मुख्य निरीक्षक द्वारा या किसी निरीक्षक द्वारा ऐसे सहायकों की सहायता से और ऐसे अन्वेषण के पश्चात् जो वह आवश्यक समझे जोखिम वाले वातावरण की उपस्थिति की संभावना की मात्रा के अनुसार विभिन्न जोनों में वर्गीकृत किया जाएगा।

76. जोखिम वाले क्षेत्र में विद्युत उपस्कर का उपयोग—

(1) जोन "0" जोखिम वाले क्षेत्र में किसी विद्युत उपस्कर का जिनके अन्तर्गत प्रकाश प्रबन्ध साधन भी है, का उपयोग नहीं किया जाएगा ;

(2) प्रत्येक जोन 1 जोखिम वाले क्षेत्र में केवल स्वतः सुरक्षित या ज्वाला सह विद्युत साधन और उपस्कर का उपयोग किया जाएगा।

(3) प्रत्येक जोन 2 जोखिम वाले क्षेत्र में केवल ज्वालासह या संधित सुरक्षित या दाबकृत विद्युत साधक और उपस्कर या ऐसे अन्य विद्युत उपस्कर का, जो मुख्य निरीक्षक अनुमोदित करे, उपयोग किया जाएगा।

77. मशीनरी के अन्निर्माण और बनाए रखने के बारे में साधारण उपबन्ध किसी खान के उपस्कर के रूप में या उसके भाग रूप प्रयुक्त ऐसे सभी पुर्जों और चालू गियर,

चाहे वे अचल हों या चल, जिनके अन्तर्गत संलागी और साधिक भी हैं, तथा ऐसे सभी आधार, जिनमें या जिनमें किन्हीं ऐसे साधनों को जकड़ा या बद्ध किया जाता है, ठोस बनावट, उपयुक्त सामग्री, पर्याप्त मजबूती के और प्रत्यक्षतः श्रुति से सुक्त होंगे और उन्हें समुचित रूप से बनाए रखा जाएगा,

78. अन्तर्दहन इंजन :—(1) 30 अश्व शक्ति से अधिक के अन्तर्दहन इंजनों को चालू करने के लिए उनसे करचल से भिन्न साधनों की व्यवस्था की जाएगी।

परन्तु इस उपविनियम की किसी बात में यह नहीं समझा जाएगा कि किसी आपात स्थिति में हाथ में चालू करने को प्रतिषिद्ध किया गया है।

(2) जहां इंजन को चालू करने के लिए सम्पीडित वायु का उपयोग किया जाता है वहां, जहां तक हो सके, इंजन के निकट सम्पीडित वायु लाईन में एक अप्रत्यावर्धन वाल्व की व्यवस्था की जाएगी।

(3) इंजन की निर्वातक पद्धति में निर्वातक में होने खुली ज्वाला और चिंगारियों को रोकने के लिए, एक उपयुक्त युक्ति की व्यवस्था की जाएगी।

(4) अन्तर्दहन इंजन के पास ज्वलनशील वाष्प के इकट्ठा होने से रोकने के लिए पर्याप्त पूर्वाधानियां ब्रती जाएगी।

(5) किसी अन्तर्दहन इंजन के विद्युत उपसाधन भारतीय विद्युत नियम, 1956 के उपबन्धों का अनुपालन करेंगे।

79. दाब के अधीन साधित्र :—(1) खान के उपस्कर के रूप में या उसके भागरूप प्रयुक्त ऐसे सब साधिक, जिनमें वायुमण्डलीय दाब से अधिक दाब पर वायु, गैस या वाष्प है, या जो उसका उत्पादन करता है इस प्रकार सन्निमित्त, संस्थापित और अनुरक्षित किए जाएंगे जिससे कि आग, फट जाने विस्फोट या बैठ जाने या विपैली गैसों के उत्पादन का कोई जोखिम न हो।

(2) प्रत्येक वायु ग्राही में एक सुरक्षा वाल्व और एक वायु प्रमापी जो वायुमण्डलीय दाब से अधिक दाब दिखलाता है, लगाए जाएंगे।

(3) (क) किसी गैस संपीडक की विमर्जन लाईन के साथ दाब निर्माण सुरक्षा युक्ति की व्यवस्था की जाएगी, संपीडक और दाब निर्माण सुरक्षा युक्ति के बीच या युक्ति और विमर्जन बिन्दु के बीच कोई वाल्व या फिटिंग नहीं होगी जिससे कि युक्ति अप्रभावी हो जाए।

(ख) दाब निर्माण सुरक्षा युक्ति को अधिकतम अनुज्ञेय कार्यकरण दाब के ऊपर अधिक से अधिक 10 प्रतिशत दाब पर खुलने के लिए नियत किया जाएगा।

(ग) दाब निर्माण सुरक्षा युक्ति का परीक्षण प्रत्येक छह मास में एक बार किया जाएगा और प्रत्येक ऐसे परीक्षण का अभिलेख इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबद्ध पुष्ठांकित पुस्तक में परीक्षण करने वाले व्यक्ति द्वारा रखा जाएगा।

(4) किसी गैस संपीडक में जुड़ी हुई प्रत्येक गैस लाइन के साथ संपीडक केन्द्र के बाहर किमर सुरक्षित अन्तराल पर एक उपधिरामक वाल्व की व्यवस्था की जाएगी।

(5) किसी गैस संपीडक और पाइपलाइनों तथा उनमें जुड़ी हुई फिटिंगों की बाबत कोई भी मरम्मत कार्य तब तक हाथ में नहीं लिया जाएगा जब तक कि प्रवेश और विमर्जन लाइनों पर के नियन्त्रण वाल्वों का बन्द और मजबूती में अभिवृद्ध नहीं कर दिया जाता।

80. मशीनरी के गतिमान भागों के बारे में पूर्वाविधानियाः—(1) प्रत्येक विच में कोई विरामक ग्राह या अन्य विषमनीय होल्डर की व्यवस्था की जाएगी और उसका उपयोग किया जाएगा।

(2) प्रत्येक चक्के और किसी खान के उपस्कर के रूप में या उसके भागरूप प्रयुक्त किसी मशीनरी के प्रत्येक अन्य खतरनाक अनावृत्त भाग को, खतरों को रोकने के लिए ठोस बनावट के उपयुक्त रक्षा साधनों के द्वारा यथोचित रूप से बाड़ा बनाकर घेरा जाएगा; और मशीनरी के भागों के गति या उपयोग में रहने के दौरान ऐसे रक्षा साधन उन्हीं स्थिति में रखे रहेंगे किन्तु वे कोई परीक्षा, समयोजन या मरम्मत करने के लिए यथाचित पूर्वाविधानियां बरत कर हटाए जा सकेंगे।

(3) जहां क्षति की जोखिम हो, वहां किसी भी व्यक्ति को गतिमान मशीनरी की मरम्मत, समायोजन, सफाई या स्नेहन करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(4) मशीनरी के गति में रहने के दौरान किसी भी व्यक्ति को किसी चलन पट्टी या रस्से को अदल बदल या समयोजन करने की तब तक अनुज्ञा नहीं दी जाएगी जब तक कि उस प्रयोजन के लिए एक समुचित यांत्रिक साधित्र की व्यवस्था नहीं की जाती।

(5) कोई भी व्यक्ति गतिमान मशीनरी के बिल्कुल समीप ढीले बाह्य वस्त्र नहीं पहनेगा और न ही उसे ढीले बाह्य वस्त्र पहनने की अनुज्ञा दी जाएगी।

(6) किसी अप्राधिकृत व्यक्ति को किसी इंजन कक्ष में प्रवेश करने या इंजन के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

81. इंजन कक्ष और उनके निकाम :—प्रत्येक इंजन, मोटर, संपीडक और पंप कक्ष और ऐसा प्रत्येक कक्ष जिसमें अतिज्वलनशील सामग्री का संचय किया जाता है, साफ रखा जाएगा और उसमें कम से कम दो निकामों की व्यवस्था की जाएगी। ऐसे प्रत्येक निकाम को उचित रूप में अनुरक्षित और बाधामुक्त रखा जाएगा।

82. मशीनरी का परिचालन और उसकी परीक्षा :—

(1) कोई भी मशीनरी किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा या उसके सनत पर्यवेक्षण के अधीन ही प्रचालित की जाएगी, अन्यथा नहीं।

(2) किसी मशीनरी, साधित्र या साधन का भारसाधक प्रत्येक व्यक्ति, कार्य आरम्भ करने से पूर्व यह देख लेगा कि वह समुचित रूप में चालू हालत में है, और यदि वह उसमें कोई त्रुटि पाता है तो वह इस तथ्य की रिपोर्ट संस्थापन प्रबन्धक या अन्य सक्षम व्यक्ति को तुरन्त करेगा।

(3) वायु-ग्राही का भारसाधक प्रत्येक व्यक्ति यह ध्यान रखेगा कि सुरक्षा वाल्वों में कोई अनिश्चित भार नहीं बढ़ाया जाता है और वायु का अनुज्ञेय दाब अधिक नहीं हो जाता है।

(4) इस प्रयोजन के लिए नियुक्त किया गया कोई सक्षम व्यक्ति या नियुक्त किए गए व्यक्ति, उपयोग में आने वाली सभी मशीनरी और संयंत्र का, पूर्णतः निरीक्षण हर सात दिन में कम से कम एक बार करेगा/करेंगे और उसके परिणाम इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबद्ध पृष्ठांकित पुस्तक में अभिलिखित करेगा/करेंगे विद्युत मशीनरी और संयंत्र की बाबत सक्षम व्यक्ति, कोई इंजीनियर या विद्युत पर्यवेक्षक होगा जिसके पास भारतीय विद्युत नियम, 1956 में विनिर्दिष्ट अर्हताएं हों।

अध्याय 9—साधारण सुरक्षा उपबन्ध

83 हाउसकीपिंग :—(1) ऐसी खूली सामग्री, का जो उपयोग के लिए अपेक्षित नहीं है, इस प्रकार रखी या छोड़ी नहीं जाएगी जिससे कि वे कार्यस्थानों या भागों में खतरनाक रूप से बाधा डालें।

(2) क्षति रोकने के लिए सभी बाहर निकली हुई कीलों और रेलियों के सिरे को मोड़ दिया जाएगा।

(3) कार्यस्थानों, प्रवेश मार्ग या निकास मार्ग, में स्केप, अपरिणित और कूड़ा-करकट इकट्ठा नहीं होने दिया जाएगा।

(4) ऐसे कार्यस्थानों और मार्गों को, जिन पर तेल, पाल या अन्य कारणों से फिसलन हो गई है, साफ किया जाएगा या उन पर रेत, बुरादा या उसी प्रकार की सामग्री फैलाई जाएगी।

(5) मुवाहय उपस्कर को उसका उपयोग करने के पश्चात् उसके अभिहित सचय स्थान पर वापिस भेज दिया जाएगा।

(6) उपस्कर, औजारों और छोटी वस्तुओं को उधर-उधर पड़ा रहने नहीं दिया जाएगा जहां वे गिरने से या किसी व्यक्ति के ठोकर खाने से कोई दुर्घटना कारित कर सकते हैं।

84. साधारण प्रकाश प्रबन्ध :—(1) कार्य समय के दौरान निम्नलिखित स्थानों पर पर्याप्त साधारण प्रकाश प्रबन्ध किए जाएंगे :—

- (क) जहां प्राकृतिक प्रकाश प्रबन्ध अपर्याप्त है;
- (ख) डेरिक फ्लोर पर;
- (ग) वेधक के स्टेड और नियंत्रण पैन्ल पर;
- (घ) मंकी बोर्ड पर;
- (ङ) प्रत्येक इंजन और पंप हाउस पर;

(4) विफल विस्फोट निरोध नियंत्रणों के निकट डेरिक उप संरचना पर;

(छ) प्रत्येक ऐसे स्थान पर जहां व्यक्तियों को काम करना है; और

(ज) प्रत्येक बाहर निकलने वाले स्थान, प्रवेश मार्ग या निकास मार्ग।

(2) किसी खान में किया गया प्रकाश प्रबन्ध, जहां तक संभव हो, ऐसा होगा जिसमें कि ज्वलक पदार्थ न हो या आख पर जोर न पड़े।

85. विद्युत प्रकाश प्रबन्ध :—(1) प्रत्येक विद्युत प्रकाश साधित्र मुख्य निरीक्षक द्वारा अनुमोदित प्रकार का होगा।

(2) खान में संस्थापित प्रकाश प्रणाली के संबंध में भारतीय विद्युत नियम, 1956 के उपबन्धों का अनुपालन किया जाएगा।

(3) प्रत्येक विद्युत प्रकाश साधित्र इस प्रकार लगाया जाएगा जिसके कि उसकी आकस्मिक नुकसान से संरक्षण हो सके।

86 प्रकाश प्रबन्ध के मानक :—मुख्य निरीक्षक राजपत्र में समय-समय पर अधिसूचना द्वारा किसी खान में विनिर्दिष्ट क्षेत्र या स्थानों में किए जाने वाले प्रकाश प्रबन्ध का मानक विनिर्दिष्ट कर सकेगा।

87. आपातकालीन प्रकाश प्रबन्ध :—अनुमोदित प्रकार के स्वतः पूर्ण मुवाइय हस्त लेप पर्याप्त संख्या में बनाए जाएंगे और आपात स्थिति में तुरन्त उपयोग के लिए उपलब्ध रखे जाएंगे।

88 संरक्षात्मक जूता :—(1) कोई भी व्यक्ति किसी खान में तब तक न जाएगा या न वहां कार्य करेगा या न उसे वहां कार्य करने दिया जाएगा जब तक कि उसे ऐसे प्रकार का संरक्षात्मक जूता न पहन रखा हो जो मुख्य निरीक्षक द्वारा लिखित रूप में साधारण या विशेष आदेश द्वारा अनुमोदित किया गया हो।

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट संरक्षात्मक जूता छह मास में आधिक के अन्तर्गालों पर दिया जाएगा।

89. संरक्षात्मक हेलमेट :—(1) कोई भी व्यक्ति किसी वेधन रिग या वर्क-ओवर रिग पर या रिग बनाने या रिग खोलने के या कार्य ऐसे अन्य स्थान पर, जहां किसी वस्तु के जोड़ने या गिरने से खतरा हो सकता है, तब तक न जाएगा या न वहां कार्य करेगा या न उसे वहां पर कार्य करने दिया जाएगा जब तक कि उससे ऐसे प्रकार का हेलमेट न पहन रखा हो जो मुख्य निरीक्षक द्वारा लिखित रूप में साधारण या विशेष आदेश द्वारा अनुमोदित किया गया हो।

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट हेलमेट तीन वर्षों से अधिक के अन्तरालों पर दिया जाएगा।

परन्तु जब कोई हेलमेट उचित उपयोग के दौरान क्षतिग्रस्त हो जाता है तो उसे तुरन्त बदल दिया जाएगा।

90. संरक्षात्मक उपस्कर :—ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के लिए जो संक्रियाओं में लगा हुआ है और ऐसे प्रत्येक अन्य व्यक्ति के लिए, जिसे संक्रियाओं में होने वाली क्षति विपाकता या रोग की जोखिम हो सकती है, निम्नलिखित की व्यवस्था की जाएगी :—

(क) जोखिम को ध्यान में रखते हुए, उपयुक्त संरक्षात्मक उपस्कर, जिसके अन्तर्गत श्वसन संरक्षात्मक उपस्कर, नेत्र संरक्षी, दस्ताने, एप्रन हैं।

(ख) वर्षा में और उग्र मौसम वाली परिस्थितियों में उपयोग के लिए उपयुक्त संरक्षात्मक बाह्य पोशाक।

91. संरक्षात्मक जूते, हेलमेट और उपस्कर का प्रदाय और उपयोग :—(1) स्वामी, अधिकर्ता या प्रबन्धक, संरक्षात्मक जूते, हेलमेट और उपस्कर की मुफ्त व्यवस्था करेगा।

(2) प्रत्येक व्यक्ति, जिसे संरक्षात्मक जूता, हेलमेट और उपस्कर दिए गए हैं, कार्य करने के दौरान उन्हें पहनेगा।

92. शोर में संरक्षण :—(1) स्वामी, अधिकर्ता या प्रबन्धक, कर्मचारों व शोर का प्रभाव कम करने के लिए, युक्तियुक्त रूप में माध्य उपाय करेगा।

(2) कोई व्यक्ति, उस क्षेत्र में, जहां ध्वनि स्तर 115 डेसीबेल या उससे अधिक है, समुचित कर्ण संरक्षण के बिना न प्रवेश करेगा या न उसे प्रवेश करने दिया जाएगा।

(3) कोई व्यक्ति, उस क्षेत्र में, जहां ध्वनि स्तर 140 डेसीबेल या उससे अधिक है, न प्रवेश करेगा या न उसे प्रवेश करने दिया जाएगा।

(4) मुख्य निरीक्षक राजपत्र में समय-समय पर अधिसूचना द्वारा किसी खान में किसी क्षेत्र में या किसी स्थान पर अनुज्ञेय शोर अवस्थिति विनिर्दिष्ट कर सकेगा।

93. संचार :—(1) ऐसे संस्थापनों, जहां आदमी काम करते हैं, प्रबन्धक के कार्यालय और कार्य के अन्य स्थानों के बीच संचार के प्रभावशाली साधनों की व्यवस्था की जाएगी और उनको ठीक चालू हालत में बनाए रखा जाएगा। जहां जहां संभव हो, वहां यह व्यवस्था रेडियो, टेलीफोन द्वारा की जाएगी और संकेत देने की अनुकूलनी साधनों की भी व्यवस्था की जाएगी।

(2) खान में संस्थापित संचार और संकेत देने की प्रणाली के संबंध में भारतीय विद्युत नियम, 1956 के उपबन्धों का अनुपालन किया जाएगा।

94. सुरक्षा पेटियों और सुरक्षा रस्सी :—जहां किसी व्यक्ति को अन्य साधनों द्वारा उंचाई से गिरने से संरक्षित नहीं किया जा सकता है वहां स्वामी, अधिकर्ता या प्रबन्धक परिसंकटमय अवस्थिति के लिए उपयुक्त, अनुमोदित सुरक्षा पेटियों की व्यवस्था करेगा जो स्थिर लंगर से सुरक्षा रस्सी

द्वारा बंधी होगी और इस प्रकार समायोजित की गई होगी जिसमें कि गिरने की दशा में 1.8 मीटर से अधिक नीचे न गिरे।

95. विषैली धूलों, गैसों और आयनकारी विकिरण के लिए पूर्ववधानियां :—(1) विषैली धूल, गैसों, धूमों और आयनकारी विकिरण के उत्सर्जन को जहां तक युक्तियुक्त रूप से साध्य हो, स्रोत पर रोका जाएगा या नियंत्रित किया जाएगा।

(2) ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को, जो विषैली धूल, गैसों, धूमों और आयनकारी विकिरण से प्रभावित हो सकता है, इस प्रयोजन के लिए नियुक्त किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा सुरक्षा कार्यकरण पद्धति और तकनीक के बारे में अनुदेश दिए जाएंगे।

(3) मुख्य निरीक्षक राजपत्र में समय-समय पर अधिसूचना द्वारा विषैली धूल, गैसों, धूमों और आयनकारी विकिरण से प्रभावित की अनुज्ञेय सीमाएं विनिर्दिष्ट कर सकेगा।

96. सुरक्षा चेतावनी संकेत :—(1) मंचय क्षेत्रों में और विषैली संक्षारक, ज्वलनशील, विषाक्त और रेडियो ऐक्टिव सामग्री के आधानों पर उचित रूप से लेबल लगाए जाएंगे और अंतर्वस्तु के अनुसार उपयुक्त रूप से उन्हें संचित किया जाएगा।

(2) असामान्य परिसंकटमय अवस्थितियों को सूचित करने के लिए चेतावनी संकेत चिपकाए जाएंगे।

(3) ऐसे क्षेत्रों में, जहां वैयक्तिक संरक्षा उपस्कर के उपयोग की अपेक्षा है, चेतावनी संकेत चिपकाए जाएंगे।

(4) आपात उपस्कर का पता चलाने के लिए पहचान संकेत सहजदृश्य रूप से चिपकाए जाएंगे।

(5) उच्च दाब पर वाष्प या तरल पदार्थों को न जाने वाली पाइपलाइनों को सहजदृश्य रूप से परिलक्षित किया जाएगा।

97. पर्यावरण के प्रदूषण से संरक्षण :—(1) किसी उसकी पूर्ति, परीक्षण और मरम्मत के दौरान, निम्नलिखित कोई तेल उपयुक्त रूप से निर्मित और पर्याप्त रूप से बाढ़ायुक्त व्ययन गतों में डकड़ा किया जाएगा।

(2) किसी व्ययन गर्त का निर्माण, किसी रेल, लोकमार्ग या किसी लोक निर्माण या किसी ऐसी स्थायी संरचना के जो स्वामी की नहीं है, 45 मीटर के भीतर किया जाएगा।

(3) किसी कूप, टंकी या अन्य उत्पादन संस्थापन में शैल समूह जल, तेल, बेधन तरल, अपशिष्ट, रासायनिक पदार्थ या कचरे से,

(क) लोक स्वास्थ्य और सुरक्षा को खतरा पैदा करने,

(ख) किसी स्वच्छ जल संरचना या जल राशि में चले जाने या दूषित करने या ऐसे स्थान पर रहने जिससे कोई स्वच्छ जल या जलराशि दूषित हो जाए, और

(ग) किसी भूमि, राजमार्ग या लोक मार्ग पर बिखरने या उन्हें नुकसान पहुंचाने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(4) (क) किसी संस्थापन में उत्पादित गैस का वायु-मंडल में निस्सारण की तब तक अनुज्ञा नहीं दी जाएगी जब तक ऐसे उपविनियम (ख) के अनुसार या प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा अनुमोदित अन्यथा किसी रीति से जलाया न जाय।

(ख) उपविनियम (ख) में निर्दिष्ट जलाए जाने वाली गैस या ज्वाला लाइन से निम्नलिखित रीति से निस्सारण किया जाएगा —

(1) ज्वाला लाइन कम से कम 9 मीटर के उर्ध्वाकार उठाव पर या ऐसी अति ऊंचाई पर जैसी कि प्रादेशिक निरीक्षक लिखित आदेश द्वारा अपेक्षा करे, समाप्त होगी;

(2) ज्वाला लाइन को पर्याप्त रूप से जकड़ा जायेगा और ज्वाला के बुझने को रोकने के लिए उपयुक्त साधन की व्यवस्था की जाएगी; और

(3) जब गैस प्रवाह आन्तराधिक है जब ज्वाला लाइन में किन्हीं गैसों के सतत ज्वलन को सुनिश्चित करने के लिए सुदूर नियंत्रित विद्युत ज्वलन युक्ति की व्यवस्था की जाएगी।

98. बाड़:—(1) किसी कूप पर व्यवस्थित क्रिसमस ट्री को बुढ़ता से आबद्ध प्रवेश द्वारों से घेर कर रखा जाएगा।

(2) प्रत्येक ज्वाला चिमनी पर प्रभावशाली बाड़ या रोध की व्यवस्था की जाएगी।

(3) प्रत्येक उत्पादन संस्थापन और संग्रह टंकी के आसपास संरक्षित क्षेत्र में कम से कम 1.8 मीटर ऊंची दीवार या बाड़ की व्यवस्था की जाएगी।

(4) (क) किसी ऐसे स्थान में जिसमें सम्यक रूप से बाड़ लगाया गया है किसी अप्राधिकृत व्यक्ति का आना रोकने के लिए पूर्वावधानियां बरती जाएंगी।

(ख) प्रत्येक बाड़ की किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा प्रति सात दिन में कम से कम एक बार परीक्षा की जाएगी। ऐसे प्रत्येक निरीक्षण की रिपोर्ट इस प्रयोजन के लिए रखी गई जिल्दबद्ध पृष्ठांकित पुस्तक में अभिलिखित की जाएगी और उस व्यक्ति द्वारा जिसने परीक्षा की थी, उस पर तारीख के साथ हस्ताक्षर करेगा।

(5) यदि इन विनियमों के अधीन व्यवस्था किए गए बाड़े, रक्षा साधन, रोध या फाटक के बारे में कोई शंका उत्पन्न होती है कि क्या वे पर्याप्त समुचित या सुरक्षित हैं, तो यह विनिश्चय के लिए मुख्य निरीक्षक को निर्दिष्ट किया जाएगा जिसका उस पर विनिश्चय अंतिम होगा।

अध्याय 10-प्रकीर्ण

99. साधारण सुरक्षा :—कोई भी व्यक्ति उपेक्षापूर्वक या जान बूझकर ऐसी कोई बात नहीं करेगा जिसे खान में जीवन या अंग के खतरे में पड़ने की संभावना हो या उपेक्षापूर्वक या जानबूझकर कोई ऐसी बात करने का लोप नहीं करेगा

जो खान या उसमें नियोजित व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हों।

100. सुरक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा तथा अनुदेश : कर्म-कार्यों को सुरक्षा के प्रति सजग करने के लिए और प्रत्येक स्तर पर व्यावसायिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य की जानकारी के लिए प्रत्येक खान में सुरक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा तथा अनुदेश के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

101. दुर्घटना स्थल का अस्तव्यस्त न किया जाना :—जब किसी खान में किसी दुर्घटना से तीन या अधिक व्यक्तियों को गंभीर शारीरिक क्षति या कोई जीवन हानि होती है तब किसी निरीक्षक के आने से पूर्व या उसकी सहमति के बिना घटनास्थल अस्तव्यस्त या इसमें परिवर्तन तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसी अस्तव्यस्तता या परिवर्तन और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए या शवों को हटाने के लिए या व्यक्तियों को खतरे से बचाने के लिए आवश्यक न हो या जब तक उस स्थान पर काम बन्द कर देने से खान के कार्य-करण में गंभीर रूप से अड़चन पड़ती हो;

परन्तु यदि निरीक्षक दुर्घटना के समय से 72 घंटे के भीतर निरीक्षण करने में असफल रहता है तो दुर्घटना स्थल पर कार्य फिर से प्रारंभ किया जा सकेगा।

102. सतह का प्रत्यावर्तन :—जहां सतह स्वामी का नहीं है वहां किसी कूप, परीक्षण छिद्र या उत्पादन संस्थापन के पूरा होने या अंतिम परित्याग किए जाने पर या तेल या गैस की खोज करने, विकास करने या उत्पादित करने के प्रयोजन के लिए संस्थापित किसी अन्य सुविधा के परित्याग किए जाने पर और जैसे ही मौसम तथा भूमि से संबंधित परिस्थितियां अनुज्ञात करें :—

(क) क्षेत्र से सारी कचरा सामग्री साफ कर दी जाएगी;

(ख) अपशिष्ट तेल जला दिया जाएगा या हटा दिया जाएगा;

(ग) उत्खनन जलोत्पारित किए और भर दिए जाएंगे;

(घ) कंक्रीट आधार, मशीनरी और सामग्री को जिनका उत्पादन के लिए उपयोग नहीं किया जा रहा है हटा दिया जाएगा; और

(ङ) सतह को समतल कर दिया जाएगा और स्थल को जहां तक हो सके उमी स्थिति में लाया जाएगा जिस स्थिति में वह संक्रियाओं के प्रारम्भ होने से पूर्व थी।

103. निरीक्षणों के दौरान उल्लंघनों के बारे में बताया जाना—(1) यदि किसी खान के निरीक्षण के दौरान मुख्य निरीक्षक या निरीक्षक अधिनियम, विनियमों, नियमों, उप-विधियों या उनके अधीन किए गए आदेशों के किसी भी उपबन्ध का कोई उल्लंघन पाए या उसकी जानकारी में आए तो, वह ऐसे उल्लंघन को खान में इस प्रयोजन के लिए रखे गए अन्तःपक्षित, पृष्ठांकित और

जिल्दबद्ध रजिस्टर में प्ररूप 6 में दर्ज करेगा और ऐसे उल्लंघन के बारे में स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक को भी, यदि वह उस स्थल पर उपस्थित हो, बताया जाएगा। पूर्वोक्त रजिस्टर में दर्ज करने वाले मुख्य निरीक्षक या निरीक्षक ऐसी प्रविष्टियों पर तारीख के साथ हस्ताक्षर करेगा और अपने अभिलेख के लिए प्रविष्टियों की कार्यन प्रतिलिपि ले लेगा।

परन्तु मुख्य निरीक्षक या निरीक्षक को ऐसे उल्लंघन दर्ज करने की आवश्यकता नहीं है जिनके बारे में सर्वेक्षण या अन्य अतिरिक्त परीक्षा के पश्चात् पुष्टि की अपेक्षा है और वह बाद में उल्लंघनों के बारे में, यदि उनकी पुष्टि हो गई है और किन्हीं ऐसे अन्य उल्लंघनों के बारे में भी जो अभावधानता से किए गए थे तथा पूर्वोक्त रजिस्टर में दर्ज नहीं किए गए थे, विनिर्दिष्ट करने हुए, स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक को सूचित कर सकेगा।

(2) स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक पूर्वोक्त रजिस्टर की जांच पड़ताल करेगा और उसमें की गई प्रत्येक प्रविष्टि पर प्रतिहस्ताक्षर करेगा। वह दर्ज करने की तारीख से तीन दिन के भीतर की गई ऐसी प्रविष्टियों की प्रतियां प्राप्त करेगा और उसकी एक प्रति कम से कम पन्द्रह दिन की अवधि तक सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा। जब ऐसा अपेक्षित हो जब, स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक, प्रविष्टियों की प्रतियां खान के कर्मचारियों के रजिस्ट्रीकृत व्यवसाय संघों को और संबंधित राज्य सरकार को भी देगा।

(3) खान का स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक, एक प्रति, उस पर टिप्पणियां देकर और उल्लंघन करने के बारे में उपाय करने के लिए की गई कार्रवाई और वह तारीख जिसको ऐसी ऐसी कार्रवाई की गई थी, दिखाते हुए, दर्ज करने की तारीख से पन्द्रह दिन से अनधिक अवधि के भीतर उस मुख्य निरीक्षक या निरीक्षक को लौटा देगा जिसने दर्ज की थी।

104. विवरणियां, सूचनाओं और पत्राचार पर हस्ताक्षर: अधिनियम और विनियमों के या उनके अधीन किए गए आदेशों के उपबन्धों के अधीन अपेक्षित सभी विवरणियों और सूचनाओं पर या उनके संबंध में किए गए पत्राचार पर खान के स्वामी, अभिकर्ता या प्रबन्धक द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे:

परन्तु स्वामी, मुख्तारनाम द्वारा या कृत्य किसी अन्य विनिर्दिष्ट व्यक्ति को प्रत्यायोजित कर सकेगा।

परन्तु यह और कि दुर्घटना की सूचना की बाबत प्रबन्धक यह कृत्य किसी संस्थापन प्रबन्धक को प्रत्यायोजित कर सकेगा।

105. मुख्य निरीक्षक का प्रादेशिक निरीक्षक की शक्तियों का प्रयोग करना: इन विनियमों के अधीन प्रादेशिक निरीक्षक को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग मुख्य निरीक्षक द्वारा या मुख्य निरीक्षक द्वारा इस निमित्त लिखित रूप में प्राधिकृत किसी अन्य निरीक्षक द्वारा किया जा सकेगा।

106. मुख्य निरीक्षकों को अपीलें:—प्रादेशिक निरीक्षक द्वारा इन विनियमों में से किसी के अधीन किए गए किसी आदेश के विरुद्ध अपील मुख्य निरीक्षक को होगी जो आदेश को पुष्ट, उपांतरित या रद्द कर सकेगा। ऐसी प्रत्येक अपील अपीलार्थी द्वारा आदेश प्राप्त करने के 15 दिन के भीतर की जाएगी।

107. खनन बोर्डों या केन्द्रीय सरकार को अपीलें:—

(1) मुख्य निरीक्षक के किसी आदेश के विरुद्ध अपील, अपीलार्थी द्वारा आदेश के प्राप्त करने के 20 दिन के भीतर अधिनियम की धारा 12 के अधीन गठित खनन बोर्ड को या क्षेत्र के लिए जिसमें खान या उसका कोई भाग स्थित है कोई खनन बोर्ड गठित नहीं किया गया है तो केन्द्रीय सरकार को होगी।

(2) मुख्य निरीक्षक के प्रत्येक आदेश का, जिसके विरुद्ध उप विनियम (1) के अधीन अपील की जाती है, यथास्थिति, खनन बोर्ड के या केन्द्रीय सरकार के विनिश्चय के खान में प्राप्त होने तक, अनुपालन किया जाएगा।

परन्तु यथास्थिति, खनन बोर्ड या केन्द्रीय सरकार अपीलार्थी के आवेदन पर उस आदेश का, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, प्रवर्तन अपील के निपटारा के लंबित रहने तक निलंबित कर सकेगी।

108. निरसन और व्यावृत्ति—तेल खान विनियम, 1983 को इसके द्वारा निरसित किया जाता है:

परन्तु उक्त विनियमों में से किसी के अधीन किए गए ऐसे सभी कार्य जारी किए गए ऐसे सभी आदेश जहां तक वे इन विनियमों से असंगत नहीं हैं, इन विनियमों के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन किए गए या जारी किए गए समझे जाएंगे।

पहली अनुसूची

प्ररूप-1

(विनियम 3 और 6 देखें)

विवृत करने, बन्द करने या नाम में परिवर्तन करने की सूचना

प्रेषक.....
.....
.....

सेवा में,

1. मुख्य खान निरीक्षक, धनबाद-826001

2. प्रादेशिक खान निरीक्षक

3.

4.

महोदय,

मुझे (स्वामी) की खान के संवंध में (1) (नाम)

..... पर स्थित के बारे में निम्नलिखित विशिष्टियां देनी है।

* 1. खान के नाम में परिवर्तन करने की दशा में :

खान का पुराना नाम परिवर्तन करने की तारीख

2. (1) खान का स्थान :

ग्राम

पुलिस थाना

जिला

राज्य

* (2) किसी नई खान की दशा में, खान के स्थान की विशिष्टियां

डाकघर

तारघर

रेल स्टेशन

वर्तमान

पूर्वतन *

3. (1) निम्नलिखित के नाम और डाक पते (2)

(क) स्वामी

(ख) अभिकर्ता यदि कोई हो

(ग) प्रबन्धक

* (2) परिवर्तन की दशा में, परिवर्तन की तारीख

* 4. (1) प्रबन्धक/संस्थापन प्रबन्धक, जिसकी नियुक्ति समाप्त की गई है/जिसे नियुक्ति किया गया है, का नाम (3)

.....

(2) नियुक्ति/नियुक्ति की समाप्ति की तारीख (3)

* 5. वह तारीख जिसका उक्त खान को विवृत करने/फिर से विवृत करने/परित्यक्त करने/काम बन्द करने का आशय हो (3)

.....

* 6. खान के विवृत करने/फिर से विवृत करने/परित्यक्त करने/काम बन्द करने की वास्तविक तारीख (3)

भवदीय,

हस्ताक्षर

पदाभिधान स्वामी/अभिकर्ता/प्रबन्धक

तारीख

अनुदेश

केवल ऐसे स्तंभों को भरें जिनकी बाबत सूचना दी गई है—

- (1) उस मामले का उल्लेख करें जिसका सूचना से संबंध है।
- (2) यदि सूचना का संबंध मद 4 से है तो भरने की आवश्यकता नहीं है।
- (3) जो लागू न होता हो उसे काट दें।

पहली अनुसूची

प्ररूप-2

(विनियम 4 देखें)

तारीख को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए तैयार विवरणी :-

1. खान का नाम
खान का डाक पता
2. खान का स्थान
स्थान
जिला से
राज्य
3. स्वामी का नाम
स्वामी का डाक पता
4. अभिकर्ता का नाम, यदि कोई हो
अभिकर्ता का डाक पता
5. प्रबन्धक का नाम
प्रबन्धक का डाक पता

सम्यक रूप से भरी गई सारणी क से ग तक संलग्न है।

प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर और सारणी क से ग में दी गई सूचना, मेरी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सही है।

.....

हस्ताक्षर

पदाभिधान : स्वामी/अभिकर्ता/प्रबन्धक

तारीख

सारणी-क-उत्पादन*

तेल/गैस उत्पादन की किस्म	तेल/गैस का उत्पादन	उत्पादित तेल/गैस का मूल्य**	प्रेषण		घरेलू उपभोग	बन्द स्टॉक
			परिष्करी में	बाजार में		
1	2	3	4क	4ख	4ग	5

हस्ताक्षर

पदाभिधान : स्वामी/अभिकर्ता/प्रबन्धक

तारीख

अनुदेश

*अंक किलोमीटर/क्यूबिक मीटर में उल्लिखित किए जाने चाहिए।

**मुख्य की संगणना खान में वास्तविक या प्राक्कलित विश्रय कीमत पर की जानी चाहिए।

खान संपत्ति से बाहर रेल के परिवहन में उपगत हुआ कोई प्रभार सम्मिलित नहीं किये जाना चाहिए। स्वामित्व अंक स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

स. रणी ख श्रमिक दिनों की संख्या आदि

..... तिमाही के दौरान किसी एक दिन तारीख

को नियोजित व्यक्तियों की अधिकतम संख्या दें।

..... तिमाही के दौरान काम के दिनों की संख्या (क)

वर्गीकरण	उम श्रमिक दिनों की संकलित संख्या जिनमें काम किया गया।		अनुपस्थिति के कारण नष्ट हुए श्रमिक दिनों की संकलित संख्या		
	ख	ग	घ	ड.	
	पुरुष	स्त्री	बीमारी दुर्घटना छुट्टी	अन्य कारण	कुल योग

(क) लिपिकीय और पर्यवेक्षी
कर्मचारी बृन्द

(च)

(i) पर्यवेक्षी

(ii) लिपिक

(ख) निम्नलिखित काम पर नियोजित अन्य कर्मकार

(i) बेघन

(ii) उत्पादन

(iii) कर्मशाला आदि

(iv) प्रकीर्ण

कुल योग

यदि उपस्थिति या अनुपस्थिति में कोई विशिष्ट कमी या वृद्धि हुई है तो उसके कारणों का उल्लेख करें।

हस्ताक्षर

पदाभिधान: स्वामी/अधिकारी/प्रबंधक

तारीख

अनुदेश

(क) सप्ताह का दिन तथा तारीख और भास लिखिए।

(ख) इस जानकारी के अंतर्गत के सभी व्यक्ति आ जाने चाहिए जो खान में खान अधिनियम, 1952 की धारा 2 (1) (ज) में यथापरिभाषित रूप में 'नियोजित' है और उनके अंतर्गत लिपिकीय तथा अधीनस्थ पर्यवेक्षी कर्मचारिवृन्द भी है।

(ग) उन श्रमिक दिनों की जिनमें काम किया गया है, कुल संख्या संपूर्ण तिमाही की दैनिक उपस्थिति को जोड़कर, निकाली जानी चाहिए।

(घ) अनुपस्थिति के कारण नष्ट हुए श्रमिक दिनों की कुल संख्या, संपूर्ण तिमाही की दैनिक अनुपस्थिति को जोड़कर निकाली जानी चाहिए।

(ड.) अनुपस्थितियों के अंतर्गत वे सभी मामले आ जाने चाहिए, जिनमें व्यक्ति को काम पर आना है या “काम पर उमक आने की आशा हो, किन्तु आता न हो। सभी स्थायी कर्मचारियों के बारे में यह समझा जाएगा कि उन्हें, काम पर आना है।” जहाँ तक अस्थायी या आकस्मिक कर्मचारियों का संबंध है, उस व्यक्ति के बारे में जो पूर्ववर्ती सप्ताह के दौरान काम पर आया हों, तब तक उसे विचाराधीन सप्ताह के दौरान यह समझा जाना चाहिए कि उसे काम पर आना है जब तक कि :-

- (i) उसने काम छोड़ने के अपने आशय की रिपोर्ट न कर दी हो, या
- (ii) उसकी सेवाओं को प्रबंध ने समाप्त न कर दिया हो; या
- (iii) संपूर्ण सप्ताह के दौरान वह काम पर न आया हो।

ऐसे किसी व्यक्ति के बारे में जिसने पूर्ववर्ती सप्ताह के दौरान काम न किया हो केवल उसी दिन से यह समझा जाएगा कि उसे “काम पर आना है” जिस दिन वह विचाराधीन सप्ताह के दौरान काम पर आता है। हड़ताल, तालाबंदी, काम बंदी या प्रसूति छुट्टी के कारण से हुई अनुपस्थिति को अनुपस्थिति के रूप में यहाँ सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए।

(च) पर्यवेक्षी कर्मचारिवृन्द में ज्येष्ठ अधिकारी जैसे अभिकर्ता, प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, कल्याण अधिकारी, आदि सम्मिलित

नहीं हैं किन्तु केवल अधीनस्थ पर्यवेक्षी कर्मचारिवृन्द सम्मिलित है, मारणी ग--काम के घंटे और उपार्जन। तिमाही के अंतिम मास के दौरान काम के एक पूरे सप्ताह की गारंटी जानकारी दी जानी चाहिए (क)

1. उपस्थितियाँ, श्रमिक घंटे, जिनमें काम किया गया और नकद उपार्जन :

वर्गीकरण	सप्ताह के दौरान औसत दैनिक उपस्थिति		सप्ताह के दौरान श्रमिक घंटों जिनमें काम किया गया है, की औसत संख्या		सप्ताह के दौरान किए गए काम के लिए कुल नकद सहाय	
	(ख)		(ग)		(ड)	
	पुं स्त्री	पुं स्त्री	पुं स्त्री	पुं स्त्री	पुं स्त्री	पुं स्त्री

(क) लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्म-
चारिवृन्द (क)

(i) पर्यवेक्षक

(ii) लिपिक

(ख) निम्नलिखित पर नियोजित
अन्य कर्मकार

(i) बेतन

(ii) उत्पादन

(iii) कर्मशाखाएं आदि

(iv) प्रकीर्ण

2. सप्ताह के दौरान वस्तु (छ) के रूप में दी गई रियायतों की कुल प्राक्कलित मूल्य रु०

3. कार्यकरण पारियों के सामान्य घंटे :

से	तक
पहली पारी	
दूसरी पारी	
तीसरी पारी	

4. सप्ताह में कार्य दिवसों की संख्या :--

यदि मजदूरी या काम के घंटों में पूर्ववर्ती तिमाही की तुलना में कोई बड़ा परिवर्तन हुआ हो तो कृपया उस परिवर्तन के कारण का यहाँ उल्लेख करें।

हस्ताक्षर
पदाभिधान/स्वामी/अभिकर्ता/प्रबंधक
तारीख

अनुदेश

- (क) इस जानकारी के अंतर्गत वे सभी व्यक्ति आ जाने चाहिए जो सारणी ख के अनुसार नियोजित हैं। मासिक रूप में वेतन पाने वाले कर्मचारिवृन्द को दिए जाने वाले संदायों आदि से संबंधित विनिष्टयां आनुपातिक आधार पर सम्मिलित की जानी चाहिए।
- (ख) औसत दैनिक उपस्थिति सप्ताह के दौरान सभी दिनों की सभी पारियों में उपस्थितियों की कुल संख्या कार्य दिवसों की संख्या से भाग देकर निकाली जानी चाहिए। जिस दिन खान में काम नहीं किया गया हो उस दिन को, चाहे किसी भी कारण से हुआ हो, कार्य दिवस नहीं समझा जाना चाहिए।
- (ग) सप्ताह के दौरान जितने श्रमिक घंटों तक काम किया गया हो उनकी कुल संख्या पूरे सप्ताह के लिए उतने श्रमिक घंटों का जोड़कर निकाली जानी चाहिए। जितने श्रमिक घंटों तक प्रतिदिन काम किया गया हो। किसी दिन जितने श्रमिक घंटों तक काम किया गया हो उनकी संख्या उतने घंटों को जोड़कर निवाली जाएगी जितने घंटों तक प्रत्येक व्यक्ति ने दिन के दौरान प्रत्येक पारी में काम करते हुए, अतिकालिक, काम यदि कोई हो, सहित काम किया हो।
- (घ) कुल नकद संदायों के अंतर्गत जुमनि, भविष्य निधि, अभिदायों आदि के लिए कटौतियां, यदि कोई हों, करने से पहले (और संवत्) सभी पारिश्रमिक संदेय सप्ताह के दौरान किए गए काम के लिए सम्मिलित हैं। किसी भविष्य निधि में या कल्याण संबंधी व्यवस्था मध्ये किए गए नियोजकों के अभिदाय इसमें सम्मिलित नहीं किए जाने चाहिए। ऐसे बोनसों को भी जो प्रत्येक वेतन अवधि के लिए संदेय न हो सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए।
- (ङ.) अतिकालिक संदाय सम्मिलित है।
- (च) पर्यवेक्षी कर्मचारिवृन्द के अंतर्गत ज्येष्ठ अधिकारी जैसे अभिकर्ता, प्रबंधक, सहायक प्रबंधक आदि सम्मिलित नहीं हैं किन्तु इसके अंतर्गत केवल अधीनस्थ पर्यवेक्षी कर्मचारिवृन्द सम्मिलित है।
- (छ) वस्तु के रूप में दो गई रियायतों को, जैसे मुफ्त या सहायता प्राप्त कीमतों पर खाद्य पदार्थ, ईंधन, विद्युत, जल आदि का प्रदाय खाद्य, पदार्थ आदि की लागत कीमत पर धन के रूप में मूल्य और रियायती कीमत पर बिक्रय द्वारा प्राप्त मूल्य के बीच के अंतर के रूप में प्रकलित किया जाना चाहिए।

पहली अनुसूची

प्रारूप- 3

(वितियम 5 देखें)

31 दिसम्बर 19 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी :-

1. खान का नाम
2. खान का डाक पता
3. विवृत्त करने की तारीख
4. बन्द करने की तारीख
(यदि बन्द कर दी गई है)
5. खान का स्थान : जिला
राज्य
6. स्वामी का नाम
स्वामी का डाक पता

7. खान अधिनियम, 1952 की धारा 2 (1) (ग) में यथापरिभाषित अभिकर्ता का (यदि कोई हो) नाम
अभिकर्ता का डाक पता
8. प्रबंधक का नाम
- 8क. प्रबंधक का डाक पता
9. अन्य वरिष्ठ पर्यवेक्षी कर्मचारिवृन्द जो वर्ष के अंत में नियोजित हैं (कृपया नियोजित व्यक्तियों के पदाभिधान और संख्या लिखें)
.....
.....
.....
10. (क) क्या मशीनरी का उपयोग होता है
- (ख) उपयोग की जाने वाली शक्ति की प्रकृति, यदि कोई हो
उदाहरणार्थ विद्युत, वाष्प, संपीड़ित वायु), आदि सम्यक रूप से भरी हुई सारणीया
(क) से (च) तक संलग्न है।
- प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर और सारणी क से ड. तक में दी गई जानकारी मेरी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सही है।

हस्ताक्षर

पदाभिधान :स्वामी/अभिकर्ता/प्रबंधक

तारीख

सारणीक नियोजन

..... वर्ष के दौरान, किसी एक दिन तारीख को नियोजित व्यक्तियों की अधिकतम संख्या

वर्गीकरण	वर्ष के दौरान श्रमिक दिनों की जिनमे काम किया गया है, संख्या (ख)		वर्ष के दौरान काम किए गए दिनों की संख्या		नियोजित व्यक्तियों की औसत दैनिक संख्या (ग)		वर्ष के लिए कुल मजदूरी या वेतन बिल (घ)		
	प्रत्यक्ष श्रमिक संविदा श्रमिक योग				पुरुष	• स्त्री	कुमार	योग	
1	2क	2ख	2ग	3	4क	4ख	4ग	4घ	
(क) लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्मचारिवृन्द (इ.)									
	(1) पर्यवेक्षक								
	(2) लिपिक								
1	2क	2ख	2ग	3	4क	4ख	4ग	4घ	5

(क) लिपिकीय और पर्यवेक्षी कर्मचारिवृन्द (ड.)

(1) पर्यवेक्षक

(2) लिपिक

	1	2क	2ख	2ग	3	4क	4ख	4ग	4घ	5
--	---	----	----	----	---	----	----	----	----	---

(क) निम्नलिखित

पर नियोजित अन्य

कर्मकार

(1) वेधन

(2) उत्पादन

(3) कर्मशालाएं, आदि

(4) प्रकीर्ण

कुल योग

हस्ताक्षर
 पदाभिधान : स्वामी/अभिकर्ता/प्रबंधक
 तारीख

अनुदेश

- (क) सप्ताह का दिन और तारीख तथा मास लिखाए।
 (ख) पूरे वर्ष की दैनिक उपस्थिति जोड़ कर निकाली गई।
 (ग) जितने श्रमिक दिनों तक काम किया गया है उसकी संख्या को कार्य दिवसों की संख्या से भाग दे कर निकाली गई 1^{स्तंभ} (4ख) में दर्शित या उस भागफल के बराबर होना चाहिए जो स्तंभ (2ग) में दर्शित योग के स्तंभ (3) में दर्शित कार्य दिवसों की संख्या से भाग देकर निकाला गया हो।
 (घ) इसके अंतर्गत बोनस सहित सभी नकद संदाय सम्मिलित है किन्हीं भविष्य निधियों कल्याण क्रियाकलापों आदि में नियोजकों के अभिदाय और वस्तु रूप में रियायते सम्मिलित नहीं की जानी चाहिए।
 (ङ) पर्यवेक्षी कर्मचारिवृन्द के अंतर्गत ज्येष्ठ अधिकारी जैसे अभिकर्ता, प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, कल्याण अधिकारी आदि नहीं है किन्तु इसके अंतर्गत केवल अधीनस्थ पर्यवेक्षी कर्मचारिवृन्द सम्मिलित है।
 सारणी : ख-विद्युत साधित्र का प्रकार और संकलित अश्व शक्ति

1. उत्पादित क्रय की गई या अन्यथा प्राप्त की गई विद्युत (किलोवाट घंटों में)

उत्पादित

क्रय या प्राप्त की गई

- (क) अपने उपयोग के लिए
 (ख) विक्रय के लिए
 2. प्रदाय की पद्धति (दिष्ट धारा या प्रत्यावर्ती धारा)
 (1) प्रदाय की बोल्टता
 (2) नियतकालिकता
 (3) प्रदाय का स्रोत
 3. निम्नलिखित के लिए धारा का किस बोल्टता पर उपयोग किया जाता है।
 (1) प्रकाश
 (2) शक्ति
 4. केबिलों की लम्बाई (मीटरों में)
 (1) उच्च दाब
 (2) मध्यम दाब
 5. मोटरों की कुल संख्या और संकलित अश्व शक्ति

उपयोग में

रिजर्व में

यूनिटों की संख्या कुल अश्व शक्ति यूनिटों की संख्या

कुल अश्व शक्ति

- (1) कर्षण संकर्ण
 (2) उत्पादन

- (3) पम्प
- (4) उत्कर्षण
- (5) मुबाहय मशीन
- (6) कर्मशाला जिसके अंतर्गत संघानी भट्टी आदि हैं
- (7) प्रकीर्ण (विनिर्दिष्ट करें)
- कुल

हस्ताक्षर

पदाभिधान : स्वामी/अधिकर्ता/प्रबंधक

तारीख

मारणी ग—विद्युत् साधन से भिन्न मशीनरी और उपस्कर के प्रकार और
संकलित अश्व शक्ति

	उपयोग में		रिजर्व में	
	यूनिटों की संख्या	कुल अश्व शक्ति	यूनिटों की संख्या	कुल अश्व शक्ति
1. शक्ति उत्पादन				
(क) बायलर				
(ख) वाष्प टरबाइन				
(ग) डीजल इंजन				
(घ) गैसोलिन, गैस या तेल इंजन जो डीजल इंजनों से भिन्न हो ।				
(ङ) वायु संपीड़क				

योग

2. मशीनरी				
(1) बेधन				
(2) उत्पादन				
(3) पम्प				
(4) उत्कर्षण				
(5) मुबाहय मशीन				
(6) कर्मशालाएं				
(7) प्रकीर्ण (विनिर्दिष्ट करें)				
.....				
.....				
.....				
योग				

हस्ताक्षर

पदाभिधान : स्वामी/अधिकर्ता/प्रबंधक

तारीख

सारणी—घ बेधन और अन्य रिग, तेल और गैस कूप तथा
पाइप लाइन

1. बेधन, बाक-ओवर और अन्य रिग

रिग का प्रकार	अभिनियोजित संस्था
---------------	-------------------

2. तेल, गैस और अन्य कूप

वर्गीकरण	संस्था
1. वैधित कूप	
2. परित्यक्त कूप	
3. संपूरित तेल कूप	
4. संपूरित गैस कूप	
5. गैस उत्पादन करने वाले कूप	
6. तेल उत्पादन करने वाले कूप	

3. पाइपलाइन

वर्गीकरण	मीटर में लम्बाई	सेंटीमीटर में व्यास
1. कूप से संग्रहण केन्द्र तक डाली गई प्रवाह लाइन		
2. संग्रहण केन्द्र से केन्द्रीय संग्रह टंकियों तक डाली गई पाइपलाइन		
3. केन्द्रीय संग्रह टंकियों से परिष्करणी या प्राथमिक उपभोक्ता केन्द्रों तक डाली गई पाइपलाइन		

सारणी ड—उत्पादन

तेल गैस उत्पाद का प्रकार	1 जनवरी 19 को आरंभिक स्टाक	तेल गैस का उत्पादन	उत्पादित तेल गैस का मूल्य	प्रेषण	31 दिसम्बर को बंद स्टाक
				परिष्करणी बाजार में	थरलू उपभोग के लिए

हस्ताक्षर

पदाभिधान : स्वामी/अधिकर्ता/प्रबन्धक

तारीख

अनुदेश

(क) अंकों को किलो लीटर क्यूबिक मीटर में लिखा जाना चाहिए ।

(ख) मूल्य को खार में वास्तविक या प्राक्कलित विक्रय कीमत पर संगणित किया जाना चाहिए । खान-सम्पत्ति से बाहर तेल या गैस का परिवहन करने में उपगत प्रभारों को सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए । स्वाभित्व के अंकों का स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

प्ररूप-4-क

(विनियम 7 देखें)

दुर्घटना/घटना की सूचना

प्रेषक

.....

.....

सेवा में,

1. मुख्य खान निरीक्षक धनबाद-826001
2. प्रादेशिक खान निरीक्षक प्रदेश
3. जिला मजिस्ट्रेट जिला कलकटर
4. खान का विधुत् निरीक्षक (केवल विधुत् दुर्घटना की दशा में), धनबाद-826001

महोदय,

मुझे निम्नलिखित प्रशिष्टियां उस प्राणांतक दुर्घटना/दुर्घटनाओं, गम्भीर दुर्घटना/दुर्घटनाओं खतरनाक घटना के बारे में देनी है (i)

जो (स्वामी)
की खान में घटित हुई है/है।

1. खान की विशिष्टियां :

खान का स्थान	स्वामी का नाम और डाक पता
ग्राम	
डाकघर	
पुलिस थाना	
जिला	
राज्य	

2. दुर्घटना/घटना की विशिष्टियां	खान में स्थान तथा अवस्थिति	व्यक्ति (व्यक्तियों की संख्या)
		मारे गए गम्भीर रूप से क्षत

दुर्घटना/घटना का वर्गीकरण	उसका कारण और वर्णन
---------------------------	--------------------

3. क्षतियों आदि की विनिर्दिष्टियां

व्यक्ति (व्यक्तियों) का नाम (iii)	नियोजन की प्रकृति	आयु पु०/खी०	क्षति की प्रकृति और यदि प्राणातक हो तो मृत्यु का कारण (iv)
मारे गए			
1.			
2.			
3.			
क्षत			
1.			
2.			
3.			

प्रत्येक मारे गए या क्षत व्यक्ति की बाबत प्ररूप 5 में दी गई विनिर्दिष्टियां संलग्न हैं। एक सप्ताह के भीतर भेजी जाएगी (i)

भवदीय

हस्ताक्षर
पदाभिधान : स्वामी/अभिकर्ता/प्रबन्धक
तारीख

अनुदेश

(i) जो लागू न होता हो उसे काट दे।

(ii) निम्नलिखित शीर्षों में से एक या दूसरे शीर्षों के अधीन अर्थात् :—

1. (क) ज्वलनशील गैस/द्रव का विस्फोट और ज्वलन

(ख) विफल बिस्फोटक

2. वेधन बर्क मोबलर रिग से

3. बिस्फोटक

4. (क) मशीनरी

(ख) पाइपों का फटना

5. गैसों से दम घुटना

6. आग लगना

7. बिद्युत्

8. प्रकीर्ण

(iii) स्पष्ट अक्षरों में

(iv) यदि आवश्यक हो तो अलग से कागज लगाए।

प्ररूप 4 ख

(विनियम 7 देखें)

मृतशित व्यक्ति की विनिष्टियां

(खान में हुई किसी दुर्घटना में मारे गए या क्षत हुए प्रत्येक व्यक्ति की बाबत विनिष्टियां अलग-अलग दी जाएं)

1. साधारण :

- (1) खान का नाम
- (2) स्वामी
- (3) जिला
- (4) राज्य

2. क्षत कर्मकार का नाम

3. दुर्घटना का समय :

- (1) तारीख (2) समय
- (3) पारी
- (4) खान में प्रतिदिन कितनी पारियों में काम किया जाता है
- (5) दुर्घटना के दिन कर्मकार ने किस समय काम शुरू किया

4. कर्मकार की उपजीविका और अनुभव :

- (1) दुर्घटना के समय वह जिस प्रकार का काम कर रहा था उसका उल्लेख करें
- (2) क्या वह उसकी नियमित उपजीविका थी ?
- (क) यदि हां तो इस बात का उल्लेख करें कि उपजीविका में उसका कितना अनुभव था :
आपकी खास में
- पूर्व अनुभव, यदि कोई हो
- (ख) यदि नहीं, तो इस बात का उल्लेख करें कि वह इस काम पर कितने समय से नियोजित था
- (3) खनन कार्य में कुल अनुभव लिखिए
- (4) खनन कार्य में अनुभव के ध्योरे दीजिए

5. दुर्घटना स्थल

6. क्षति की प्रकृति :—

- (1) यह लिखिए कि क्या अस्थिभंग, अंगोच्छेदन, विदारण हुआ है, खरोंब आया है, मोच आयी है, कुचलने से क्षति हुई है या कुछ और हुआ है (स्पष्ट रूप से ब्योरा दें)
- (2) शरीर का वह भाग जिसे क्षति हुई है (ठीक-ठीक बताया जाए)

क. निःशक्तता की कोटि :

- (1) यदि प्राणातक है तो मृत्यु की तारीख और समय
- (2) यदि स्थायी रूप से निःशक्तता हुई है तो निम्नलिखित के बारे में ठीक ठाक बताएं
- (क) शरीर का/के कोई भाग नष्ट हो गया है/गए हैं, यदि कोई हों,
- (ख) शरीर का/के कोई भाग बेकार हो गया है/गए है
- (ग) निःशक्तता पूर्ण था या आंशिक

(iii) यदि अस्थायी रूप से निःशक्तता हुई है तो कितने दिन तक बेकार रहना पड़ा.....

8. दुर्घटना का उत्तरदायित्व :

- (1) क्या किसी या किन्हीं सुरक्षा व्यवस्था/व्यवस्थाओं का उल्लंघन हुआ था ?
- (2) यदि हुआ था तो किसके द्वारा :
- (3) अपराधी के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई थी ?
- (4) क्या दुर्घटना से बचा जा सकता था ?
- (5) यदि हो तो किस प्रकार ?

हस्ताक्षर
पदाभिधान स्वामी/अभिकर्ता/प्रबन्धक

तारीख

प्रारूप 4 ग

(विनियम 7 देखें)

उम्र क्षत व्यक्ति की विशिष्टियां, जो काम पर वापस आ गया है।

(प्रत्येक व्यक्ति की वापस, उसके काम पर वापस आने के 15 दिन के भीतर विशिष्टियां अलग-अलग दी जाएं)

1. साधारण :

- (1) स्थान का नाम.....
- (2) स्वामी.....
- (3) जिला.....
- (4) राज्य.....

2. दुर्घटना की तारीख

3. क्षत कर्मकार का नाम

4. कार्य पर वापस आना :

- (1) काम पर वापस आने की तारीख
- (2) क्या नियमित काम पर वापस आया है या किसी अन्य काम पर
(स्पष्ट रूप से ब्यौरा दिया जाए)

5. प्रतिकर :

बदि कोई प्रतिकर दिया गया है या दिया जाना है तो उसकी रकम.....

हस्ताक्षर :.....

पदाभिधान : स्वामी/अभिकर्ता/प्रबन्धक

तारीख

पहली अनुसूची

प्ररूप 5

(विनियम 8 देखें)

धारा 25 के अधीन अधिसूचित रोग की सूचना

प्रेषक

सेवा में,

1. मुख्य खान निरीक्षक धनबाद-826001
2. प्रादेशिक खान निरीक्षक
3. जिला मजिस्ट्रेट जिला कलकट्टर
4.

महोदय,

मुझे (स्वामी) जी
 खान में नियोजित व्यक्ति को लग गए किसी उपजीविकाजन्य रोग के बारे में निम्नलिखित विनिष्टियां देनी हैं।

1. खान आदि की विनिष्टियां :

(1) खान का स्थान :

ग्राम

डाकघर

पुलिस थाना

जिला

राज्य

(2) स्वामी का नाम और डाक पता

2. इस रोग से प्रभावित व्यक्ति की विनिष्टियां

(1) नाम (स्पष्ट शब्दों में)

(2) स्थायी पता

ग्राम

पुलिस थाना

डाकघर

जिला

राज्य

(3) स्त्री/पुरुष

(4) जन्म की तारीख (या आयु)

(5) उपजीविका कितने समय से काम पर है ?

(6) नियोजन के प्रारम्भ की तारीख.....

(क) इस खान में

(ख) पेट्रोलियम उद्योग में

3. रोग आदि की विधिष्टियाः

(1) जिस रोग से पीड़ित है, उसकी प्रकृति.....

(यह लिखिए कि रोग किस चरण में है)

(2) रोग का पता चलने की तारीख.....

(3) जिस चिकित्सा व्यवसायी को रोग का संदेह हुआ है उसका नाम रजिस्ट्रीकरण संख्या और पता.....

हस्ताक्षर

पदाभिधान : स्वामी/अभिकर्ता/प्रबन्धक

तारीख

पहली अनुसूची

प्ररूप 6

(विनियम 103 देखें)

खान का नाम..... स्वामी.....
 प्रबन्धक..... संस्थापन प्रबन्धक.....
 संस्थापन का नाम.....
 19..... का..... के साथ.....
 द्वारा निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण किया गया स्थान	खान अधिनियम/सेल खान विनियम/खान नियम धारा/खंड संख्या	अवलोकित उल्लंघन प्रबन्ध द्वारा उल्लंघन के बारे में उपाय करने के लिए की गई कार्रवाई	उल्लंघन के परिशोधन की तारीख	टिप्पणियां
-------------------------	---	--	-----------------------------	------------

ऊपर उल्लिखित उल्लंघन व्यापक नहीं है। अवलोकित अन्य उल्लंघनों के व्योरे देते हुए एक पत्र सम्यक् अनुक्रम में जा सकता है।

निरीक्षण करने वाले
 अधिकारी के हस्ताक्षर
 नि० अ०
 तारीख :
 पदाभिधान :

नि० अ० के साथ खान पदधारी के हस्ताक्षर
 तारीख
 पदाभिधान :

हूसरी अनुसूची
(विनियम 70 देखें)

हाट बर्क परमिट के लिए प्ररूप

श्री और नीचे नामित उसके सह-कर्मचारी को
..... तेल खान को में
..... को से वजे तक इसमें इसके

(तारीख)

पश्चात् सूचीबद्ध काम/कामों के संबंध में वेल्डन/कर्टन का काम करने के लिए इस शर्त पर अनुज्ञात किया जाता है कि नीचे उल्लिखित सुरक्षा उपायों का दृढ़ता से अनुपालन किया जाएगा :

संक्षेप में काम की सूची और काम की प्रक्रिया :

सुरक्षा उपाय :

1. वेल्डन/कर्टन का काम विनियम 70(3) के उपबंधों का अनुपालन करने के पश्चात् ही आरंभ किया जाएगा ।

2. संक्रिया के दौरान, जोखिम वाले वातावरण की उपस्थिति के लिए परीक्षण, प्रत्येक घंटे के अंतराल पर विस्फोट मापक मीटर से किए जाएंगे । यदि किसी ऐसे परीक्षण के दौरान यह पाया जाता है कि वह क्षेत्र गैस-मुक्त नहीं है तो सभी वेल्डन/कर्टन के काम को तत्काल रोक दिया जाएगा और संक्रिया, उस क्षेत्र के गैस मुक्त होने तक आरंभ नहीं की जाएगी ।

3. विनियम 70(4) के उपबंधों का दृढ़ता से अनुपालन किया जाएगा ;

इन उपबंधों की एक प्रति संलग्न है ।

4. कोई अन्य उपबंध :

प्रबंधक/मंस्थान प्रबंधक के हस्ताक्षर

तारीख

सह-कर्मचारियों के नाम

वेल्डक के हस्ताक्षर

तारीख

[सं० एस०-66012/1/83-एम०-1]

एल० के० नारायणन, अवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(Department of Labour)

NOTIFICATION

New Dehi. the 26th May, 1984

G.S.R. 400(E).—The following draft of certain regulations which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 57 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952) is published as required by sub-section (1) of Section 59 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT

OIL MINES REGULATIONS, 1984

CHAPTER I—PRELIMINARY

1. Short title, extent and application.—(1) These regulations may be called the Oil Mines Regulations, 1984.

(2) They extend to the whole of India.

(3) They shall apply to every oil mine.

2. Definition.—In these regulations, unless the context otherwise requires,—

(1) "Act" means the Mines Act, 1952;

(2) "acidizing" means the treatment of oil-bearing formations by chemical reaction with acid in order to increase production;

(3) "annular space" means the space surrounding pipe suspended in the well. The outer wall of the annular space may be an open hole or it may be a string of larger pipe;

- (4) "approved" means approved by the Chief Inspector by a general or special order in writing and subject to such conditions as may be specified therein,
- (5) 'bleed' means to drain off liquid or gas, generally slowly through a valve, to bleed off means a controlled release of the pressure of a well or of pressurised equipment,
- (6) "blowout" means a sudden, violent escape of gas and oil from a well,
- (7) "blowout preventer" means—
- (a) a device attached immediately above the casing to control pressure and prevent escape of fluids from the annular space between the tubing and casing or between the drill pipe and casing or shut off the hole if no drill pipe or tubing is in the hole, should a kick or blowout occur, or
 - (b) a device attached immediately above the well head or Christmas tree or rise pipe to control pressure during work-over operations and prevent escape of fluids from the space between the wire line and tubing or casing should a kick or blow-out occur,
- (8) "casing" means a steel pipe placed in an oil or gas well as drilling progresses to prevent the wall of the well from caving during drilling and to provide a means of extracting the oil if the well is productive,
- (9) "cellar" means an excavation under the derrick to provide space for items of equipment at the top of the well bore which also serves as a pit to collect drainage of water and other fluids under the floor for subsequent disposal
- (10) "cementing" means the operation by which cement slurry is forced down through the casing and out at the lower end in such a way that it fills the space between the casing and walls of the well bore to a pre-determined height above the bottom of the well for the purpose of securing the casing in place and excluding water and other fluids from the well-bore,
- (11) "Christmas tree" means the valves and fittings assembled at the top of a well to control the flow of the fluids,
- (12) "competent person" means a person who is capable of identifying existing and predictable hazards in the surroundings or working conditions which are unsanitary, hazardous or dangerous to work persons and who has authorisation to take prompt corrective measures to eliminate them,
- (13) 'completed well' means a well in which the productive formation is open to the well bore with equipment installed in the well and at the well head so that it is physically able to produce oil or gas,
- (14) "crown block" means a multi-sheaved assembly mounted at the top of the derrick or mast and used in conjunction with a travelling block for raising and lowering the drill string, casing tubing, rods and other tools,
- (15) "derrick" means the compound latticed structure used over the bore hole for drilling or well servicing purposes,
- (16) "District Magistrate" in relation to any mine means the District Magistrate or the Deputy Commissioner as the case may be, who is vested with the executive powers of maintaining law and order in the revenue district in which the mine is situated
- Provided that in the case of a mine which is situated partly in one district and partly in another, the District Magistrate for the purposes of these regulations shall be the District Magistrate authorised in this behalf by the Central Government,
- (17) "draw-works" means an assembly of shafts, sprockets, chains, pulleys, belts, clutches, catheads and/or other mechanical devices suitably mounted and provided with controls for hoisting, operating and handling the equipment used for drilling a well or servicing a producing well,
- (18) "drilling" means the process of drilling in or into, a productive or potentially productive geological horizon,
- (19) "drilling rig" means the complete structure and machinery required for drilling purposes at the bore-hole site,
- (20) "elevator" means a steel mechanical device used in connection with the hoisting equipment suspended from the travelling block for holding in suspension pipe or rod being lowered into or pulled from a well.
- (21) "escape line" means a inclined wire line to carry a safety carriage or slide running from a point above the racking platform of the derrick or mast down to a ground anchor,
- (22) "explosimeter" means an instrument to measure the concentration of flammable gas,
- (23) "explosive" shall have the same meaning as is assigned to that term in the Indian Explosives Act, 1884,
- (24) "flame proof equipment" means an equipment that can withstand without injury any explosion of the inflammable gas that may occur within it and can prevent the transmission of flame such as will ignite the inflammable gas which may be present in the surrounding atmosphere,
- (25) 'flammable' means capable of being easily ignited, burning intensely or having a rapid rate of flame spread,
- (26) "flare" means an open flame used to dispose of unwanted gas,
- (27) "floor block" means a single sheave pulley or snatch block fixed at or near floor level by means of which the direction of pull on a rope can be varied
- (28) "Form" means a Form as set out in the First Schedule,
- (29) "fracturing" means the process of forcing a fluid into the subsurface strata with the purpose of opening flow passage for production,
- (30) "gas" means the vapour state of the hydro-carbons occurring in or derived from petroleum or natural gas,
- (31) 'gas free' means that the concentration of inflammable and/or toxic gases as measured with an approved instrument in any tank or area is within safe prescribed limit value of the gas being measured for persons to enter,
- (32) "gas well" means a well which is on continuous production from a gas bearing zone or a well in which casing is run for continuous production of gas under foreseeable circumstances,
- (33) "group gathering station" means a production facility used for gathering, treating, or storing oil or gas,
- (34) "hazardous area" means an area where during normal operations a hazardous atmosphere is likely to occur in sufficient quantity to constitute a hazard,
- (35) "hazardous atmosphere" means an atmosphere containing any flammable gas or vapour in a concentration capable of ignition,
- (36) "high line or outline" means a rope used to carry pipes, drilling tools or other equipment from a derrick or mast to the derrick walk or other location outside the derrick or mast,

- (37) "installation" means any fixed installation or part of a fixed installation which is maintained within the mine or is to be established therein in connection with exploitation of oil or gas or with exploration with a view to such exploitation;
- (38) "installation manager" means the person appointed in writing by the owner or agent of the installation to be in charge of and responsible for all operations and activities on or in connection with the installation;
- (39) "ionising radiation" means emission due to self-disruptive fission of atomic nucleus of any radioactive substance which is hazardous to health;
- (40) "kick" means a sudden pressure-surge of short duration caused by influx of formation fluids entering well being drilled.
- (41) "kelly cock" means a valve installed between swivel and kelly or kelly and drill pipe to control pressure should a high pressure backflow of fluids occur and keep the pressure off the swivel and rotary hose;
- (42) "lubricator" means an extension of casing or tubing above a valve on top of the casing or tubing head consisting of a pressure sealing device at the upper end to afford a seal on the wire-line or other connection, attached to tools run into a well;
- (43) "machinery" means—
- (a) any stationary or portable engine, air or gas compressor, boiler or steam apparatus; or
 - (b) any such apparatus, appliance or combination of appliances intended for developing, storing, transmitting, converting or utilising energy; or
 - (c) any such apparatus, appliance or combination of appliances if any power developed, stored, transmitted, converted or utilised thereby is, used or intended for use in connection with drilling, production and transport operations;
- (44) "monkey board" means a movable or fixed platform installed above derrick floor on which work-persons stand to handle pipes or other equipment lashed on the derrick;
- (45) "mud" means the liquid that is circulated through the wellbore during rotary drilling and workover operations;
- (46) "mud tank" means the reservoir or tank through which the drilling mud is cycled to allow sand and fine sediments to settle out where additives are mixed with mud, and where the fluid is temporarily stored before being pumped back into the well;
- (47) "mud-pump" means a pump used to circulate mud down the drill pipe and up the annulus under normal operation;
- (48) "official" means a person appointed in writing by the owner, agent or manager to perform special duties of supervision in a mine or part thereof and includes an installation manager, a safety officer and a fire officer;
- (49) "oil well" means a well which is on continuous production from an oil bearing zone or a well in which casing is run for continuous oil production under foreseeable circumstances;
- (50) "petroleum class A and B" shall have the same meaning as is assigned to the term in the Indian Petroleum Act 1934;
- (51) "pipe-rack" means a structure located adjacent to but usually below the level of the rig floor, on which pipe or casing may be stored or racked;
- (52) "platform" means a working space for persons, elevated above the surrounding floor or ground for the operation of machinery and equipment;
- (53) "quarter" means a period of three months ending on the 31st March, 30th June, 30th September or 31st December;
- (54) "racked" refers to tubular goods or rods standing in the derrick or mast or stored on a pipe rack;
- (55) "racking platform" means a platform in the derrick or mast at an elevation where a derrickman is normally required to handle stands being racked;
- (56) "railway" means a railways as defined in the Indian Railways Act, 1890;
- (57) "Regional Inspector" means the inspector of mines in charge of the region or local area or areas in which the mine is situated or the group or class of mines to which the mine belongs, over which he exercises his powers under the Act;
- (58) "rigging-up" means an act of assembling the drilling rig and auxiliary equipment prior to commencement of drilling operations;
- (59) "rotary hose" means the hose that conducts the circulating fluid from the stand pipe to the swivel and kelly;
- (60) "rotary table" means a power operated turn-table on the rig floor primarily used for rotating the drilling string;
- (61) "Schedule" means a Schedule appended to these regulations;
- (62) "stand(s)" means sections of pipe consisting of two or more made-up lengths which are racked in a derrick or mast;
- (63) "standard railing" means a vertical barrier erected along exposed edges of a floor opening, ramp, platform or walkway to prevent falls of persons;
- (64) "sub-structure" means the foundation on which normally the derrick and engines sit;
- (65) "swabbing" means the operation of a lifting device on a wireline to bring well fluids to the surface when the well does not flow naturally;
- (66) "toebard" means a vertical barrier at floor level erected along exposed edges of a floor opening, wall opening, platform walkway, or ramp to prevent falls of materials;
- (67) "toxic-dust/gas" means any dust or gas which can cause a reversible or irreversible disturbance of the normal physiological processes of one or more bodily systems;
- (68) "travelling block" means a multi-sheaved pulley block used in conjunction with the fixed crown block for raising and lowering the drilling string, casing, tubing rods and other tools;
- (69) "well" means a hole in the ground,—
- (a) made or being made by drilling, boring or in any other manner from which any petroleum or natural gas is obtained or obtainable or for the purpose of obtaining petroleum and natural gas;
 - (b) used, drilled or being drilled for the purpose of obtaining water for injection or for injecting natural gas, air, water or any other substance into underground formation;
- (70) "wellhead" means an assembly on top of the well casing strings with outlets and valves for controlling flow of fluids;
- (71) "well perforating" means perforating well casing or cement to provide flow passages for production or for testing or well stimulation purposes;
- (72) "work-over or well servicing" means to perform one or more of a variety of remedial operations on a producing oil well with the hope of restoring

and increasing production. Examples of such operations are scraping, fishing depening, plugging back, pulling and resetting line, squeeze cementing, shooting and acidizing ;

- (73) "zone 'O' hazardous areas" means an area in which hazardous atmosphere is continuously present ;
- (74) "zone 1 hazardous area" means an area in which a hazardous atmosphere is likely to occur under normal operating conditions ;
- (75) "zone 2 hazardous area" means an area in which a hazardous atmosphere is likely to occur only under abnormal operating conditions.

CHAPTER II—RETURNS, NOTICES AND PLANS

3. Notice of opening.—(1) The notice required by Section 16 of the Act shall be submitted in Form I.

(2) When a mine has been opened, the owner, agent or manager shall forthwith communicate the actual date of opening to the Chief Inspector and to the Regional Inspector.

4. Quarterly returns.—On or before the 20th day of January, April, July and October in every year, the owner, agent or manager shall submit to the Chief Inspector and the Regional Inspector correct returns in respect of the preceding quarter in Form II.

5. Annual returns.—On or before the 20th day of February of every year, the owner, agent or manager shall submit to the District Magistrate and to the Chief Inspector annual returns in respect of—preceding year in Form III.

6. Change in name and addresses etc.—(1) When a change occurs in the name of ownership of a mine or in the address of the owner, the owner, agent or manager shall within seven days from the date of the change give to the Chief Inspector and the Regional Inspector notice in Form I.

(2) When any appointment is made of an agent, manager, installation manager, safety officer or fire officer or when the employment of any such person is terminated or any such person leave, the said employment or when any change occurs in the addresses of any agent or manager, the owner, agent or manager shall within seven days from the date of such appointment, termination or change give to the Chief Inspector and the Regional Inspector notice in Form I.

7. Notice of accident.—(1)(a) When there occurs in or about a mine,—

- (i) an accident causing loss of life or serious bodily injury in connection with mining operation ;
- (ii) an explosion or ignition
- (iii) a blowout ;
- (iv) an outbreak of fire ;
- (v) a bursting of any pipeline or equipment containing crude oil, natural gas, steam, compressed air or others substance at a pressure greater than the atmospheric pressure ;
- (vi) a breakage or fracture of any essential part of draw-works, drilling line or failure of emergency brakes;
- (vii) a brakage, fracture or failure of any essential part of any derrick, mast, machinery or apparatus whereby the safety of persons may be endangered ;
- (viii) an influx of noxious gases ;
- (ix) any accident due, to explosive ;

The owner, agent or manager shall forthwith inform the Regional Inspector by telephone or express telegram or by special messenger and shall also within 24 hours of every such occurrence give notice thereof in Form IV-A to the District Magistrate, the Chief Inspector and the Regional Inspector.

(b) When an accident causing loss of life or serious bodily injury occurs in or about a mine in connection with the generation, storage, transformation, transmission, supply or use of electrical energy, the owner, agent or manager shall also forthwith inform the Electrical Inspector of Mines by telephone, express telegram or special messenger.

(2) If death results from any injury already reported as serious under sub-regulation (1) the owner, agent or manager shall within 24 hours of his being informed of the death, give notice thereof to the District Magistrate, the Chief Inspector and the Regional Inspector.

(3) In respect of every person killed or injured as above, the owner, agent or manager shall send to the Chief Inspector particulars in Form IV-B and IV-C within seven days of such occurrence or 15 days of the injured returning to duty, as the case may be.

8. Notice of disease.—Where any person employed in a mine contracts any disease notified by the Central Government in the Official Gazette, the owner, agent or manager shall within three days of his being informed of the disease, give notice thereof in Form V to the District Magistrate, the Chief Inspector, the Regional Inspector and Inspector of Mines (Medical).

9. Plans.—(1) The owner, agent or manager of every mine shall keep the following plans :

- (a) A key plan showing the area duly demarcated, in which operations for the winning of petroleum or natural gas or both and ancillary operations are carried on.
- (b) A plan showing the location of oil, gas and abandoned wells, gathering stations, pipelines including their access routes, railway, power, transmission line, public road or building or other permanent structures not belonging to the owner, rivers and water courses within the winning area ;

(2) Every plan maintained in accordance with the provisions of these regulations shall,—

- (a) show the name of the mine and of the owner and the purpose for which the plan is prepared ;
- (b) show the true north or the magnetic meridian and the date of the latter ;
- (c) unless otherwise provided, it shall be on a scale having a representative factor of—
 - (i) 50,000 : 1, in case of key plans ;
 - (ii) 20,000 : 1, in case of plans showing location of oil, gas wells and other installations etc. mentioned in sub-regulation (1)(b).
- (d) be properly inked in or durable paper or on polyester tracing film and be kept in good condition.

CHAPTER III—INSPECTORS, MANAGEMENT AND DUTIES

10. Qualifications of Inspectors.—(1) After the coming into force of these regulations, no new person shall be appointed as Chief Inspector unless he holds a degree or diploma in mining engineering of an educational institution approved by the Central Government.

(2) After the coming into force of these regulations, no person shall be appointed as an Inspector unless he holds a degree or diploma in mining or petroleum engineering of an educational institution approved by the Central Government ;

Provided that,—

- (i) in relation to electrical machinery installed in mines, a person holding a degree or diploma in electrical engineering of an educational institution approved by the Central Government may be so appointed ;
- (ii) in relation to other machinery or mechanical appliances installed in mines, a person holding a degree or diploma in mechanical engineering of an educational institution approved by the Central Government may be so appointed ;

tional institution approved by the Central Government may be so appointed ; and

- (iii) in relation to the provisions of the Act and of the regulations and of orders made hereunder which relate to matters concerning the health and welfare of persons, a person holding a degree or diploma in medicine, surgery or in social science or labour welfare, as the case may be, of an educational institution approved by the Central Government or a person holding such other qualifications as the Central Government may approve in this behalf may be so appointed.

11. Definition.—For the purpose of this Chapter, oil and gas wells and all installations connected with the winning of petroleum or natural gas or both in an area duly demarcated by the owner or agent shall be deemed to constitute one mine :

Provided that where special conditions exists, the Chief Inspector may, by an order in writing and subject to such conditions as he may specify therein, permit or require the division of any one such area into two or more separate mines.

12. Appointment of managers.—No mine shall be opened, worked or re-opened unless there is a manager of the mine, being a person duly appointed. If any question arises whether any person so appointed is competent to perform the duties of manager, it shall be referred to the Chief Inspector whose decision thereon shall be final.

13. Appointment of installation managers.—(1) At every mine one or more installation manager or managers shall be appointed to hold charge of the different installations of the mine.

(2) An installation manager may hold charge of more than one installation :

Provided that where the Regional Inspector is of the opinion that due to conditions existing at a mine it is not possible for the installation manager to perform his duties in proper manner, he may by an order in writing and for reasons to be recorded therein require the appointment of such number of installation managers as he may specify in the order.

14. Appointment of safety officer.—The owner or agent of every mine shall appoint a safety officer, to assist the manager in promotion of safety and health at work, who, to the best of the knowledge and belief of the owner or agent, has skills and competence suitable for the appointment. In case of any doubt the matter may be referred to the Chief Inspector whose decision thereon shall be final.

15. Appointment of fire officer.—(1) At every mine one or more persons shall be appointed to be the fire officer for fire-fighting and to advise the manager on fire prevention measures.

(2) No person shall be appointed as a fire officer of more than one mine or in any other capacity in the same mine without prior permission in writing of the Regional Inspector and subject to such conditions as specified therein.

16. Appointment of competent persons.—(1) The owner, agent or manager of every mine shall appoint such number of competent persons as is sufficient to secure, during each of the working shift for,—

- adequate inspection of the installation and the equipment thereof ;
- a thorough supervision of all operations at the installation ;
- the installation, running and maintenance in safe working order of all machinery in the mine ; and
- the enforcement of the requirements of the Act and these regulations.

(2) Copies of all appointments made under sub-regulation (1) and duties assigned to the competent persons shall be

entered in a bound-paged book kept for the purpose. A list of all such competent persons shall also be maintained.

17. General management.—(1) The owner, agent and manager shall provide for the safety and proper discipline of persons employed in the mine.

(2) Except in a case of emergency, no person who is not an official or a competent person shall give, otherwise than through the manager, instructions to a person employed in a mine; who is responsible to the manager.

18. Duties of persons employed in mines.—(1) Every person shall strictly adhere to the provisions of the Act and of the regulations and orders made thereunder and to any order or direction issued by the manager or an official with a view to the safety or convenience of persons, not being inconsistent with the Act and these regulations nor shall he neglect or refuse to obey such orders or directions.

(2) Before beginning work, every person shall examine his place of work and the equipment that he is to use and shall forthwith report to his superior any dangerous defect that he may discover.

(3) Every person shall make use of all safeguards, safety devices and other appliances provided for his protection or the protection of others.

(4) Except in an emergency, no person unless duly authorised, shall interfere with, remove, alter or displace any safety device or other appliance provided for his protection or the protection of others or interfere with any method or process, adopted with a view to avoiding accidents and injuries to health.

(5) No person shall, while on duty, throw any stone or other missile with intent to cause injury or fight or behave in a violent manner.

(6) No person shall sleep or rest in a dangerous place such as scaffolds or cranes, or in the vicinity of dangerous or toxic substances, running machines, boilers or vehicles and heavy equipment.

(7) Every person shall wear protective equipment and clothing suited to his duties and to the weather conditions.

(8) Every person receiving any injury in the course of his duty shall, as soon as possible, report the same to an official or to the competent person in charge of a first-aid station who shall arrange for the necessary first-aid to the injured person.

19. Duties of manager.—(1) In every mine, daily personal supervision shall be exercised by the manager.

(2) The manager shall see that sufficient supply of proper materials and appliances for the purpose of carrying out the provisions of the Act, regulations and orders made thereunder and for ensuring the safety of the mine and persons employed therein are always provided at the mine; and if he is not the owner or agent of the mine, he shall report in writing to the owner or agent when anything which he is not competent to order, is required for the aforesaid purpose. A copy of every such report shall be recorded in a bound paged book kept for the purpose.

(3) The manager shall assign to every competent person his particular duties, shall on his appointment make over to him a copy of the regulations, rules and bye-laws and of any orders made thereunder which affect him, and shall take all possible steps to ensure that every such person understands, carries out and enforces the provisions therein contained in a proper manner.

(4) The manager shall examine all reports, registers and other records required to be made or kept in pursuance of the Act, these regulations and orders made thereunder and shall countersign the same and date his signature. He may however by an order in writing delegate this duty to an installation manager or other official.

(5) The manager shall give attention to and cause to be carefully investigated any specific representation or complaint that may be made to him in writing by a work person of the mine as to any matter affecting the safety or health of persons in or about the mine.

(6) When an accident resulting in any serious bodily injury to any person or in loss of life occurs in a mine, the manager shall inspect the site of accident as soon as possible and shall also either himself or through safety officer have an inquiry made into the causes of and circumstances leading to the accident. The results of every such inquiry and a plan and section of the site of the accident showing the details shall be submitted to the Regional Inspector within seven days of the date of occurrence.

(7) The manager shall perform such other duties as have been specified in this behalf under the Act, these regulations and orders made thereunder.

(8) The manager may suspend or take such disciplinary action as he thinks fit against the workpersons for contravention of any provision of the Act, the regulations and orders made thereunder.

(9) The manager shall maintain in a bound paged book kept for the purpose, a diary, and shall record therein the findings of each of his inspections and also the action taken by him to rectify the defects mentioned, if any.

20. Duties of installation manager.—The installation manager shall carry out the following duties :

- (1) He shall have responsible charge and control of such installations and shall carry out such duties as may be assigned to him by the manager.
- (2) He shall see that a notice of his appointment is pasted at a place in the installation in such a position that it can be easily and conveniently read.
- (3) He shall see that in the installation assigned to him, all work is carried out in accordance with the provisions of the Act and these regulations and orders made thereunder.
- (4) (a) He shall visit and examine the installations under his charge on every working day to see that safety in every respect is ensured.
- (b) He shall maintain a detailed record of the results of each of his inspections and also the action taken by him to rectify the defects noticed if any.
- (5) He shall see when any drilling rig, work-over rig and associated equipment or production equipment or pipeline is shifted or newly installed that it is given a trial-run before it is put into use and shall be present during every such trial run.
- (6) He shall see that all persons employed at the installation are thoroughly instructed and familiar with the provisions of the standing orders made under these regulations relating to prevention of blowout and fire.
- (7) He shall see that the provisions of the Act and these regulations or orders made thereunder relating to the installation, maintenance, operation or examination of machinery and equipment are properly carried out by himself or by competent persons or workpersons as the case may be, appointed for the purpose.
- (8) (a) When during the construction of an installation or any operation thereat there is an emergency or apprehended emergency endangering the life or safety of any person or the stability and safety of the installation, he shall take or require to be taken such measures as are necessary or expedient to avoid the emergency.
- (b) No requirement in these regulations shall be taken as prohibiting or restricting the taking of such measures.

21. Duties of safety officer.—The safety officer shall carry out the following duties :

- (1) He shall inspect, as often as may be necessary, the installation of the mine with a view to identify the latent dangers which may cause bodily injury or impair health of any person.

(2) He shall advise the manager on measures necessary to prevent dangerous situations.

(3) He shall inquire into the circumstances and causes of all accidents whether involving persons or not and advise the manager on measures necessary to prevent recurrence of such accidents.

(4) He shall collect, compile and analyse information in respect of accidents and dangerous occurrences with a view to promote safe practices and improvement of working environment.

(5) He shall organise regular safety education programmes and safety campaigns to promote safety awareness amongst persons employed in the mine.

(6) He shall see that all new workers and workers transferred to new jobs received adequate safety training, instructions and guidance.

(7) He shall maintain a detailed record of the work performed by him.

22. Duties of fire officer.—The fire officer shall carry out the following duties :

- (1) He shall ensure the observance of the provisions of the Act, regulations and orders made thereunder concerning fire detection and fire-fighting systems and shall advise the management on measures necessary to ensure adequate protection against fire.
- (2) He shall ensure proper layout, installation and maintenance of fire-fighting equipment.
- (3) He shall see that contingency plan for likely fire situations are prepared.
- (4) (a) He shall organise regular training of persons in charge of early fire-fighting duties with particular reference to contingency plan for fire, correct size-up and handling of fire problems ;
- (b) He shall see that persons in-charge of fire-fighting duties undertake simulated fire drills at least once in every month to study promptness of response and effective tactics ;
- (5) He shall examine at least once in every quarter all devices and equipment of fire detection and fire-fighting systems in the mine and report any defect in the same to the manager ;
- (6) He shall exercise a general supervision and co-ordination during control and extinguishment of any fire in the mine ;
- (7) He shall inquire into the causes and circumstances of all fires with a view to prevent recurrence.
- (8) He shall maintain a detailed record of the work performed by him.

23. Duties of competent persons.—(1) Every competent person shall be subject to orders of superior official.

(2) He shall not—

- (a) depute another person to perform his work without the sanction of his superior officials ;
- (b) absent himself without having previously obtained permission from such official for the period of his absence or without having been relieved by a duly competent person, and
- (c) without permission from such official, perform during his shift, any duties other than those for which he has been appointed.

(3) He shall, on the appearance at his place of work any hazardous condition, take prompt corrective measures to eliminate the hazard.

CHAPTER IV—DRILLING

24. Derricks.—(1) Every part of a derrick shall be of sound construction and adequate strength and shall be maintained in safe working order.

(2) The derrick shall be firmly connected to a rigid foundation and shall be adequately secured to prevent it from overturning.

25. **Derrick platforms and floors.**—(1) On every derrick or portable mast, a platform of at least 0.60 metres wide shall be provided on at least one side of the crown block. The platform shall be equipped on its outer edges with a two-rail railing of at least one metre high and toe-board 0.15 metre high.

(2) On every derrick or mast, the platforms shall be provided for persons to stand on while they handle pie or other equipment racked in or on the derrick. The platforms shall completely cover the space from the working edge of the platform back to the legs and girts of the derrick and shall be firmly secured.

(3) The working edge of monkey board platforms shall be so placed that there is adequate clearance for safe passage of travelling block.

(4) Platforms, floors and walk-ways shall be kept free of dangerous projections or obstructions and shall be so maintained that adequate protection against slipping is provided.

26. **Ladders.**—(1) Every derrick shall be equipped with a ladder arrangement ensuring safe access to all elevated walking and working platforms.

(2) Access from ladder to working platforms shall be properly secured with railings and toe-boards.

(3) The top end of each ladder or ladder section shall extend not less than one metre above the platform.

(4)(a) Landing platforms or cages shall be provided on ladders of more than 6 metres to a maximum unbroken length of 9 metres.

(b) All landing platforms shall be equipped with railings and toe-boards so arranged as to give safe access to the ladder :

Provided that the Chief Inspector may permit in any mine or part thereof any alternative precautionary measures to be taken in lieu of landing platforms.

27. **Safety belts and life lines.**—Every person who works above the first girt of a derrick or mast shall be provided with approved type of safety belt and life line and shall use the same unless he is otherwise protected against the danger of falling from a height.

28. **Escape Line.**—Every derrick shall be provided with an escape line installed in such a manner as to lead away from the derrick.

29. **Weight indicator.**—On every drilling rig a weight indicator shall be provided and used to register a close indication of the load suspended from the hoisting line.

30. **Escape exits.**—The rig floor area and each drawwork engine floor area shall have not less than two escape exits placed on opposite sides of the rig to give un-obstructed escape.

31. **Guardrails, handrails and covers.**—(1) Floor openings and floor holes shall be guarded by a standard railing and toe-board or cover.

(2) Every open-sided floor or platform 1.8 metres or more above adjacent floor or ground level where any person is allowed to work or pass shall be guarded by a standard railing.

(3) On the inside of all mud tank runways standard railing shall be provided unless other means are available to prevent a person from falling into the mud tanks.

(4) Open-sided floors, walkways, platforms or runways above or adjacent to dangerous equipment it and similar hazards shall be guarded with a standard railing and toe-board.

32. **Draw works.**—(1) The draw-works shall be fitted with a suitable device with its control near the driller's stand to stop the draw-works in case of emergency.

(2)(a) No draw-work shall be operated unless all guards are in position and maintained.

(b) If lubrication fittings are not accessible with guards in place, machinery shall be stopped for oiling and greasing.

(3) The brakes, linkage and brake flanges of draw-works shall be examined by a competent person once at least in every 24 hours. If any defect is discovered during such examination, the draw work shall not be used until such defect is remedied.

(4) The draw works shall be provided with an automatic device to prevent the ascending travelling block from coming closer than two metres to the crown block.

33. **Cathead and catline.**—(1) Catheads operated manually shall be equipped with a guide divider to ensure separation for the first warp of line or rope.

(2) The key seat and projecting key on a cathead shall be covered with a smooth thimble or plate.

(3)(a) When a cathead is in use, a competent person shall be at the controls and in the event of any emergency, he shall immediately stop the rotation of the cathead.

(b) The operator of the cathead shall keep his operating area clear and shall keep the portion of the catline not being used, coiled or spooled.

34. **Tongs.**—(1) Make-up and break-up tongs shall be used together for tightening or loosening of pipe joints.

(2) Tong counter balance weights and lines shall be provided with guards to prevent accidental contact.

(3) The ends of tong safety lines shall be secured with not less than three wire-line clamps.

35. **Safety chains.**—Tongs, ends of rotary hose and suspension sheaves shall be fitted with safety chains to provide support in the event of failure of normal connection.

36. **Hoisting lines.**—(1) All hoisting lines (wire ropes) shall be visually examined by a competent person once in seven days and the superficial condition of the wires as to wear, corrosion, brittleness and fracture shall be noted. A report of every such examination shall be recorded in a bound-paged book kept for the purpose and shall be signed and dated by the person who made the examination.

(2) If on any examination made as aforesaid there is discovered any weakness or defect by which the safety of persons may be endangered, such weakness or defect shall be immediately reported, in writing to the installation manager and until such weakness or defect is remedied the hoisting line shall not be used.

(3) The wearing pints of every hoisting line shall be moved by cutting off at least thirty metres of the hoisting line after every 3000 tonne-kilometres or at shorter intervals, if necessary, so as to prevent excessive wear of the hoisting line. The operation shall be carried out under the supervision of the driller or other competent person who shall record the date and other particulars thereof in a bound-paged book kept for the purpose and shall sign and date the same.

37. **Rigging equipment for material handling.**—(1) Rigging equipment including cranes for material handling shall be checked prior to and during its use to ensure that it is safe.

(2) Rigging equipment shall not be loaded in excess of its recommended safe working load.

(3) While operating cranes in the vicinity of overhead electric transmission line, adequate precaution shall be taken against accidental contact with the electric transmission line unless the same is kept de-energised during movement of the crane.

38. **Storage of materials.**—(1) All materials stored in tiers shall be stacked, racked or otherwise secured to prevent sliding, falling or collapse.

(2) Passage ways shall be kept clear to provide for the free and safe movement of material handling equipment or persons.

39 Construction and loading of pipe racks—(1) Construction of pipe racks shall be designed to support any load placed thereon

(2) Adequate provision shall be made to prevent pipe, tubular material or other round material from rolling off pipe racks.

(3) No person shall go between pipe racks and a load of pipe during loading, unloading and transferring operations

40 Rigging up and rig dismantling—(1) The raising and installation of heavy loads shall be done during daylight hours unless adequate general lighting arrangements are provided at the place or work.

(2) All loose parts and tools shall be securely fastened

(3) Guy lines, high lines, snub lines and such other lines as may be necessary shall not be installed within six metres of any electric transmission line

(4) The exhausts of internal combustion engines shall be provided with water quenched or other effective spark arrestors.

(5) High pressure circulating fluid lines and steam line shall be securely bolted down

(6) While dismantling the rig the wellhead shall be protected against damage from sliding or falling object

(7) Components from aloft, including nuts bolts and cleats shall be lowered safely to the ground either singly bundled or in containers

41 Mud tanks and mud pumps—(1) Mud tanks shall be so designed and installed as to provide positive suction to mud pumps

Provided that the Regional Inspector may, by an order in writing, exempt any part of the mine from the observance of this precaution if he considers such observance not necessary

(2) All mud pumps connected to a drilling rig shall be equipped with a safety pressure relief valve and an operating gauge in the system. The valve shall be set to discharge at a pressure not in excess of the established working pressure of the pump, pipe and fittings

(3) The discharge from a safety pressure relief valve shall be piped to a place where it will not endanger persons

(4) There shall be no valve between a pump and its safety pressure relief valve

42 Blowout prevention equipment—(1) In a well after the surface casing is set no drilling shall be carried out unless blowout prevention equipment is securely installed and maintained

(2) Blowout prevention equipment shall at least consist of,

- (a) one bag type preventer for closing regardless whether drilling equipment is in the hole or not,
- (b) one blind ram preventer for closing against an open hole,
- (c) one pipe ram preventer, located below the blind ram preventer, for closing with drilling equipment in use in the hole

(3)(a) The blowout prevention equipment shall include two seamless steel pipes at least 50 millimetres in diameter and connected to the blowout preventer assembly, one for bleeding of pressure and one for killing the well. The pipes shall be straight and laid to opposite side of the drilling platform. Each pipeline shall be located below at least one set of blowout preventers

(b) Each pipeline shall consist of components having a working pressure equal to that of the blowout preventers

(c) The bleed off line shall be securely tied down and connected to a suitable manifold which shall permit the

flow to be diverted through a full opening line or through either of two lines each containing an adjustable choke and connected to a mud tank through a mud gas separator

(4) Kelly cocks shall be provided between swivel and kelly and also between kelly and drill pipe

43 Control system for blowout preventers—(1) All manual controls for mechanically operated blowout preventers shall be located at least 0.60 metres outside the derrick substructure. Instructions for operating the controls shall be posted prominently near the control wheel

(2) All controls of power operated blowout preventers shall be located near to the driller on the derrick floor

(3) A remote control panel for the blowout preventers shall also be installed at ground floor level a safe distance from the derrick floor

(4) All controls for blowout preventers be clearly identified with suitable markers

44 Testing of blowout prevention equipment—(1) The blowout prevention equipment including pipes and control and control valves shall be pressure tested—

(a) during initial installation and subsequent installations to working pressure, bag type preventers shall be subjected only to 70 per cent of working pressure,

(b) before drilling out cement from any string of casing to maximum calculated pressure that the casing can be subjected to,

(c) following repairs that require disconnecting a pressure seal to working pressure, bag type preventers shall be subjected only to 70 per cent of working pressure

(2) The blowout prevention equipment including pipes and control valves shall be function tested—

(a) Once in each trip in case of blind ram type preventers,

(b) at least once daily in case of pipe ram type preventers,

(c) in case of bag type preventers once in each trip on the drill pipe

(3)(a) Full particulars of all tests mentioned above shall be recorded in the daily report and in the case of pressure test, the pressure applied and the duration of test shall also be recorded by the person making the tests

(b) If during test any blowout prevention equipment is found to be defective it shall be made serviceable before operations are resumed

45 Precautions against blowout—(1) The following control equipment for the drilling mud system shall be installed and kept in use during drilling operations—

(a) a pit level indicator registering increase or reduction in the drilling mud volume. It shall include a visual and an audio warning device near the driller's stand,

(b) a device to accurately measure the volume of mud required to keep the well filled at all times,

(c) a gas detector or explosimeter at the primary shale shaker and connected to audible or visual alarm near the driller's stand

(d) a device to ensure filling of well with mud when the string is being pulled out,

(e) a control device near the driller's stand to close the mud pump when the well kicks

(2) If the control equipment mentioned in sub-regulation (1) indicate that formation fluids are entering the well immediate steps shall be taken to control the well

(3)(a) The manager of every mine in which blowout prevention equipment is installed shall submit to the Regional Inspector within 60 days of the coming into force of these regulations or in the case of a new installation within 30 days

of the installation, standing orders specifying the action to be action when a well kicks and the duties of each person employed on the rig and such other persons as may be necessary for blowout drills and actual emergencies.

(b) The Regional Inspector may, by an order in writing, approve of such standing order, either in the form submitted to him or with such additions and alterations as he may think fit; the standing orders so approved shall be enforced at the mine.

(c) A copy of the standing orders shall be posted prominently near the rig.

(4) Each person employed on a rig shall have an adequate understanding of the warning signs of kick, the standing orders mentioned in sub-regulation (3), the blowout prevention equipment and be able to operate the controls for blowout preventers. Blowout prevention drill shall be conducted for this purpose once in seven days.

(5) Suitable control valves shall be kept available near the well which can be used in case of emergency to control the well.

(6) When running-in or pulling-out tubings, a gate valve and tubing hanger shall be pre-assembled and kept readily available at the well.

46. Precautions after a blowout has occurred.—(1) On the appearance of signs indicating that well is blowing out, all persons other than those whose presence is deemed necessary for controlling blowout shall be immediately withdrawn from the well.

(2) During the whole time that any work of controlling a blowout is in progress the following precautions shall be taken,—

(a) a competent person shall be present on the spot throughout;

(b) an area within 500 metres of the well on the down wind direction shall be demarcated as danger zone;

(i) all electrical installations within the danger zone shall be de-energised;

(ii) approved safety lamps or torches shall only be used within the danger zone;

(iii) no naked lights or vehicular traffic shall be permitted within the danger zone.

(c) a competent person shall ascertain the condition of ventilation and presence of gases with an approved instrument so far as safety of persons is concerned;

(d) there shall be available at or near the place two closed circuit respirators for use in emergency.

(e) adequate fire-fighting equipment shall be kept available for immediate use.

47. Drilling operations.—(1) At the beginning of every shift the instruments and controls at the driller's stand, draw works, mud pumps, hoisting line, catline and blowout prevention equipment shall be examined by the driller and he shall satisfy himself that they are in good working order.

(2) The driller shall see that no person remains in a position of danger at or near the rotary table before the rotary table is set in motion.

(3) Tools or other materials shall not be carried up or down a ladder unless properly secured to the body, leaving both hands free for climbing.

(4) The hoisting line shall not be in direct contact with any derrick member or material in the derrick except the crown block and any travelling block sheaves, a line spooler, a line stabilizer or weight indicator.

(5) (a) When cementing, no person shall be allowed on the rig floor, near the well head or near the cementing equipment except those actually engaged on the operation.

(b) All high pressure pipes fitted with flexible joints shall be suitably anchored and pressure tested before cementing operations commence.

48. Drill stem test.—(1) Prior to the commencement of drill test,—

(a) blowout prevention equipment shall be pressure and function tested;

(b) fire-fighting equipment shall be kept readily available for immediate use;

(c) no person other than those required for the test shall be admitted on the drilling floor;

(d) the test line shall be securely anchored at each end and at each 9.0 metres interval. The kelly hose shall not be used as part of the test line;

(e) the test line and valves shall be examined by a competent person and no test shall be taken if any defect is discovered until such defect is rectified.

(2) Initial opening of drill stem test tools shall be restricted to day light hours only;

(3) When oil or gas has been recovered during a drill stem test, the drill pipe shall not be pulled out unless the well is properly killed and steps are taken to ensure that there is no possibility of oil or gas being present in the drill pipe.

(4) Gas produced to the atmosphere during a drill-stem test shall be burned through a flare-line.

CHAPTER V—PRODUCTION

49. Well completion by perforation.—(1) (a) Explosives used in well-perforation shall be transported in suitable containers.

(b) No person other than a competent person authorised for the purpose shall handle, transport and use explosives meant for well-perforation.

(2) Well-perforation operation shall be carried out under the direct personal supervision of an official authorised for the purpose.

(3) Before commencement of perforation operation, the official shall see that—

(a) the well is filled with proper fluid (mud, water/oil) to overbalance the expected bottom hole pressure;

(b) the blowout prevention equipment is pressure and function tested;

(c) the perforation gun can be safely lowered down the well;

(d) a lubricator is provided at the well-head to afford a seal on the wireline of the perforation gun; and

(e) all equipment including drilling rig, pipe rack, and cabin used for perforation are efficiently earthed; electrical bonding is established between equipment and well-head before connecting up explosive charges.

(4) Well-perforation shall not be carried out during night hours or under conditions of lightening, thunder, high winds and heavy rain.

(5) Normal work at the well shall not be resumed until firing of the charge has been completed and the official has removed the perforation equipment from the site.

50. Well testing.—(1) Before commencement of testing of well, the christmas tree, flowlines and associated fittings shall be pressure-tested to the maximum pressure anticipated at the surface.

(2) Well testing shall be done under the direct personal supervision of the installation manager; he shall see that,—

(a) no operation to activate the well is done during night hours;

(b) flowlines are firmly anchored to the ground;

(c) the separator safety valve is in good working order and properly adjusted ;

- (d) adequate facilities are provided to safely collect the well products in tanks or pits; and
- (c) adequate fire fighting equipment is readily available for immediate use.
- (3) During well testing, in the event of any oil or gas show, immediate steps shall be taken to bring the well under control.

51. Group gathering stations.—(1) (a) When it is intended to construct any new group gathering station for oil and/or gas or carry out alterations at any group gathering station the owner, agent or manager shall, not less than 60 days before such construction or alteration give notice of such intention to the Regional Inspector ;

(b) The notice shall contain details of production facilities, measures for protection against fire, bursting or failure of equipment dangerous accumulation of inflammable vapour, air and water pollution;

(c) The notice shall be accompanied by a plan showing the name and location of the production facilities, the name of each well connected to the station and any railway, public road or public works lying within 60 metres of the station.

(2) If the Regional Inspector by an order in writing so requires, shall make such additions or alterations to the installations, as he may specify in the order.

52. Precautions during acidizing operations.—(1) Acidizing operations at a well shall be carried out under the direct personal supervision of an official authorised for the purpose.

(2) Prior to acidizing operations all pressure lines and associated equipment shall be tested to a pressure one and a half times the expected working pressure.

(3) A non-return valve shall be installed in the treating line as close to the wellhead as practicable.

(4) The official shall see that,—

- (a) no person other than those required for acidizing operation remain in the vicinity of the well;
- (b) every person handling acid is provided with and uses protective outer clothing, gloves and footwear; and
- (c) an adequate quantity of lime is readily available and used to neutralize any acid spilled.

(53) Precautions during fracturing operations.—(1) Fracturing operations at a well shall be carried out under the direct personal supervision of an official authorised for the purpose.

(2) Prior to fracturing operations, discharge pipeline upto the last valve on the wellhead shall be tested to a pressure one and a half times the expected fracturing pressure.

(3) A non-return valve shall be installed in each discharge line as close to the wellhead as practicable.

(4) All discharge or bleed-off lines shall be securely anchored. Bleed-off lines shall discharge into open tanks or to a pit.

(5) During fracturing operation the official shall see that within 30 metres of the well,—

- (a) no person other than those required for fracturing operation remain ;
- (b) no naked fire or other sources of ignition is permitted ;
- (c) all electrical equipment is de-energised; and
- (d) adequate fire-fighting equipment is available for immediate use.

(6) Pumping units shall be located crosswind at least 15 metres from the wellhead and pumping shall be done during daylight hours.

54. Precautions during loading and unloading of tank vehicles with oil.—(1) Every tank vehicle, while it is being loaded or unloaded and until its valves have been shut and filling pipe and discharge faucets closed, shall be attended by a competent person authorised for the purpose.

(2) Loading and unloading of tank vehicles carrying oil shall be performed during daylight hours.

(3) In the tank vehicle loading and unloading areas all oil pipelines, filling and delivery hoses or metal pipes, metallic loading arms, swivel joints tank, chassis of tank vehicle shall be electrically continuous and be efficiently earthed.

(4) No mechanically propelled tank vehicle shall be loaded or unloaded until its engine has been stopped and battery isolated from the electrical circuit. The engine shall not be restarted and the battery shall not be connected to the electrical circuit until all tanks and valves have been securely closed.

(5) Adequate fire-fighting equipment shall be kept readily available during loading and unloading of tank vehicles for immediate use.

(55) Wellhead storage tanks—(1) (a) Every tank for the storage of crude oil in bulk shall be constructed of iron or steel in accordance with specifications approved in writing by the Chief Inspector ;

(b) The tanks shall be erected on firm foundations or supports of non-combustible material in accordance with sound engineering practice;

(c) The height of a storage tank shall not exceed one and a half times its diameter or twelve metres whichever is less.

Explanation—For the purpose of this clause the height of a tank shall be the height from its bottom to top curb angles.

(d) An air space of not less than 5 percent of the total capacity of the tank of the space prescribed in

the specification referred to in sub-regulation (1) (a) whichever is less shall be kept in each tank.

(2) (a) Every storage tank after being installed or re-installed before being put into use, shall be tested by water pressure by a competent person to ensure that it is free from leak and suitable for storage of crude oil.

(b) A report of such test shall be maintained in a bound paged book kept for the purpose and signed and dated by the person making the test.

(3) (a) Every above ground tank shall be enclosed with a dyke or bund constructed above the ground level with a containment volume equivalent to the maximum capacity of the largest tank within the enclosure.

(b) All enclosure mentioned in clause (a) shall be provided with proper drainage system to prevent accumulation of oil or water in the enclosures.

4(a) Every storage tank including its roof and all metal connections shall be electrically connected with the earth in an efficient manner.

(b) The effectiveness of earthing shall be tested once in twelve months. The result of every such test shall be recorded in a bound paged book kept for the purpose and shall be signed and dated by the person carrying out the test.

(5) Every storage tank shall be protected against lightning by suitable lightning arrestors.

(6) (a) No person shall enter a tank for cleaning or maintenance unless the tank has been examined by a competent person found to be gas-free and safe for entry.

(b) When it is necessary to enter into a tank which is not gas-free or in which the oxygen content is less than 19 percent, persons who are required to enter the tank shall be provided with self-contained breathing apparatus or a full facepiece mask with a pressure supply of respirable air.

(c) During the whole time that any work of cleaning or maintenance inside a tank is in progress,

(i) a competent person who is qualified to administer artificial respiration and first aid shall be present on the spot throughout; and,

(ii) approved portable hand-lamps shall be exclusively used in such work.

56. Well servicing operations.—(1) Every derrick or mast shall be carefully examined by a competent person before it is used for well servicing operation. Guy ropes shall be fastened to the derrick or mast.

2(a) The crown block, travelling block, wire lines, hooks and elevators shall be carefully examined by a competent person before it is used.

(b) When operations are carried out with a hoist and stationary derrick, the floor block shall be fastened to a substantial anchorage.

(3) (a) Every person shall keep clear of the wire-line between the drum and floor block.

(b) No person shall stand near the line during swabbing, scrapping wax or otherwise using bailing line.

(4) A master gate valve and tubing hanger shall be pre-assembled and kept readily available at the well for immediate use in case the well kicks during pulling-out or running in tubings.

(5) (a) No well servicing operation shall be carried out at any live well unless proper blowout prevention equipment is securely installed and maintained.

(b) Before commencement of well servicing operation, the blowout prevention equipment shall be pressure and function tested.

(6) No tubing shall be pulled out of any well unless the well is properly killed.

57. Artificial lifting of oil.—(1) Unless a submersible pump is used for the purpose, a properly constructed working platform shall be provided at the well where artificial lift equipment is to be used.

(2) No repairs, lubrication or greasing shall be done unless the pumping unit is stopped.

(3) All surface control valves for gas lift, intermittent gas lift or free plunger lift systems shall be clearly marked for ready identification.

58. Temporary closure of producing wells.—(1)(a) When it is intended to close temporarily any producing well, it shall be filled with mud, water/oil so that the hydrostatic pressure of the fluid column overbalances the formation pressure to prevent leakage of oil and gas at the wellhead.

(b) The control valves of the christmas tree shall be completely closed and the control wheels shall be removed.

(2)(a) The christmas tree shall be examined for leakage once in 30 days by a competent person authorised for the purpose. In case any leakage is detected during such examination the competent person shall take immediate steps to stop it.

(b) A report of every such examination shall be recorded in a bound paged book kept for the purpose and shall be signed and dated by the person who made the examination.

59. Plugging requirements of abandoned wells.—(1) When it is intended to abandon a well,—

(a) all permeable formations shall be isolated with cement;

(b) a cement plug of minimum length of 50 metres shall be placed at the bottom of the well;

(c) a cement plug of a minimum length of 50 metres shall be placed across the shoe of the surface casing;

(d) all casing shall be cut off one metre below ground level and capped with a three metre cement plug and a welded plate; and

(e) cased wells may be abandoned by placing a bridge-plug above the top of perforations capped with a three-metre cement plug.

(2) Every abandoned well shall be clearly identified at site.

CHAPTER VI—TRANSPORT BY PIPELINES

60. Application.—The Regulations in this chapter shall apply only to the transport of mineral oils (which in turn includes natural gas and petroleum) by means of pipelines within any mine as defined under regulation 11 and also within the Oilfields.

61. Right of way to be acquired—No pipeline and installation connected with a pipeline shall be constructed without

acquiring the necessary land and rights for construction and access for inspection, maintenance, repairs and patrolling.

62. Approval of the route and design of pipelines.—(1) No pipeline shall be laid except with the permission in writing of the Chief Inspector and in accordance with such conditions as he may specify therein. An application for permission under this sub-regulation shall be accompanied by two copies of an up-to-date plan of the area where pipelines are proposed to be laid showing the proposed route, extent of land over which right of way has been acquired and also a note containing details of construction, testing and provisions proposed to be made for the maintenance and patrolling of pipeline, protection against uncontrolled escape of fluids from the pipeline and pressures in excess of those for which the pipeline is to be designed, as also measures for prevention and control of fire.

(2) Where it is proposed to lay pipeline within 45 metres of any railway or of any public works in respect of which this regulation is applicable by reason of any general or special order of the Central Government or of any public road or building or of other permanent structure not belonging to the owner of the mine, every application for permission under sub-regulation (1) and the accompanying plan shall also specify the position of pipeline in relation to the railway, public road or works or building. A copy of the application shall also be sent in the case of a railway, to the railway administration concerned; and in the case of any public works as aforesaid to such authority as the Central Government may by general or special order direct.

63. Design of pipeline and fittings.—(1) All pipes, valves, flanges and other fittings shall conform to Indian standards specification or such other specification as the Chief Inspector may recognise.

(2) Scraper launching and/or receiving traps shall be fitted with positive pressure-release indicator fixed to the opening door.

64. Laying of pipeline.—(1) Pipelines shall be laid at least 1.2 metres below the ground level except where laying thereof above the ground level is necessary for any special condition.

(2) The route of underground sections of a pipeline shall be indicated by markers and not less than two such markers shall be visible from any point along the route.

(3) Where the Chief Inspector is of the opinion that it is in the interest of public safety so to do, he may, by an order in writing, require the owner, agent or manager to relay, renew or repair such pipeline in accordance with requirements as may be specified in such order.

65. Emergency procedures for pipelines.—(1) The manager of every mine in which any pipeline is laid for transport of oil or natural gas, shall submit to the Regional Inspector, within 60 days of the coming into force of these regulations or in the case of a new installation, within 30 days of the installation, emergency procedures specifying the action to be taken in the event of fire, uncontrolled escape of oil or gas from the pipeline, bursting or damage to the pipeline.

(2) The Regional Inspector may, by an order in writing approve of such Emergency Procedures, either in the form submitted to him or with such additions and alterations as he may think fit, and the emergency procedures so approved shall be enforced at the mine.

CHAPTER VII—FIRE PROTECTION AND PREVENTION

66. Storage and use of flammable material.—(1) Except for the fuel in the tanks of the operating equipment, no flammable fuel shall be stored within 30 metres of a well.

(2) Safety cans shall be used for handling and use of flammable liquids.

(3) Drainage from any fuel storage shall be in a direction away from the well and equipment.

(4) A flammable liquid within the classification of class 'A' of class 'B' petroleum shall not be used for cleaning purposes without prior permission in writing of the installation manager.

67. Precautions against flammable gas.—(1) No person shall enter or be permitted to enter any cellar, sump, pit or any confined space or zone 'O' hazardous area or the area where a flare has become accidentally extinguished unless a test with an explosimeter or other approved instrument made by a competent person, indicates that the area is safe for persons to enter.

(2) Where any test mentioned in sub-regulation (1) shows the concentration of flammable gas to exceed 20 percent of the lower flammable limit, the supply of electric energy shall be cut off immediately from all cables and apparatus lying within 30 metres of the installation and all sources of ignition shall also be removed from the said area. Normal work shall not be resumed unless the area is made gas-free.

68. Safe distance.—(1) No person shall smoke within 30 metres of any well, separator, oil storage tank or other unprotected sources of flammable gases. In every mine 'smoking' and 'no smoking' areas shall be clearly demarcated.

(2) No naked light or open fire shall be permitted within 30 metres of any well or any place where oil is stored.

(3) No flame-type heater, crude oil treater or other flame-type equipment shall be placed within 25 metres of any well, separator, crude oil storage tank except where such flame-type equipment is equipped with flame arrestors.

(4) Flares shall be sited not less than 90 metres from production, installation or storage tanks.

69. Precautions against fire.—(1) Dead leaves or dry vegetation shall not be allowed to accumulate or remain and combustible materials other than materials required for use within a period of 24 hours shall not be stored within a distance of 15 metres from any oil or gas well or fuel tank storage area.

(2) Where an internal combustion engine is located within 25 metres of any well, separator, storage tank—

(a) its exhaust pipe shall be insulated or sufficiently cooled and the end of the exhaust pipe shall be directed away from the wellhead;

(b) its exhaust manifold shall be shielded to prevent its contact with liquids or gases which might otherwise fall on it.

(3) Where a diesel engine is located within 25 metres of a well, it shall be provided with an air-intake shut-off valve with readily accessible remote control.

(4) Water-bath heaters shall be provided with suitable device for remote ignition of burners.

(5) All plant, machinery, derricks and masts shall be effectively earthed for the dissipation of static electric charges.

70. Precautions during welding.—(1) No person other than a competent welder duly authorised in writing by the manager or installation manager shall carry out welding or cutting work requiring use of flame or electric welding apparatus.

(2) No welding or cutting work shall be undertaken by any welder in any classified hazardous area unless a written permit, hereinafter called, hot work permit, in the form specified in the Second schedule is issued to the welder by the manager or installation manager. Copies of hot work permits shall be entered in a bound-paged book kept for the purpose.

(3) No welding or cutting work shall be undertaken in any hazardous area unless the area is duly examined and

found gas-free by a competent person authorised for the purpose. A report of every such examination shall be recorded in a bound-paged book kept for the purpose and shall be signed and dated by the person making the examination.

(4) During welding and cutting operations the welder shall see that,—

- (a) all flammable material, oil, grease, oil-soaked earth are removed from the area;
- (b) no matches, lighters or smoking apparatus or any other source capable of igniting flammable vapour is permitted in the area;
- (c) adequate precautions are taken to prevent fires being started by sparks, slag or hot metal;
- (d) adequate number of foam or dry-chemical type fire extinguishers are readily available for immediate use;
- (e) When operations are carried out in confined space, adequate ventilation by mechanical means is constantly provided to prevent accumulation of flammable gas, and
- (f) when operations are carried out on pipeline which contained flammable liquid or gas, the pipe is disconnected or bled, the line is isolated, drained or purged with inert gas or water before hot work and adequate precautions are taken against pressure build-up in the line while hot work is in progress.

(5) The installation manager shall ensure that where hot work permits are issued, welding and cutting operations are carried out in accordance with the said permit.

71. Fire fighting equipment.—(1)(a) At every drilling rig at least two foam and two dry chemical type fire extinguishers shall be conveniently located.

(b) At every work-over rig at least one foam and one dry chemical type fire extinguishers shall be provided.

(c) Foam shall not be used to extinguish electrical fires.

(2) At every fixed installation or group gathering station, gas compressor station, storage tanks, a water ring main with static water storage at site, feeding hydrants and water monitors shall be provided.

(3) Fixed-roof storage tanks shall be provided with fixed foam connections.

(4) Where the Regional Inspector may so require the owner, agent or manager shall also maintain mobile fire fighting equipment and ancillary appliances at the mine.

(5) (a) A competent person shall, once at least in every three months examine every fire-extinguisher and shall discharge and refill it as often as may be necessary to ensure that it is in proper working order.

(b) A report of every such examination or refilling shall be kept in a bound paged book kept for the purpose and shall be signed and dated by the person making the examination or refilling.

72. Use of fire fighting equipment.—Every person employed at any drilling-rig, work-over rig well-head installation, group gathering station, storage tank or on such work where the fighting equipment may be required to be used, shall be trained in the use of such equipment. Regular fire drills shall be held for this purpose.

73. Contingency plan for fire.—(1) The manager shall frame a contingency plan for fire and submit a copy thereof to the Regional Inspector who may approve it either in the form submitted to him or with such additions or alternations as he may deem fit.

(2) The contingency plan shall contain—

- (a) organisation plan clearly stating the line of command and the responsibilities of each person involved in case of emergency situations;
- (b) equipment plan, clearly stipulating the equipments make and type, capacity, location correct operation and field of operation;
- (c) action plan, clearly stipulating—
 - (i) alarm and communication system,
 - (ii) system of notifying the authorities,
 - (iii) the duties of each person involved,
 - (iv) when and how the equipment shall be used and when and how the action shall be carried out; and
 - (v) guidelines for terminating the action, and
- (d) plan for training of personnel and for drills.

CHAPTER VIII—MACHINERY, PLANT AND EQUIPMENT

74. Use of certain machinery and equipment.—(1) The Chief Inspector may, from time to time, by notification in the Official Gazette specify appliances, equipment, machinery or other material that are or may be used in a mine which shall be of such type, standard and make as approved by the Chief Inspector by a general order and where any such appliance, equipment, machinery or other material has been specified by the Chief Inspector no appliance, equipment, machinery or material other than that approved by the Chief Inspector as aforesaid, shall be used in any mine.

(2) Where in the opinion of the Chief Inspector or Regional Inspector any appliance, equipment, machinery or other material not notified under sub-regulation (1) is likely to endanger life or safety of any person employed in any mine, the Chief Inspector may, by an order in writing prohibit the use of such appliance, equipment, machinery or material in any mine.

75. Classification of hazardous area.—After the coming into force of these regulations, the areas in the mine shall be classified into different zones according to the degree of probability of the presence of hazardous atmosphere by the Chief Inspector or an Inspector assisted by such assistants and after such investigations as he may consider necessary.

76. Use of electrical equipment in hazardous area :—

(1) No electrical equipment including lighting apparatus shall be used in zone 'O' hazardous area.

(2) In every zone 1 hazardous area, only intrinsically safe or flameproof electrical apparatus and equipment shall be used.

(3) In every zone 2 hazardous area only flameproof or increased safety or pressurised electrical apparatus and equipment or such other electrical equipment as may be approved by the Chief Inspector shall be used.

77. General provisions about construction and maintenance of machinery.—All parts and working gear, whether fixed or moveable including the anchoring and apparatus used as or forming part of the equipment of a mine and all foundations in or to which any such appliances are anchored or fixed shall be good construction, suitable material, adequate strength and free from visible defect and shall be properly maintained.

78. Internal combustion engines.—(1) Internal combustion engines of over 30 horse power shall be provided with means other than manual for starting them :

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to prohibit manual starting in an emergency.

(2) Where compressed air is used for starting the engine, a non-return valve shall be provided in the compressed air line as close to the engine as practicable.

(3) The exhaust system of the engine shall be provided with suitable device to prevent discharge of open flame and sparks from the exhaust.

(4) Adequate precautions shall be taken to prevent accumulation of flammable vapour near the internal combustion engine.

(5) The electrical accessories of an internal combustion engine shall comply with the provisions of Indian Electricity Rules, 1956.

79. Apparatus under pressure.—(1) All apparatus used as or forming part of the equipment of a mine which contains or produces air, gas or steam at a pressure greater than atmospheric pressure shall be so constructed, installed and maintained as to obviate any risk of fire, bursting, explosion or collapse or the production of noxious gases.

(2) Every air receiver shall be fitted with a safety valve and an air gauge which shows pressure in excess of the atmospheric pressure.

(3)(a) The discharge line of a gas compressor shall be provided with a pressure relieving safety device; there shall be no valve or fitting between the compressor and its pressure relieving safety device or between the device and point of discharge, as would render the device ineffective.

(b) The pressure relieving safety device shall be set to open at a pressure not exceeding 10 per cent above the maximum allowable working pressure.

(c) The pressure relieving safety device shall be tested once in every six months and a record of every such test shall be kept in a bound pagged book kept for the purpose by the person making the test.

(4) Every incoming gas line connected to any gas compressor shall be provided with a shut-off valve at safe distance outside the compressor station.

(5) No repairs shall be undertaken in respect of any gas compressor and pipelines and fittings connected to it, unless the control valves on the inlet and discharge lines are closed and securely locked.

80. Precautions regarding moving parts of machinery.—(1) Every winch shall be provided and used with a stopper, pawl or other reliable holder.

(2) Every flywheel and every other dangerous exposed part of any machinery used as or forming part of the equipment of a mine shall be adequately fenced by suitable guards of substantial construction to prevent danger, and such guards shall be kept in position while the parts of the machinery are in motion or in use, but they may be removed for

carrying out any examination, adjustment or repairs if adequate precautions are taken.

(3) No person shall be allowed to repair, adjust, clean or lubricate machinery in motion where there is risk of injury.

(4) No person shall be allowed to shift or adjust a driving belt or rope while the machinery in motion unless a proper mechanical appliance is provided for the purpose.

(5) No person in close proximity to moving machinery shall wear, or be permitted to wear loose outer clothing.

(6) No unauthorised person shall be permitted to enter any engine room or in any way interfere with the engine.

81. Engine rooms and their exits.—Every engine, motor, compressor and pump room and every room in which highly inflammable materials are stored shall be kept clean and be provided with at least two exits. Every such exit shall be properly maintained and kept free from obstruction.

82. Working and examination of machinery.—(1) No machinery shall be operated otherwise than by or under the constant supervision of a competent person.

(2) Every person in charge of any machinery, apparatus or appliance shall, before commencing work, see that it is in proper working order, and if he observes any defect therein, he shall immediately report the fact to the installation manager or other competent person.

(3) Every person in charge of an air-receiver shall see that no extra weight is added to the safety valves and that the permissible pressure of air is not exceeded.

(4) A competent person or persons appointed for the purpose shall, once at least in every seven days, make a thorough inspection of all machinery and plant in use and shall record the result thereof in a bound-paged book kept for the purpose. In respect of electrical machinery and plant, the competent person shall be an engineer or electrical supervisor holding qualifications specified in the Indian Electricity Rules, 1956.

CHAPTER IX—GENERAL SAFETY PROVISIONS

83. Housekeeping.—(1) Loose materials which are not required for use shall not be placed or left so as to dangerously obstruct workplaces and passageways.

(2) All projecting nails and ends of railings shall be bent over to prevent injury.

(3) Scrap, waste and rubbish shall not be allowed to accumulate in workplaces, access or egress.

(4) Workplaces and passageways that are slippery owing to oil, mud or other causes shall be cleaned up or strewn with sand, sawdust or the like.

(5) Portable equipment shall be returned after use to its designated storage place.

(6) Equipment, tools and small objects shall not be left lying about where they could cause an accident either by falling or causing person to trip.

84. General Lighting.—(1) Adequate general lighting arrangements shall be provided during working hours at the following places,—

- (a) where the natural lighting is insufficient;
- (b) derrick floor;
- (c) driller's stand and control panel;
- (d) monkey board;
- (e) every engine and pump house;
- (f) derrick sub-structure near blowout preventor controls;
- (g) every place where persons are to work; and
- (h) every means of escape, access or egress.

(2) The lighting provided in a mine shall, as far as possible be so arranged as to prevent glare or eye-strain.

85. Electric lighting.—(1) Every electrical lighting apparatus shall be of a type approved by the Chief Inspector.

(2) The lighting system installed in the mine shall comply with the provisions of the Indian Electricity Rules, 1956.

(3) Every electrical lighting apparatus shall be so fitted as to protect it from accidental damage.

86. Standards of lighting.—The Chief Inspector may, from time to time by notification in the Official Gazette specify, the standard of lighting to be provided in any specified area or places in a mine.

87. Emergency lighting.—Adequate number of self-contained portable hand lamps of approved type shall be made and kept available for immediate use in emergency.

88. Protective footwear.—(1) No person shall go into or work or be allowed to go into work in a mine, unless he wears a protective footwear of such type as may be approved by the Chief Inspector by a general or special order in writing.

(2) The protective footwear referred to in sub-regulation (1) shall be supplied at intervals not exceeding six months.

89. Protective helmet.—(1) No person shall go into or work or be allowed to go into work in a drilling rig or work-over rig or rig building or rig dismantling or at such other place of work where there is a hazard from flying or falling objects, unless he wears a helmet of such type as may be approved by the Chief Inspector by a general or special order in writing.

(2) The helmet referred to in sub-regulation (1) shall be supplied at intervals not exceeding three years :

Provided that when a helmet is damaged during its legitimate use, it shall be immediately replaced.

90. Protective equipment.—Every person engaged in the operations and every other person who may be exposed to the risk of injury, poisoning or disease arising from the operations shall be provided with,

- (a) depending upon the risk, suitable protective equipment including respiratory protective equipment, eye protectors, gloves and aprons,
- (b) suitable protective outer clothing for use in rain and extreme weather conditions.

91. Supply and use of protective footwear, helmet and equipment.—(1) The owner, agent or manager shall provide protective footwear, helmet and equipment free of charge.

(2) Every person provided with protective footwear, helmet and equipment shall wear the same while at work.

92. Protection against noise.—(1) The owner, agent or manager shall take reasonably practicable means to reduce the exposure of work persons to noise.

(2) No person shall enter or be allowed to enter without appropriate ear protection, an area in which the sound level is 115 decibels or more.

(3) No person shall enter or be allowed to enter an area in which the sound level is 140 decibels or more.

(4) The Chief Inspector may, from time to time by notification in the Official Gazette, specify the permissible noise exposures in any area or place in a mine.

93. Communication.—(1) Efficient means of communication shall be provided and maintained in good working order between manned installations, the office of the manager and other places of work. Wherever possible this shall be by radio telephone and an alternative means of signalling shall also be provided.

(2) The communication and signalling system installed in the mine shall comply with the provisions of the Indian Electricity Rules, 1956.

94. Safety belts and lifelines.—Where any person cannot be protected against falls from heights by other means, the owner, agent or manager shall provide an approved safety belt suitable for the hazard exposure, which shall be attached by means of a lifeline to a fixed anchor and adjusted to allow a drop not exceeding 1.8 metres in case of a fall.

95. Precautions against toxic dusts, gases and ionising radiation.—(1) The emission of toxic dust gases, fumes and ionising radiation shall be prevented or controlled at source as far as reasonably practicable.

(2) Every person liable to be exposed to toxic dust gases, fumes and ionising radiation shall be instructed in the safe working methods and techniques, by a competent person appointed for the purpose.

(3) The Chief Inspector may from time to time by notification in the Official Gazette specify the permissible limits of exposure to toxic dusts, gases, fumes and ionising radiations.

96. Safety warning signs.—(1) Storage areas and containers of toxic, corrosive, flammable, poisonous

and radioactive material shall be properly labelled and appropriately stored according to content.

(2) Warning signs shall be posted to denote any unusual hazardous situation.

(3) Warning signs shall be pasted in areas where the use of personal protective equipment is required.

(4) Identification signs shall be conspicuously posted to locate emergency equipment.

(5) Pipelines carrying steam or fluids at high pressure shall be conspicuously identified.

97. Protection against pollution of environment.—

(1) Any oil discharged from a well during its completion, testing and repairs shall be collected in suitably constructed and adequately fenced disposal pits.

(2) No disposal pit shall be constructed within 45 metres of any railway, public road or of any public works or of other permanent structure not belonging to the owner.

(3) Formation water, oil, drilling fluid, waste, chemical substances or refuse from a well, tank or other production installation shall not be permitted—

(a) to create a hazard to public health and safety;

(b) to run into or contaminate any fresh water structure or body of water or to remain in a place from which it might contaminate any fresh water or body of water; and

(c) to run over or damage any land, highway or public road.

(4) (a) Gas produced at any installation shall not be permitted to discharge to the atmosphere unless burned in accordance with sub-regulation (b) or in a manner otherwise approved by the Regional Inspector.

(b) Gas to be burned, referred to in sub-regulation (a) shall be discharged from a flare-line in the following manner,—

(i) the flare-line shall terminate with the vertical rises of at least 9 metres or such greater height as may be required by the Regional Inspector by an order in writing;

(ii) the flare-line shall be adequately anchored and provided with suitable means to prevent extinction of the flame; and

(iii) when the gas-flow is intermittent, the flare-line shall be provided with a remote controlled electrical ignition device to ensure continuous ignition of any gases.

98. Fencings.—(1) The Christmas tree provided at any well shall be kept fenced with access gates securely locked.

(2) Every flare-stack shall be provided with an efficient fence or barrier.

(3) The protected area surrounding every production installation and storage tank shall be provided

with a well or fence not less than 1.8 metres in height.

(4) (a) Precautions shall be taken to prevent any unauthorised person from having access to any place which has been duly fenced.

(b) Every fence shall, once at least in every seven days, be examined by a competent person. A report of every such inspection shall be recorded in a bound paged book kept for the purpose and shall be signed and dated by the person who made the examination.

(5) If any doubt arises as to whether any fence, guard, barrier or gate provided under those regulations is adequate, proper or secure, it shall be referred to the Chief Inspector for decision, whose decision thereon shall be final.

CHAPTER X—MISCELLANEOUS

99. General safety.—No person shall negligently or wilfully do anything likely to endanger life or limb in the mine or negligently or wilfully omit to do anything necessary for the safety of the mine or of the persons employed therein.

100. Safety and health education and instruction.—In every mine, safety and health education and instruction programmes shall be organised regularly to make the workers safety conscious and instill an awareness of occupational safety and health at every level.

101. Place of accident not to be disturbed.—When any accident in a mine results in serious bodily injury to three or more persons or in any loss of life, the place of accident shall not be disturbed or altered before the arrival or without the consent of an Inspector unless such disturbance or alteration is necessary to prevent further accidents, to remove bodies or to rescue persons from danger or unless discontinuance of work at the place would seriously impede the working of the mine :

Provided that should an Inspector fail to make an inspection within 72 hours of the time of the accident, work may be resumed at the place of the accident.

102. Restoration of surface.—Where the surface area does not belong to the owner, on completion or final abandonment of any well, test-hole or production installation or upon abandonment of any other facility installed for the purpose of exploring for, developing or producing oil or gas and as soon as weather and ground conditions permit,—

(a) the area shall be cleared of all refuse material;

(b) waste oil shall be burned or removed;

(c) excavations shall be drained and filled;

(d) concrete base, machinery and materials not being used for production shall be removed; and

- (e) The surface shall be levelled and the site left in the condition as nearly as is reasonable to its condition when operations were commenced.

103. Pointing out of contraventions during inspections.—(1) If the Chief Inspector or an Inspector, during the inspection of any mine finds or comes to know of any contravention of any provisions of the Act or the regulations, rules, bye-laws or orders made thereunder, he shall enter such contravention in an interleaved, paged and bound register kept for the purpose at the mine in Form VI and shall also point out such contravention to the owner, agent or manager, if present on the spot. The Chief Inspector or the Inspector making the entry in the register aforesaid shall duly sign such entries with date and take a carbon copy of the entries for his record :

Provided that the Chief Inspector or the Inspector need not enter such contraventions which require confirmation after a survey or other further examination and he may subsequently intimate the owner, agent or manager specifying the contraventions, if confirmed, and also any other contraventions which were by inadvertence, not entered in the register aforesaid.

(2) The owner, agent or manager shall check the aforesaid register and countersign each entry therein. He shall get copies of such entries made out within three days of the date of entry and display one of such copy on the notice board of the mine for a period of at least fifteen days. When so required, the owner, agent or manager shall also supply copies of the entries to the registered trade unions of workers in the mine and to the State Government concerned.

(3) The owner, agent or manager of the mine shall return one copy within a period not exceeding fifteen days from the date of entry to the Chief Inspector or the Regional Inspector who made the entry with remarks thereon showing the action taken to remedy the contravention and the date on which such action was taken.

104. Signing of returns, notices and correspondence. All returns and notices required under or correspondence made in connection with the provisions of the Act and of these regulations and orders made thereunder, shall be signed by the owner, agent or manager of the mine :

Provided that the owner may, be a power of attorney delegate these functions to any other specified person :

Provided further that in respect of notice of accident, the manager may delegate this function to any installation manager.

105. Chief Inspector to exercise powers of the Regional Inspector.—Any power granted under these regulations to the Regional Inspector may be exercised by the Chief Inspector or any other Inspector authorised in writing in that behalf by the Chief Inspector.

106. Appeals to the Chief Inspector.—Against an order made by the Regional Inspector under any of these regulations, an appeal shall lie to the Chief Inspector who may confirm, modify or cancel the order. Every such appeal shall be preferred within 15 days of the receipt of the order by appellant.

107. Appeals to the mining board or the Central Government.—(1) against any order of the Chief Inspector an appeal shall lie within 20 days of the receipt of the order by the appellant to the Mining Board constituted under section 12 of the Act or if no Mining Board has been constituted for the area in which the mine or part thereof is situated to the Central Government.

(2) Every order of the Chief Inspector against which an appeal is preferred under sub-regulation (1) shall be complied with pending receipt at the mine of the decision of the Mining Board or of the Central Government, as the case may be :

Provided that the Mining Board or the Central Government as the case may be, may, on application by the appellant, suspend the operation of the order appealed against pending the disposal of the appeal.

108. Repeal and Saving.—The Oil Mines Regulations 1983 are hereby repealed :

Provided that all acts done or orders issued under any of the said regulations shall so far as they are not inconsistent with these regulations be deemed to have been done or issued under the corresponding provisions of these regulations.

FIRST SCHEDULE

FORM-I

(See regulations 3 and 6)

Notice of opening, closing or change of name

From

.....

To

1. The Chief Inspector of Mines Dhanbad-826001

2. The Regional Inspector of Mines
..... Region.

3.

4.

Sir,

I have to furnish the following particulars in respect of (i).....at.....
 (name) mine of.....
 (owner)

1. *In case of CHANGE OF NAME OF MINE :

Old name of mine.....date of change.....

2. (1) Situation of the mine :

Village.....
 Police station.....
 District.....
 State.....

*(2) In case of a NEW MINE, particulars of situation of mine :

Post office.....
 Telegraph office.....
 Railway station.....

Present

Previous*

3. (1) Name and postal address of (ii)

(a) Owner.....
 (b) Agent, if any.....
 (c) Manager.....

*(2) In case of change, date of change.....

*4. (1) Name of manager/installation manager whose appointment is terminated/who is appointed (iii).....

(2) Date of appointment/termination of appointment (iii)

*5. Date on which it is intended to open/reopen abandon/discounting (iii) the mine.....

*6. Actual date of opening/reopening/abandonment/discontinuance (iii) of the mine :.....

Yours faithfully

Signature.....
 Designation-Owner Agent
 Manager

Instructions :

*Only such columns to be filled in respect of which notice is given—

Date

- (i) Mention the matter to which the notice refers.
 (ii) Need not be filled in if the notice relates to item 4.
 (iii) Delete whichever is not applicable.

FORM-II

(See regulation 4)

Quarterly return for the quarter ending.....

1. Name of mine.....
 Postal address of mine.....

2. Situation of mine :

Place.....
 District.....
 State.....

3. Name of owner.....
 Postal address of owner.....

4. Name of agent, if any.....
 Postal address of agent.....

5. Name of manager.....
 Postal address of manager.....

Tables A to C duly filled in are attached.

Certified that the information given above and in Tables A to C is correct to the best of my knowledge.

Signature.....
Designation : Owner/Agent/
Manager
Date.....

TABLE-A-OUTPUT*

Type of product oil/gas	Output of oil/ gas	Value of oil/gas produced **	Despatch			
			To refinery	To market	Domestic con- sumption	Closing stock
1	2	3	4A	4B	4C	5

Signature.....
Designation : Owner/Agent/
Manager
Date.....

INSTRUCTIONS

*The figures should be stated in kilolitres/cubic metres

**Value should be calculated upon actual or estimated selling price at the mine. Any charges incurred in transporting the oil outside the mine property should not be included. Royalty figures will not be accepted.

TABLE B—NUMBER OF MAN-DAYS, ETC.

Give maximum number of persons employed on any day during the quarter ————— (Number) on ————— (a)
Number of working days during the quarter :

Classification	Aggregate number of man-days worked	Aggregate number of man-days lost on account of absence					
		(b)	(c)	(d)	(e)		
		Men	Women	Sickness	Accident	Leave	Other cause Total
(a) Clerical and supervisory staff(f)							
(i) Supervisors							
(ii) Clerks							
(b) Other workers employed at—							
(i) Drilling							
(ii) Production							
(iii) Workshops etc.							
(iv) Miscellaneous							
TOTAL							

If there is any marked increase or decrease in attendance or absence, please account for it.

Signature.....
Designation : Owner/Agent/Manager
Date

INSTRUCTIONS

(a) Give day of the week and the date and month.

- (b) The information should cover all person 'employed' in the mines as defined in section 2(1) (h) the Mines Act 1952 including clerical and subordinate supervisory staff.
- (c) Total number of man-days worked should be obtained by adding the daily attendances for the whole quarter.
- (d) Total number of man-days lost by absence should be obtained by adding the daily absences for the whole quarter.
- (e) Absences should include all cases in which a person is 'scheduled to work' or is expected to turn up for work does not. All permanent employees are to be treated as 'scheduled to work'. So far as temporary or casual employees are concerned, a person who attended work during the preceding week should be considered as 'scheduled to work' during the week under consideration unless :
- he has reported his intention to quit; or
 - his services have been terminated by the management; or
 - he does not turn up for work during the whole week.

A person who has not worked during the preceding week should be considered as 'scheduled to work' only from the day in which he joins work during the week under consideration. Absence due to strike, lockout, lay off or maternity leave should not be included in absence here.

- (f) Supervisory staff does not include senior officers like agent, manager, installation manager, welfare officer etc. but includes only the subordinate supervisory staff.

TABLE C—HOURS OF WORK AND EARNINGS

Information should be furnished in respect of one complete working week during the last month of the quarters (a)

1. Attendances, man-hours worked and cash earnings:—

Classifications	Average daily attendance during the week(b)		Aggregate number of man-hours worked during the week(c)		Total cash payments for work done during the week(d)			
	Men	Women	Men	Women	Basic wages	Dearness allowances	Other cash payments	Total
	Men	Women	Men	Women	Men	Women	Men	Women
(a) Clerical and supervisory staff(f)								
(i) Supervisors								
(ii) Clerks								
(b) Other workers employed at:—								
(i) Drilling								
(ii) Production								
(iii) Workshops etc.								
(iv) Miscellaneous								
2. Total estimated value of concessions in kind (g) given during the week Rs. :								
3. Normal hours of working shifts :								

	From	To
1st shift.....		
2nd shift.....		
3rd shift.....		

4. Number of working days in the week :—

If there is any major change in wages or hours of work as compared to the preceding quarter, please account for the change here.

Signature.....

Designation Owner/Agent/Manager

Date.....

INSTRUCTIONS

- (a) The information should cover all persons 'employed' as in Table B. Particulars relating to payments etc. to monthly paid staff should be included on 'pro-rata' basis.
- (b) Average daily attendance should be obtained by dividing the aggregate number of attendances on all the shifts on all days during the week by the number of working days. Any days on which the mine did not work for any cause whatsoever should not be treated as a working day.
- (c) Aggregate number of man-hours worked during the week should be obtained by adding for the whole week the number of man hours worked every day. The number of man-hours worked on a day is obtained by summing up the number of hours worked by each person attending work on each of the shifts during the day including overtime worked, if any.
- (d) Total cash payments should include all remuneration payable (and paid) for work done during the week before making deductions, if any, towards funds, provident fund contributions etc. Employers contribution to any provident fund or of account of welfare provisions should not be included. Bonuses not payable for every pay-period should also not be included.
- (e) Including over-time payments.
- (f) Supervisory staff does not include senior officers like agent, manager, installation manager, welfare officer etc. but includes only the senior subordinate supervisory staff.
- (g) Concessions in kind such as supply of food-stuff fuel, electricity, water etc. free or at subsidised prices should be estimated in terms of the difference between the monetary value of the food stuff etc. at cost price and the value realised by sale at concessional price.

FORM III

(See regulation 5)

Annual return for the year ending on the 31st December, 19

1. Name of mine.....
2. Postal address of mine.....
3. Date of opening.....
4. Date of closing (if closed)
5. Situation of the mine : District.....
State.....
6. Name of owner.....
Postal address of owner.....
7. Name of agents (if any) as defined in section 2(1)(c) of the Mines Act 1952.....
Postal address of agent.....
8. Name of manager.....
Postal address of manager.....
9. Other superior supervisory staff employed as at the end of the year (please give designations and numbers employed)
.....
.....
.....
10. (a) Whether machinery is used.....
(b) Nature of power used, if any (e.g. electricity, steam, compressed air), etc.....
Tables A to E duly filled in are attached.

Certified that the information given above and in Tables A to E is correct to the best of my knowledge.

Signature.....

Designation : Owner/Agent/Manager

Date.....

TABLE A—EMPLOYMENT

Maximum number of persons employed on any one day during the year.....(number) on.....

Classification	Total number of man-days worked during the year (b)			Number of days worked during year	Average daily number of person employed (c)				Total wages or salary bill for the year (d)
	Direct labour	Contract labour	Total		Men	Women	Adolescent	Total	
1	2A	2B	2C	3	4A	4B	4C	4D	5
(a) Clerical and supervisory staff (o)									
(i) Supervisors									
(ii) Clerks									
(b) Other workers employed at—									
(i) Drilling									
(ii) Production									
(iii) Workshops etc.									
(iv) Miscellaneous									
Total									

Signature.....
 Designation : Owner/Agent/Manager
 Date.....

INSTRUCTIONS

- Give day of the week and the date and month.
- Obtained by adding the daily attendance for the whole year.
- Obtained by dividing the number of man-days worked by the number of working days. The total shown in column (4D) should agree with the quotient obtained by dividing the total shown in column (3).
- Includes all cash payments including bonuses. Employers Contributions to any provident funds, welfare activities etc. and concessions in kind should not be included.
- Supervisory staff does not include senior officers like agent, manager, installation manager, welfare officers etc. but includes only the subordinate supervisory staff.

TABLE B—TYPE AND AGGREGATE HORSE POWER OF ELECTRICAL APPARATUS

1. Electricity generated, purchased or received otherwise (in kwh)

	Generated	Purchased or received
(a) For own use.		
(B) For Sale.....		
2. System of supply whether direct current or alternating current.		
(i) Voltage of supply		
(ii) Periodicity		
(iii) Source of supply		
3. Voltage at which current is used for :		
(i) Lighting		
(ii) Power		
4. Length of cables (in metres)		
(i) High pressure		
(ii) Medium pressure		

5. Total number and aggregate horse power of motors :

	In use		In reserve	
	Number of units	Total horse power	Number of units	Total horse power
(i) Draw works.				
(ii) Hoists.				
(iii) Pumps.				
(iv) Traction.				
(v) Portable machines.				
(vi) Workshops including foundry smithy etc.				
(vii) Miscellaneous (specify)				
Total.				

Signature.....
Designation : Owner/Agent

TABLE C—TYPE AND AGGREGATE HORSE POWER OF MCHANTRY AND EQUIPMENT OTHER THAN ELECTRICAL APPARATUS

	In use		In reserve	
	Number of units	Total horse power	Number of units	Total horse power
I. Power generation				
(a) Boilers				
(b) Steam turbines				
(c) Diesel engines				
(d) Gasoline, gas or oil engines other than diesel engines				
(e) Air compressores				
Total				
II. Machinery :				
(i) Drills				
(ii) Hoists				
(iii) Pumps				
(iv) Traction				
(v) Portable machines				
(vi) Workshops				
(vii) Miscellaneous (specify)				
.....				
.....				
.....				
Total				

Signature.....
Designation/Owner/Agent/Manager
Date.

TABLE D—DRILLING AND OTHER RIGS, OIL AND GAS WELLS AND PIPELINES

1. Drilling, walkover and other rigs

Type of rig	Number deployed
-------------	-----------------

2. Oil, gas and other wells

Classification	Number
----------------	--------

1. Wells drilled
2. Wells abandoned
3. Oil wells completed
4. Gas wells completed
5. Wells producing gas
6. Wells producing oil

3. Pipeline

Classification	Length in metres	Diameter in centimetres
----------------	------------------	-------------------------

1. Flowlines laid from wells to gathering station
2. Pipelines laid from gathering station to central storage tanks
3. Pipelines laid from central storage tanks to refinery or primary consumer points

Signature
Designation : Owner/Agent/Manager
Date

TABLE E—OUTPUT

Type of product oil/ gas	Opening stock on 1st Jan. 19	Output of oil/gas	Value of oil/gas produced (b)	Despatches			Closing stock on 31st December 19
				To refinery	To market	For house consumption	
1	2	3	4	5	6	7	8

Signature
Designation : Owner/Agent/Manager
Date

INSTRUCTIONS

- (a) The figures should be stated in kilolitres/cubic metres.
- (b) 'Value' should be calculated upon actual or estimated selling price at the mine. Any charges incurred in transporting the oil or gas outside the mine property should not be included. Royalty figures will not be accepted.

FORM-IV A

(See regulation 7)

Notice of accident/occurrence

From

.....
.....

To

1. The Chief Inspector of Mines,
Dhanbad-826001.

2. The Regional Inspector of Mines
.....Region.
3. The District Magistrate/District Collector.....
4. The Electrical Inspector of Mines
(in case of electrical accident only),
Dhanbad-826001.

Sir,

I have to furnish the following particulars of a fatal accident(s)/serious accident(s)/dangerous occurrence (i) which occurred at the
.....mines of.....(owner)

1. Particulars of the mine:

Situation of mines	Name and postal address of owner
Village.....	
Post Office.....	
Police station.....	
District.....	
State.....	

2. Particulars of the accident/occurrence

Date and hours of accident/occurrence (ii)	Place and location in mine	Number of person(s) Killed/seriously injured
Classification of accident/occurrence(ii)		Its cause and description

3. Particulars of injuries etc.

Name of person(s) (iii)	Nature of employment	Age	Sex	Nature of injury and if fatal, cause of death (iv)
Killed :				
1.				
2.				
3.				
Injured :				
1.				
2.				
3.				

Particulars in respect of every person killed or injured, form V are enclosed/shall be forwarded with in a week (i)

Yours faithfully

Signature.....

Designation : Owner/Agent/ Manager

Date

INSTRUCTIONS

- (i) Delete whatever is not applicable.
- (ii) Under one or other of the following heads, namely:
 - 1. (a) Explosion and ignition of inflammable gas or liquid.
 - (b) Blow out.
 - 2. In drilling/workover rig.
 - 3. Explosives.
 - 4. (a) Machinery.
 - (b) Bursting of pipes.
 - 5. Suffocation by gases.
 - 6. Outbreak of fire.
 - 7. Electricity.
 - 8. Miscellaneous.
- (iii) In block capital.
- (iv) Attach separate sheet, if necessary.

FORM-IV B

(See regulation 7)

Particulars of deceased/injured person

(To be given separately in respect of every person killed or injured in an accident in the mine)

1. General :
 - (i) Name of mine
 - (ii) Owner
 - (iii) District
 - (iv) State
2. Name of injured worker
3. Time of accident :
 - (i) Date
 - (ii) Time.....
 - (iii) Shift.....
 - (iv) Number of shifts worked per day at the mine
 - (v) Time when the worker began work on the day of the accident
4. Occupation and experience of the worker :
 - (i) State the nature of job he was doing at the time of accident
 - (ii) Was it his regular occupation?
 - (a) If 'Yes' state length of experience at the occupation ; at your mine
previous experience, if any
 - (b) If no, state how long employed at this job.....
 - (iii) State total experience in mining
 - (iv) Give details of experience in mining work
5. Place of accident :
6. Nature of injury:
 - (i) State whether fracture, amputation, laceration, bruise, sprain, crushing injury or other (to be specified)
 - (ii) Part of body injured (to be specified precisely).....
7. Degree of disability :
 - (i) If fatal, date and time of expiry
 - (ii) If permanent disablement, specify
 - (a) The part or parts of the body lost, if any
 - (b) The part or parts of body gone out of use
 - (c) Whether disablement was total or partial.

(iii) If temporary disablement, state number of days forced to remain idle.

8. Responsibility for the accident :

- (i) Was any safety provision(s) contravened
- (ii) If so, by whom ?
- (iii) What action was taken against the offender ?
- (iv) Could the accident have been avoided ?
- (v) If so, how?

Signature

Designation Owner/Agent/Manager

Date

FORM-IV C

(See regulation 7)

Particulars of injured person returned to duty

(To be given separately in respect of every person within 15 days of his return to duty)

1. General :

- (i) Name of mine
- (ii) Owner
- (iii) District
- (iv) State

2. Date of accident

3. Name of injured worker

4. Return to duty :

- (i) Date when returned to work
- (ii) Whether returned to regular job or some other job
(To be specified)

5. Compensation :

State amount of compensation paid or to be paid, if any

Signature

Designation: Owner/
Agent/Manager

Date

FROM-V

(See regulation 8)

Notice of disease notified under section 25

From

.....
.....

- 1. The Chief Inspector of Mines,
Dhanbad -826001
- 2. The Regional Inspector of Mines,
.....Region
- 3. The District Magistrate/District Collector
- 4.

Sir,

I have to furnish the following particulars with respect to an occupational disease contracted by a person employed in the.....
mine of.....(owner)

1. PARTICULARS OF MINE ETC :

(i) Situation of mine :

Village.....
Post office.....
Police station.....
District.....
State.....

(ii) Name and postal address of owner.....

2. PARTICULARS OF PERSON AFFECTED :

(i) Name (in block capitals).....

(ii) Permanent address.....

Village.....
Police station.....
Post office.....
District.....
State.....

(iii) Sex.....

(iv) Date of birth (or age).....

(v) Occupation.....

How long engaged?.....

(vi) Date of commencement of employment :.....

(a) in this mine.....

(b) In petroleum industry.....

3. PARTICULARS OF DISEASE ETC :

(i) Nature of disease from which the person is suffering (state stage).....

(ii) Date of detection of disease.....

(iii) Name, registration number and address of medical practitioner suspecting disease.....

Signature.....

Designation : Owner/Agent/Manager

Date.....

FIRST SCHEDULE

FORM — VI

(See regulation 103)

Name of Mine.....Owner.....
Manager.....Installation manager.....
Name of Installation.....
Inspected by.....Accompanied by.....
on.....19.....

Place inspected	Mines Act/O.M. Reg./ Mines Rules/Sec/ Clause Number	Contravention observed	Action taken by management to remedy the contravention	Date of rectification of the contravention	Remarks
-----------------	---	---------------------------	---	---	---------

The contraventions mentioned above are not exhaustive. A letter giving the details of other contraventions observed may follow in due course.

Signature of Inspecting
Officer I.O.

Date

Designation :

Signature of Mines Official
accompanying I.O.

Date :

Designation :

SECOND SCHEDULE

(See Regulation 70)

Form for hot work permit

Shri.....and his co-workers named below are permitted to undertake welding/cutting work in connection with the job/jobs listed hereinafter at.....Of.....
(name of installation)

.....oil mine, on.....from.....
(date)

to.....hours on condition that the safety measures mentioned below are strictly complied with :

Job list and work procedure in brief :

Safety measures :

1. Welding/cutting shall commence only after provisions of Regulation 70(3) are complied with.
2. During the operation, tests for presence of hazardous atmosphere shall be made with explosimeter at every..... hours interval. If during any such test it is found that the area is not gas-free, all welding/cutting work shall be stopped forthwith and the operation shall not be resumed till the area is made gas-free.
3. The provisions of Regulation 70(4) shall be strictly complied with; a copy of these provisions is attached.
4. Any other provisions :

Name(s) of Co-workers.

Signature of Welder

Signature of Managers/Installation Manager.

Date.....

Date.....

[No. S-66012/1/83-MI]

L. K. NARAYANAN, Under Secy.